दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15 प्रतिशत मौतें
- 12

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत
- 12

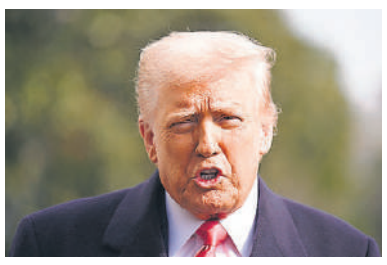

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक
- 13

दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चार विकेट से हराया
- 14

आज का मौसम

29.0⁰ अधिकतम तापमान

21.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.18

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी 09:12 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 1 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 78, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, नेहरू ने अनुमति नहीं दी : मोदी

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री

- कहा- घुसपैठिए भारत की एकता और जनसांख्यिकीय संतुलन के लिए खतरा
- गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड आयोजित

एकता नगर (गुजरात), एजेंसी

गुजरात के नर्मदा जिले में पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी।

कांग्रेस की कमजोर नीतियों से प्रायोजित आतंकवाद पनपा

कांग्रेस की कमजोर नीतियों के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे में चला गया, जिसने फिर राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दिया। कश्मीर और देश ने भारी कीमत चुकाई, फिर भी कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के आगे झुकी। वह सरदार पटेल के दृष्टिकोण को भूल गई, लेकिन हम नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बेड़ियां तोड़कर कश्मीर पूरी तरह से मुख्यधारा में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा, आज पाकिस्तान और आतंकवादी भी जानते हैं कि भारत की असली ताकत क्या है।

दुनिया ने देखा भारत घुसकर मारता है

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत पर बुरी नजर डालेगा तो हम उसके घर में घुसकर उसे खत्म कर देंगे। यह सरदार पटेल का भारत है। पिछले 11 वर्षों में नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक यह समस्या देश से जड़ से समाप्त नहीं हो जाती। मोदी ने कहा, 2014 से पहले देश के लगभग 125 जिले माओवाद के आतंक से प्रभावित थे। आज यह 11 जिलों तक सीमित है। उनमें भी केवल तीन जिलों में ही नक्सलवाद कायम है। अवैध प्रवासी भारत की एकता और आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ये अवैध प्रवासी हमारे संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं और जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहे हैं जिससे देश की एकता खतरे में पड़ रही है।

देश औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को मिटा रहा

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी को भारत पर राज करने वाले अंग्रेजों से 'गुलामी की मानसिकता' विरासत में मिली है। आज देश औपनिवेशिक मानसिकता के हर निशान को मिटा रहा है। मोदी ने पूछा, राजनीतिक अस्पृश्यता को देश में एक संस्कृति बना दिया गया था। हम सभी जानते हैं कि कांग्रेस सरकारों के शासनकाल में सरदार पटेल और उनकी विरासत का क्या हश्र हुआ। इन लोगों ने बाबासाहेब आंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी क्या किया? उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. लोहिया और जयप्रकाश नारायण के साथ क्या किया? आरएसएस पर भी हमले और षड्यंत्र किए गए। कांग्रेस पर धार्मिक आधार पर 'वंदे मातरम' के कुछ हिस्से को हटाने का आरोप लगाया और इसे समाज को विभाजित करने वाला बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि घुसपैठ की घटनाएं भारत के जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रही थीं जिसके खिलाफ निर्णायक लड़ाई का फैसला किया गया है।

उन्होंने कहा, सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे। लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा। मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के लिए देश की संप्रभुता सर्वोपरि थी लेकिन उनकी मृत्यु के बाद, सरकारों ने देश की संप्रभुता के संबंध में उतनी गंभीरता नहीं दिखाई।

रन फॉर यूनिटी के शुभारंभ अवसर पर बोले मुख्यमंत्री

जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत पर समाज बांटने वालों का हो विरोध

- कहा- सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता को कमजोर करने वालों को सिखाएं सबक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में आयोजित रन फॉर यूनिटी के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान झंडी दिखाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने वालों का विरोध किए जाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, हमें उन सभी कुत्सित प्रयासों का विरोध करना चाहिए जो जिनका आधार वाद या छुआछूत है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय एकता दिवस का यही संदेश है कि हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं और सामाजिक एकता को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें हर उस शक्ति का विरोध करना चाहिए जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करने का प्रयास करती है।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अभियान को मजबूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है।

75 जिलों में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में आज रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

ईडी के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चेन्नई। चेन्नई के शास्त्री भवन स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में बम रखे जाने के दावे वाला एक ई-मेल पुलिस महानिदेशक कार्यालय को मिला। बम की यह धमकी जांच में झूठी साबित हुई।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) की एक टीम खोजी कुत्ते के साथ तुरंत यहां नुंगमबक्कम स्थित ईडी के दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची तथा परिसर की गहन तलाशी ली गई। जांच में बम की धमकी झूठी साबित हुई। तमिलनाडु में ईडी कई बड़े प्रतिष्ठित मामलों की जांच कर रहा है तथा हाल ही में इसने नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग के भर्ती अभियान में कथित तौर पर नौकरी के लिए नकदी घोटाले का खुलासा किया है।

छात्र ने 18वीं मंजिल से छलांग लगाई, मौत

गुरुग्राम। गुरुग्राम में 18 वर्षीय एक लड़के ने शुक्रवार तड़के एक आवासीय सोसायटी एवं अपार्टमेंट परिसर की 18वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि किशोर के परिवार ने संदेह जताया है कि आत्महत्या का कारण उसकी पढ़ाई या रीढ़ की हड्डी की पुरानी बीमारी हो सकती है।

भारत-अमेरिका के बीच हुआ 10 साल का अहम रक्षा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षामंत्री राजनाथ और हेगसेथ ने कुआलालंपुर में 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर किए हस्ताक्षर

मलेशिया में रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर के बाद हाथ मिलाते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ।

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को 10 वर्ष के एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य का संकेत बताया, जबकि वाशिंगटन ने एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी स्तंभों में रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह समझौता ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। हेगसेथ के साथ अपनी वार्ता को सार्थक बताते हुए सिंह ने कहा कि यह समझौता हमारी पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा, यह रक्षा ढांचा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगा। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। उन्होंने कहा, रक्षा क्षेत्र हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।

भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश

रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, हेगसेथ ने दोहराया कि रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है और वे स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें कहा गया है कि 2025 की रूपरेखा अगले 10 वर्षों में साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए एक नया अध्याय है।

1,466 पुलिस कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के 40 कर्मियों सहित देशभर के 1,466 पुलिस कर्मियों को वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) वीके बिरदी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (श्रीनगर) जीवी संदीप चक्रवर्ती जम्मू-कश्मीर के उन 19 अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें 'ऑपरेशन महादेव' के लिए पदक से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें दुस्साहसिक पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को मार गिराया गया था। सुलेमान उर्फ आसिफ को सुरक्षा बलों द्वारा एक अचानक की गयी कार्रवाई के दौरान मार गिराया गया। इस अभियान का कूट नाम ऑपरेशन महादेव था। सुलेमान 22 अप्रैल के हमले का मुख्य षड्यंत्रकर्ता माना जाता है।

कालिंदी महोत्सव

देवोत्थान एकादशी की पूर्व संध्या पर कुंभ नगरी प्रयागराज में कालिंदी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने यमुना नदी के किनारे मौज गिरी घाट पर दीपक जलाए। ● एजेंसी

राजग के घोषणापत्र में 1 करोड़ नौकरी का वादा

- युवाओं व महिलाओं को लेकर बड़े वादे किए

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना घोषणापत्र जारी करते हुए युवाओं और महिलाओं को लेकर बड़े वादे किए।

राजग ने दावा किया कि इस राज्य में उसके सत्ता में आने पर हर युवा के सुनहरे भविष्य की गारंटी दी जाएगी, जबकि महिलाओं को समृद्धि और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ाया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि राजग एक करोड़ से अधिक सरकारी नौकरियां और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। इसके लिए राज्य में कौशल जनगणना कराई जाएगी और कौशल आधारित रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, हर जिले में विशाल कौशल केंद्र स्थापित कर बिहार को वैश्विक कौशल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। महिलाओं के लिए राजग ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा की है, जिसके तहत महिलाओं को दो लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और राज्य की अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने में मदद करेगी।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन तेलंगाना में बने मंत्री

हैदराबाद। कांग्रेस नेता एवं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली।

राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है। मैं आलाकमान का, अपने समर्थकों का, शुक्रिया अदा करता हूं। अजहरुद्दीन के शामिल होने से मंत्रिमंडल में कुल सदस्यों की संख्या 16 हो गई है, जबकि दो और जगह खाली हैं।

सात साल बच्ची से दुष्कर्म, पांच वर्षीया की हत्या में दोषी को फांसी की सजा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अदालत ने कहा-दोषी का यह अपराध दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी का

अमृत विचार : घर के पास स्कूल में लगे नल पर नहाने गई सात साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी तहेरी बहन की हत्या के मामले में पॉक्सो कोर्ट शाहजहांपुर ने दोषी अनिल उर्फ चमेली को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इस दौरान जज मनोज कुमार सिद्धू ने टिप्पणी करते हुए कहा आरोपी का अपराध अत्यंत क्रूर, सुनियोजित और नृशंस है, जो मानवता को झकझोर देने वाला और समाज के विश्वास को तोड़ने वाला है। अदालत ने कहा दोषी का यह अपराध दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी का है, इसलिए इसे मृत्युदंड दिया जाता है। थाना कांट क्षेत्र में 22 फरवरी 2021 की दोपहर 3:30 बजे सात वर्षीया बालिका और उसकी पांच वर्षीया तहेरी बहन घर के पास स्कूल के नल पर नहाने गई थीं। देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की।

रात में खोज के दौरान संदीप कपूर के सरसों के खेत में पांच वर्षीया बच्ची का शव खून से लथपथ मिला, जबकि थोड़ी दूरी पर गन्ने के खेत में सात वर्षीया बच्ची गंभीर अवस्था में बेहोश मिली। पुलिस जांच में सामने आया कि सदर कोतवाली थाना क्षेत्र में जिला अस्पताल के पीछे स्थित कंजरों वाली बस्ती में रहने वाले अनिल उर्फ चमेली नामक व्यक्ति ने दोनों को शहद और बिस्कुट का लालच देकर खेत में बुलाया था, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। 84 पृष्ठों के निर्णय में जज ने कहा आरोपी ने बच्चियों के साथ विश्वास का संबंध बनाकर उसी का दुरुपयोग किया। यह अपराध केवल दो बच्चियों के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे समाज की मासूमियत के खिलाफ है। कोर्ट ने अनिल पर पचास हजार का अर्थदंड भी लगाया है, जिसमें से आधी राशि पीड़िता बच्ची के पुनर्वास के लिए और शेष राशि मृतक बच्ची के पिता को क्षतिपूर्ति स्वरूप दी जाएगी।

आवारा कुत्तों का मामला | **डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज**

राज्यों से शीर्ष कोर्ट नाराज, कहा- हमारे आदेश का सम्मान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यों को बताना होगा अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए

पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिवों को अदालत में उपस्थित होकर यह बताना होगा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए। मेहता ने कहा कि मामले में अनुपालन हलफनामे दाखिल किए गए थे। पीठ ने कहा कि जब 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई हुई थी तब केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और एमसीडी ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए थे। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिवों को) आने दीजिए। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई करते हुए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और कहा कि अदालत के आदेशों का कोई सम्मान नहीं है।

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 22 अगस्त के पीठ के आदेश का पालन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि 27 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छोड़कर किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया था। न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के बारे में पूछा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले का उल्लेख करते हुए पीठ से अनुरोध किया था कि मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति दी जाए। मेहता ने कहा, यह कुत्तों से खतरे का मामला है।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार,1 नवंबर 2025

एमबीबीएस 950, पीजी की 271 सीटें बढ़ीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने को मिली अनुमति

अमृत विचार : प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी (एमडी-एमएस) की सीटों में बड़ा इजाफा किया गया है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली ने प्रदेश में कुल 950 एमबीबीएस और 271 पीजी सीटें बढ़ाने की अनुमति प्रदान की है। इन नई सीटों पर सत्र 2025-26 से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ाई गई 950 एमबीबीएस सीटों में 200 सीटें राजकीय मेडिकल कॉलेजों की हैं। इनमें अमेठी के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में 100 सीटें, ईएमआईसी मेडिकल कॉलेज नोएडा और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज वाराणसी में 50-50 सीटों की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार निजी मेडिकल कॉलेजों में 750 सीटें बढ़ाई गई हैं। एफएच मेडिकल कॉलेज आगरा, श्री सिद्धि विनायक मेडिकल कॉलेज संभल और नारायणा मेडिकल कॉलेज कानपुर में 100-100 सीटें बढ़ाई गईं। इसके अलावा एराज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ, नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज मेरठ, केएमसी मेडिकल कॉलेज महराजगंज, श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बरेली, कृष्ण मोहन मेडिकल कॉलेज मथुरा, एसकेएस मेडिकल कॉलेज मथुरा, अजय सांगल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामली और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में 50-50 सीटें बढ़ाई गई हैं। डीजीएमई ने बताया कि अब प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटें 11,850 हो गई हैं, जिनमें राजकीय कॉलेजों में 5,450 और निजी कॉलेजों में 7,350 सीटें शामिल हैं।

नोएडा एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग

हवाई संचालन की दिशा में अहम कदम, ऑपरेशनल क्लियरेंस की प्रक्रिया को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर तब दर्ज हुआ जब शुक्रवार को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने सफलतापूर्वक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान हवाई अड्डे के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम की सटीकता जांचने के लिए की जाती है, जो किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है।

दरअसल, कैलिब्रेशन फ्लाइट एक विशेष परीक्षण उड़ान होती है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस), रडार, और एयर नेविगेशन उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान विशेष रूप से सुसज्जित विमान अलग-अलग ऊंचाइयों और कोणों पर उड़ते हुए ग्राउंड सिस्टम से प्राप्त सिग्नल की ताकत, स्थिरता और सटीकता की जांच करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्टर, टेक्निकल इंजीनियर, और एटीसी विशेषज्ञ शामिल रहते हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग कराने वाली टीम।

- किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है कैलिब्रेशन फ्लाइट

एएआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैलिब्रेशन विमान में अत्याधुनिक माप उपकरण लगे होते हैं। उड़ान से प्राप्त डेटा का बाद में विश्लेषण किया जाता है ताकि किसी भी तकनीकी विचलन को तुरंत ठीक किया जा सके और उपकरणों की सटीकता सुनिश्चित हो। कैलिब्रेशन फ्लाइट का पूरा होना यह दर्शाता है कि जेवर एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर की विमानन सुरक्षा मानकों के और करीब पहुंच गया है। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए ऑपरेशनल क्लियरेंस की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

हृषिकेश भास्कर ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : हृषिकेश भास्कर याशोद ने शुक्रवार को सचिव राजस्व, राहत आयुक्त एवं चकबंदी आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की और राजस्व, राहत व चकबंदी से संबंधित कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जनसामान्य से जुड़े राजस्व व राहत कार्यों में पारदर्शिता और त्वरित निस्तारण किया जाना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार राहत कार्यों में संवेदनशीलता तथा फील्ड स्तर पर सक्रियता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि जनता को समयबद्ध सहायता मिल सके।

गोरखपुर में साहित्यिक महाकुंभ आज से

अमृत विचार, लखनऊ : गोरखपुर पुस्तक महोत्सव के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परिसर में साहित्यिक महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। 1 नवंबर से 9 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को करेंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में प्रथम गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (राष्ट्रीय पुस्तक न्यास) की तरफ से किया जा रहा है। यह आयोजन नगर की गहरी आध्यात्मिक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत का एक भव्य उत्सव होगा। पुस्तक महोत्सव में आमजन प्रतिदिन शामिल हो सकेंगे। इसमें सभी लोगों के लिए प्रवेश निशुल्क होगा।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में 1600 को ट्रेनिंग

अमृत विचार, लखनऊ : कारपोरेट और सर्विस फील्ड की मांग के अनुसार अपडेट प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए सैमसंग इंडिया के सहयोग से संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के 1600 विद्यार्थियों ने ट्रेनिंग ली। इन विद्यार्थियों को शनिवार को प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री योगी से मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

अब लाल सलाम नहीं, जय श्रीराम

बिहार पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष को ललकारा, कीं चुनावी जनसभाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा व राजग प्रत्याशियों के समर्थन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन रैली व जनसभा कर विपक्ष को ललकारा। मुख्यमंत्री ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव में राहुल गांधी की एंट्री हो चुकी है, यही हमारे प्रत्याशियों की जीत की गारंटी है। योगी ने पहली रैली सिवान में एनडीए प्रत्याशी मंगल पांडेय, दरौंदा से कर्णजीत सिंह और बड़हरिया से इंद्रदेव सिंह पटेल के समर्थन में की। वहीं दूसरी जनसभा योगी ने वैशाली की लालगंज विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में की। जबकि तीसरी सभा भोजपुर के अगिआंव विधान सभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी महेश पासवान के पक्ष में की। इस दौरान योगी ने कम्युनिस्टों पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जैसे गधे के सिर से सींग गायब हो गये, वैसे ही भारत ही नहीं दुनिया से कम्युनिस्टों का पत्ता साफ हो गया।

उन्होंने कम्युनिस्टों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस बिहार ने देश को स्वर्णयुग दिया, वहां अब लाल सलाम नहीं बल्कि जय श्रीराम का नारा गूंजेगा। योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों आरजेडी, कांग्रेस और भाकपा माले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे सब गरीबों के राशन पर डकैती डालने का प्रयास कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरजेडी, माले, कांग्रेस ये सब एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं। ये सब भारत की विरासत का विरोध करते हैं। गुलामी की मानसिकता का समर्थन करते हैं। आक्रांताओं को आमंत्रित करते हैं। अयोध्या में राममंदिर का विरोध करते हैं। सीतामढ़ी में सीता मइया के मंदिर का विरोध करते हैं। भारत के नागरिकों को लड़ाने का काम करते हैं। पर्व त्योहार के पहले दंगा कराने की कोशिश करते हैं। मगर, यूपी में आप सबने देखा होगा, वहां अब दंगा नहीं, बल्कि सब चंगा है। माफिया गायब हो चुके हैं, उनका जहन्नुम का टिकट काट दिया गया है।

बिहार में आयोजित चुनावी जनसभा के मंच से उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में पार्टी प्रत्याशी व अन्य।

जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं

मुख्यमंत्री बोले, कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। आरजेडी राम मंदिर का रथ रोकते थे। सपा वाले रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे और कम्युनिस्ट तो किसी दूसरे लोक के बारे में ही सोचते हैं। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं। जो राम का विरोध कर रहा है वो राष्ट्र का विरोध कर रहा है। जो राष्ट्र का विरोध कर रहा है वो हमारे किसी काम का नहीं, उसे राष्ट्र से बाहर का रास्ता दिखाना है।

राहुल गांधी की एंट्री हमारी जीत की गारंटी

बिहार चुनावी दौरे में योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि राहुल गांधी जब भी प्रचार करने आते हैं, एनडीए की जीत तय हो जाती है। वे बीजेपी और एनडीए की जीत की सबसे बड़ी गारंटी हैं।

कमियों का तय समय सीमा में सुधार करें चिकित्साधिकारी : घोष

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि अस्पतालों में समर्पित भाव से गुणवत्तापरक स्वास्थ्य व्यवस्था को स्थापित किया जाए। चिकित्सकीय और तकनीकी मानव संसाधन पूरी निष्ठा से रोगियों की सेवा के लिए तत्पर रहें। जिन जिलों में शिकायतें या कमियां पाई गईं, वहां मुख्य चिकित्साधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को तय समय सीमा में सुधार करें।

अपर मुख्य सचिव शुक्रवार को कानपुर मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सकीय इकाइयों को इंगित करने वाले साइन बोर्ड और जियो टैगिंग के साथ ही अग्निशमन सुरक्षा के मानकों को पूरा करने का भी निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि मंडलायुक्त प्रत्येक माह स्वास्थ्य विभाग की प्रगति समीक्षा करें और तीन माह बाद अनुपालन बैठक आयोजित की जाए। बैठक से पहले राज्य व मंडल स्तर के अधिकारियों और विशेषज्ञों की दो सदस्यीय 57 टीमों ने कानपुर मंडल के सभी जिलों की करीब 36 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों का स्थलीय भ्रमण कर जमीनी हकीकत जानी।

पूर्वी यूपी में आज से होगी धान की खरीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी 28 फरवरी 2026 तक चलेगी खरीद
- धान (कॉमन) 2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी तय

अमृत विचार : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पहली नवंबर से पूर्वी यूपी में धान खरीद शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगी। इस अवधि में लखनऊ संभाग के उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी धान खरीद होगी। वहीं पहली अक्टूबर से पश्चिमी यूपी और लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में धान खरीद चल रही है।

दरअसल, सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। वहीं योगी सरकार की नीतियों पर समर्थन जताते हुए दो महीने में 2.17 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है।

पूर्वी यूपी के संभागों में पहली नवंबर से धान खरीद पूर्वी यूपी के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में शुरू होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

दो महीने में 2.17 लाख किसानों का पंजीकरण

धान बिक्री के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण प्रारंभ हो गया था। 31 अक्टूबर (सुबह 11 बजे) तक 2,17,625 किसानों ने पंजीकरण करा लिया। वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश के 17 हजार से अधिक किसानों से एक महीने के भीतर 1.06 लाख मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद की जा चुकी है। योगी सरकार के निर्देश पर तेज गति से चल रहे कार्य की बदौलत 3920 क्रय केंद्र भी खुल गए हैं। धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसानों को खाद्य व रसद विभाग की वेबसाइट fcs.up.gov.in या मोबाइल ऐप UP KISAN MITRA पर पंजीकरण कराना होगा।

सपा सरकार बनने पर पटेल के नाम पर बनाएंगे तकनीकी यूनिवर्सिटी : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर लौह पुरुष सरदार पटेल के नाम पर युवाओं के लिए माडर्न और तकनीकी यूनिवर्सिटी बनाएंगे। सरदार पटेल का जो रास्ता था, वही पीडीए का रास्ता है।

सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मौजूद सभी नेताओं ने सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और सन् 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। अखिलेश यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। आरएसएस पर साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने नफरत फैलाने का आरोप था। आज भी भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। अपनी कमियों को छिपाने के लिए भाजपा सरदार पटेल की बात करती है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की सीमाओं को बढ़ाया था। भाजपा सरकार में देश की सीमाएं सिकुड़ रही हैं। इनसेट-

गन्ना मूल्य बढ़ाने का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में : गन्ना मूल्य बढ़ाए जाने पर सपा प्रमुख ने कहा कि गन्ना मूल्य में 30 रुपये से ज्यादा की वृद्धि होनी चाहिए थी, साथ ही तंज कसा कि सरकार ने गन्ना मूल्य और भुगतान का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छपवाया। अब बताओ कितने किसान अंग्रेजी में इसे पढ़े होंगे।

प्रेस कांफ्रेंस करते सपा प्रमुख अखिलेश।

आठ जिलों में 2,434 करोड़ की 15 परियोजनाएं मंजूर

3043 फ्लैट, 98 प्लॉट और 50 दुकानें होंगी विकसित, बैठक में रेरा ने दी स्वीकृति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने मुख्यालय पर 187वीं बैठक में 15 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। आठ जिलों में यह परियोजनाएं 2,434 करोड़ रुपये से तैयार की जाएंगी। लखनऊ व शाहजहांपुर में सबसे अधिक तीन-तीन आवासीय व व्यावसायिक परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।

शुक्रवार को बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। इस दौरान परियोजनाओं के प्रस्ताव रखे गए। कुल 15 रियल एस्टेट परियोजनाओं में लखनऊ में 3, शाहजहांपुर में 3, मथुरा में 2, मुरादाबाद में 2, गाजियाबाद में 2 व हापुड़, नोएडा और झांसी में 1-1 परियोजना को मंजूरी दी गई। इनमें कुल निवेश 2,434 करोड़ अनुमानित है। परियोजनाओं के माध्यम से 3,043 फ्लैट, 98 प्लॉट और 50 दुकानें विकसित की जाएंगी। इनमें अधिकांश परियोजनाएं आवासीय हैं, जबकि व्यावसायिक परियोजनाएं मुरादाबाद, गाजियाबाद और हापुड़ में स्वीकृत की गई हैं।

शाहजहांपुर व पीतल नगरी मुरादाबाद को मिलेगी नई पहचान

शाहजहांपुर में सबसे अधिक तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह क्षेत्र अब तेजी से उभरते हुए रियल एस्टेट केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। पीतल उद्योग के लिए प्रसिद्ध मुरादाबाद की स्वीकृत 2 परियोजनाओं में एक आवासीय और एक व्यावसायिक परियोजना शामिल है। इनमें आधुनिक अपार्टमेंट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और ऑफिस स्पेस तैयार किए जाएंगे, जो शहर की पहचान को और भी आधुनिक स्वरूप देंगे। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई जान आएगी।

मथुरा में पर्यटन पर फोकस

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रज नगरी मथुरा में भी 2 नई आवासीय परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। ये योजनाएं तीर्थ, पर्यटन और स्थानीय मांग को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से मथुरा के रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलेगी और शहर में आधुनिक आवासीय ढांचे का विकास होगा। इसी तरह गाजियाबाद और हापुड़ में स्वीकृत व्यावसायिक परियोजनाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यापारिक और औद्योगिक ढांचे को और मजबूत करेंगी।

बिहार में आज से चुनाव प्रचार करेंगे सपा प्रमुख

अमृत विचार,लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शनिवार 1 नवंबर से 5 नवंबर 2025 तक बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाएं करेंगे। वे मतदाताओं से समर्थन की अपील करेंगे। चुनावी सभाओं का तय कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनावी सभाओं की शुरुआत 1 नवंबर को यादव पूर्णिया के धमदहा, मधुबनी के बबूराही और दरभंगा के बहादुरपुर में तीन जनसभाओं से करेंगे। अगले दिन समस्तीपुर, सीतामढ़ी और छपरा में रैलियां करेंगे। इस प्रकार 5 नवंबर तक जिलों में एक-एक दिन में कई कई रैलियों को संबोधित करेंगे।

नरेन्द्र देव की जयंती मनाई

अमृत विचार,लखनऊ : आचार्य नरेन्द्र देव की 136वीं जयंती पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गोमती नदी किनारे स्थित आचार्य नरेंद्र देव के स्मारक पर पहुंचकर पुष्पांजलि कर नमन किया। इस मौके पर नरेन्द्र देव के परिवारीजन पौत्र यषोवर्धन तथा मीरा वर्धन मौजूद रहे।

दर्शन को रखे जाएंगे बुद्ध के अवशेष

अमृत विचार, लखनऊ : सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी, विहार की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर भगवान बुद्ध के अवशेषों के सार्वजनिक दर्शन के लिए अनावरण किया जाएगा। आगामी 3 से 5 नवंबर 2025 तक भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेषों को बौद्ध श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाएगा। सारनाथ वही पुण्य भूमि है, जहां भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश धर्मचक्र प्रवर्तन दिया था।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि अस्थि अवशेष दर्शन के लिए बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षुओं और आस्थावानों के पहुंचने का अनुमान है। श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, नेपाल तथा कोलकाता, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और हिमालयी क्षेत्रों से बौद्ध भिक्षु-भिक्षुणियां सारनाथ पहुंच रहे हैं। यह आयोजन महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया, सारनाथ केंद्र और वियतनामी बौद्ध संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि भगवान बुद्ध के अवशेषों को साल में दो बार बुद्ध पूर्णिमा और कार्तिक पूर्णिमा पर सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाता है।

धर्म पर संकट स्थायी नहीं होता : राधाकृष्णन

उपराष्ट्रपति ने काशी में किया धर्मशाला का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में शुक्रवार को श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था के नए धर्मशाला भवन का उद्घाटन किया। नाटकोट्टाई संस्था द्वारा 60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक धर्मशाला भवन का लोकार्पण समारोह के संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि धर्म को कुछ समय के लिए संकट हो सकता है, लेकिन वह कभी स्थायी नहीं होता। आज धर्म की विजय हुई है, यह इमारत उसी की साक्षी है। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूर्व जब मैं काशी आया था, तब मैं मांसाहारी था। गंगा स्नान के बाद जीवन में इतना परिवर्तन आया कि मैंने शाकाहार अपना लिया।

राधाकृष्णन ने कहा कि 25 साल पहले की काशी और आज की काशी में जमीन-आसमान का अंतर है। यह परिवर्तन केवल दो कर्मयोगियों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां नाटकोट्टाई समूह सक्रिय होता है, वहां सेवा, धर्म और प्रगति साथ-साथ चलती है। यह भवन उसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह धर्मशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक बंधन का नया अध्याय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि काशी में गंगा नदी से लेकर तमिलनाडु की कावेरी नदी तक हमारी साझी परंपरा ये याद दिलाती है कि भाषाएं भले ही अलग हों, भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट है। मुख्यमंत्री योगी ने 'वनक्कम काशी' से अपने संबोधन को शुरू करते हुए कहा कि ये हमारे लिए सुखद संयोग है कि यूपी की इस यात्रा में उपराष्ट्रपति बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में पधारे हैं।

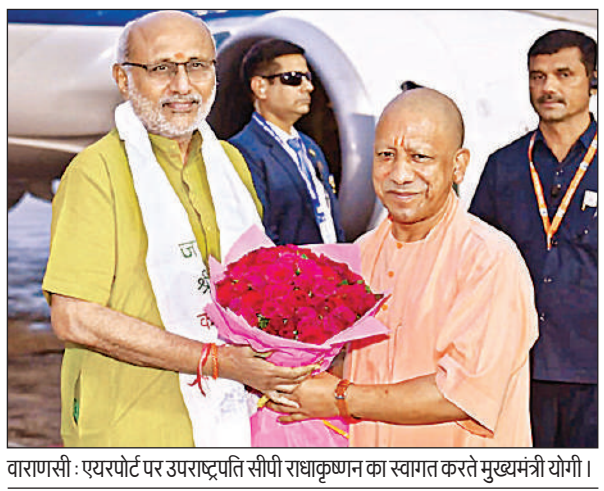

वाराणसी : एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी।

उपलब्धि लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' किया घोषित

लखनऊ के खानपान को वैश्विक सम्मान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विश्व मंच तक पहुंची अवधी स्वादों की महक

अमृत विचार : प्रदेश ने वैश्विक पहचान की नई ऊंचाई छू ली है। राजधानी लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' घोषित किया है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है। यह घोषणा उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को की 43वीं जनरल कॉन्फ्रेंस में 'वर्ल्ड सिटीज डे' के अवसर पर की गई।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है। लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि लखनऊ की गैस्ट्रोनॉमी को मिली यह पहचान पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती शक्ति और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के विजन को साकार करने का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लखनऊ के लिए नामांकन 31 जनवरी 2025 को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा था। विस्तृत समीक्षा के बाद भारत सरकार ने 3 मार्च 2025 को यूनेस्को को अंतिम डॉसियर प्रस्तुत किया। 31 अक्टूबर को आयोजित कॉन्फ्रेंस में लखनऊ को औपचारिक रूप से 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नेटवर्क में शामिल किया गया।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि यूनेस्को की इस सूची में अब दुनियाभर के 70 शहर शामिल हैं। इस वर्ष आठ नए शहरों को इस नेटवर्क में स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यह चयन उसकी व्यंजन परंपरा और पाक कला धरोहर को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में लखनऊ में 82.74 लाख पर्यटक आए, जबकि 2025 के पहले छह महीनों में ही 70.20 लाख पर्यटक पहुंच चुके हैं।

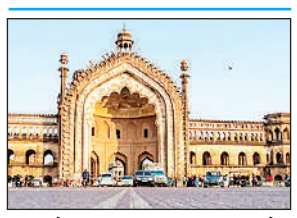

न्यूज ब्रीफ

छात्रवृत्ति के लिए 15 तक करें आवेदन

अयोध्या, अमृत विचार : प्रधानमंत्री यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के तहत जिले के कक्षा नौ से 12 तक के अन्य पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग एवं विमुक्त जनजातियों के छात्र/छात्राओं, जिनके माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय ढाई लाख लाख या उससे कम है, आवेदन कर सकते हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जय नाथ गुप्ता ने बताया कि 15 नवंबर तक एनएसपी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन को सभी संबंधित चयनित संस्थाओं से सत्यापन करने की अन्तिम तिथि 25 नवम्बर है।

सड़क हादसे में घायल वृद्धा ने तोड़ा दम

बीकापुर, अमृत विचार। सड़क दुर्घटना में घायल चांदपुर निवासी जागेश्वरी(60) पत्नी संतराम ने मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर में शुक्रवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। प्रधान रामचंदर निषाद ने बताया कि वह बुधवार शाम कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के चांदपुर मोड के पास प्रयागराज हाईवे पर कार की टक्कर से घायल हो गई थी। बीकापुर पुलिस ने बताया की दुर्घटना करने वाली कार कब्जे में ले ली गई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

पार्षद प्रतिनिधि को जान से मारने की धमकी

अयोध्या, अमृत विचार। वार्ड नंबर-16 महाराणा प्रताप वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि अब्बूसराय निवासी मो सूफियान ने अवैध तरीके से पेड़ कटाई का विरोध करने पर ठेकेदार द्वारा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसकी तहरीर थाना कैंट पुलिस को दी है। थाना प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है, उप निरीक्षक अविनाश त्रिपाठी को जांच सौंपी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

राज्य विद्यालयीय खो-खो प्रतियोगिता 4 से

अयोध्या, अमृत विचार : राज्य स्तरीय विद्यालयीय बालक व बालिका खो-खो प्रतियोगिता का यहां मकबरा स्थित डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान स्टेडियम में चार नवम्बर से आयोजन होगा। मंडलीय विद्यालयीय क्रीड़ा समिति के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि अंडर- 14, 17 व 19 वर्ग में आयोजित होने वाली पांच दिवसीय बालक व बालिका खो-खो प्रतियोगिता का चार नवम्बर को मकबरा स्टेडियम में भव्य समारोह के साथ उद्घाटन और आठ नवम्बर को पुरस्कार वितरण के साथ समापन होगा। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रदेश के सभी 18 मंडलों की टीमें व बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय उप्र व सभी 18 मंडल सहित 19 टीमें प्रतिभाग करेंगी।

सरकारी भूमि पर निर्माण से बेदखली का आदेश

रुदौली, अयोध्या। तहसील रुदौली के ग्राम सभा कूढ़ा सादात में ग्राम सभा की सुरक्षित खलिहान की भूमि पर हुए निर्माण से बेदखली का आदेश दिया गया है। तहसीलदार विजय गुप्ता ने बताया ग्राम सभा कूढ़ा सादात में सरकारी भूमि पर मो. रियाज ने दुकान व मकान का निर्माण करा लिया था। शिकायत पर तहसील प्रशासन ने बेदखली का आदेश दिया है। रियाज पर सरकारी भूमि के दुर्विनियोजन के कारण पांच हजार रुपये का क्षतिपूर्ति अर्थदंड लगाया गया है।

विधायक अभय बने अनुश्रवण समिति के सदस्य

गोसाईगंज अमृत विचार : गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक अभय सिंह को उत्तर प्रदेश विधानसभा की संसदीय अनुश्रवण समिति का सदस्य नामित किया गया है। मनोनयन उनके अनुभव, सक्रियता और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जा रहा है। संसदीय अनुश्रवण समिति विधानसभा की स्थायी समिति है। इसका कार्य सरकारी विभागों के कार्यों, नीतियों और मंत्रियों से सदन में दिए गए आश्वासनों की निगरानी करना होता है। मनोनयन पर विधायक अभय सिंह ने कहा कि यह दायित्व गोसाईगंज की जनता के आशीर्वाद से मिला है। मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ समिति के कार्यों में योगदान दूँगा।

मिशन शक्ति के तहत सम्मानित हुईं महिलाएं

मवई, अयोध्या। नगर पंचायत माँ कामाख्या के सभागार में शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम में विधायक रामचंद्र यादव ने महिलाओं को सम्मानित किया। महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा पटेल, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर सिद्धिदात्री पाण्डेय, साधना सिंह समेत अन्य महिलाएं सम्मानित हुईं। समारोह में नगर पंचायत माँ कामाख्या के अध्यक्ष शीतला प्रसाद शुक्ल,तेज तिवारी तथा अधिशासी अधिकारी निखिलेश कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

पंचकोसी परिक्रमा आज, अयोध्या धाम में वाहनों के प्रवेश पर रोक

भोर में 4:04 बजे शुरू होगी परिक्रमा, रविवार भोर 2:57 बजे तक चलेगी

अयोध्या कार्यालय।

- सुरक्षा के कड़े इंतजाम, दिन भर दौड़ते रहे अधिकारी, लेते रहे व्यवस्थाओं का जायजा

अमृत विचार : रामनगरी में कार्तिक मास की पवित्र देवोत्थान एकादशी पर होने वाली पंचकोसी परिक्रमा शनिवार को बह्म मुहूर्त में करीब 4:04 बजे परिक्रमा शुरू होगी, जो रविवार भोर 2:57 तक चलेगी। इस परिक्रमा में शहर के करीब 60 फीसदी लोग भी परिवार समेत शामिल होते हैं। प्रशासन का अनुमान है कि करीब 20 लाख लोग परिक्रमा में 15 किमी. पथ को नांपेंगे।पुलिस व प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। अयोध्या धाम में सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

करीब 15 किलोमीटर लंबा मार्ग अयोध्या धाम के पंचकोसी क्षेत्र को घेरता हुआ गुजरता है। जिसमें प्रमुख मंदिर जैसे राम मंदिर, कनक भवन, हनुमान गढ़ी, दशरथ महल, राम की पैड़ी समेत अन्य मंदिर शामिल हैं। मान्यता है कि इस परिक्रमा से जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। सरयू नदी में स्नान के बाद शुरू होने वाली यह यात्रा भक्तों के लिए राम नाम जप और कीर्तन का माध्यम बनी रहती है।

वहीं, शुक्रवार को पूरा प्रशासनिक अमला परिक्रमा पथ को दुरुस्त कराने में जुटा रहा। दो दिन से हो रही बारिश में जहां कीचड़ आदि था, उसे दोपहर तक साफ कर दिया गया।

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डॉ .गौरव ग्रोवर।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, लागू हुआ डायवर्जन प्लान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने सुरक्षा, सफाई और यातायात व्यवस्था पर विशेष फोकस किया है। दो हजार से अधिक पुलिसकर्मी, पीएसी, आरएएफ व एटीएस की टीमें परिक्रमा मार्ग पर तैनात की गई हैं। सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन कैमरा से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। परिक्रमा मार्ग पर बैरिकेडिंग, लाइटिंग, फायर ब्रिगेड, पेयजल, शौचालय और मेडिकल कैंप की व्यवस्था की गई है। यातायात पुलिस ने भीड़ को देखते हुए यातायात डायवर्जन प्लान लागू किया है। इसके तहत परिक्रमा के दौरान अयोध्या धाम के अंदर किसी प्रकार के वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। हनुमान गुफा, रामघाट, हलकारक का पुरवा, आसिफ बाग चौराहा, चूड़ामणि चौराहा समेत अन्य प्रवेश द्वार पर बैरिकेडिंग की गई है। सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश निषेद्य किया गया है। उदया चौराहे पर भीड़ का दबाव ज्यादा होने के कारण बेनीगंज मोड़ पर बैरिकेडिंग कर यहां से वाहनों की एंट्री बंद की गई है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि सुरक्षा व यातायात को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों को आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं की मदद करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह है पंचकोसी परिक्रमा रूट

शहर के आसपास फैले प्रमुख मंदिरों और तीर्थस्थलों को जोड़ते हुए पंचकोसी परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओं को आस्था की परिक्रमा पर ले जाता है। यह पवित्र यात्रा रामनगरी के धार्मिक स्थलों लता चौक, हनुमान गुफा, वासुदेव घाट, मौनी बाबा की छावनी, चूड़ामणि चौराहा, झुनकी घाट, उदया चौराहा सहित कई पवित्र स्थलों से होकर गुजरती है। श्रद्धालु पूरे मार्ग में रामनाम का जप करते हुए इन स्थानों का दर्शन करते हैं और अंत में सरयू तट पर स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं।

पंचकोसी परिक्रमा पर भी बारिश का साया

14 कोसी परिक्रमा में हुई लगातार बारिश के बाद पंचकोसीय परिक्रमा पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अमरनाथ मिश्र ने शनिवार को भी मध्यम बादल छाए रहने के साथ-साथ बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है, शुक्रवार को जिले में 19 .8 एमएम वर्षा दर्ज हुई।

परिक्रमा पथ पर आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग कराकर प्रकाश आदि के इंतजाम कर लिए गए हैं। मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डॉ.गौरव ग्रोवर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी दिन भर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते रहे। उन्होंने राम की पैड़ी, नयाघाट, मानस भवन चौराहा, आशिफ बाग क्रॉसिंग, बड़ी बुआ क्रॉसिंग सहित कई स्थानों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि पंचकोसी परिक्रमा अयोध्या की आस्था का प्रतीक है, इसे भव्यता और सुरक्षा के साथ संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है।

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व अन्य।

विधायक ने किया पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण

अयोध्या, अमृत विचार : नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव के साथ पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया। विभागों को समन्वय के साथ बेहतर व्यवस्था के लिए कहा। विधायक ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मोबाइल शौचालयों की पर्याप्त संख्या में स्थापना, कचरा निस्तारण की ठोस व्यवस्था और स्वास्थ्य विभाग की टीमों की तैनाती की जाए। चूड़ामणि चौराहे के पास सीवर लाइन का टूटा ढक्कन व गड्ढे को तत्काल ठीक कराने का निर्देश नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार को दिया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी, नगर निगम कर्मचारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाधान दिवस का आयोजन तीन को

अयोध्या, अमृत विचार: नवंबर के प्रथम शनिवार एक नवंबर को आयोजित होने वाला संपूर्ण समाधान दिवस अब तीन नवंबर को आयोजित होगा। पंचकोसी परिक्रमा के कारण और स्थानीय अवकाश घोषित होने के कारण यह बदलाव किया गया। तीन नवंबर को जिलाधिकारी तहसील बीकापुर में, सोहावल में मुख्य विकास अधिकारी, मिल्कीपुर में मुख्य राजस्व अधिकारी, रूदौली में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) और तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा।

पुलिस में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे लाखों

अयोध्या कार्यालय।

- आरोपी खुद को बताता था दिल्ली एनआईए में सब इंस्पेक्टर, केस

अमृत विचार : पुलिस में भर्ती कराने के नाम पर लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को दिल्ली एनआईए का उप निरीक्षक बताते हुए लोगों को अपने जाल में फंसाया। शिकायत पर कोतवाली नगर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पीड़ित सूरज शर्मा निवासी ग्राम कोतवालपुर पोस्ट अमोढा थाना छावनी जनपद बस्ती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह नवीन मंडी देवनगर में गोल्डन डिजिटल लाइब्रेरी चलाता है। कुछ दिन पूर्व सिद्धार्थ निषाद निवासी बरहज थाना पटेल नगर जनपद देवरिया मेरी लाइब्रेरी में एडमिशन कराया, उसने अपने आप को दिल्ली एनआईए का सब इंस्पेक्टर बताया। उसने एनआईए का आई कार्ड भी दिखाया, जिसकी प्रति मुझे दिया और कहा कि मेरे पास अभी मेरा आधार कार्ड नहीं है बाद में आधार कार्ड देकर अपनी आईडी वापस ले लूंगा। उसके बाद अगले दिन कहा कि मेरी जान पहचान उत्तर प्रदेश पुलिस में बड़े अधिकारियों से है, मैं तुम्हारा चयन उत्तर प्रदेश पुलिस हेड कांस्टेबल के पद पर करा दूंगा। इसके लिए उसने मुझसे ऑनलाइन दो हजार रुपये और नगद एक बार में 20 हजार व दूसरी बार 50 हजार लिए। इसके दो दिन बाद वह मुझे पुलिस मुख्यालय लखनऊ ले जाकर मुझे बाहर छोड़कर खुद पास बनवाकर अंदर चला गया। थोड़ी देर बाद वापस आया तो बताया कि आज तुम्हारा नियुक्ति पत्र नहीं मिला, कुछ दिन बाद तुम्हारे पते पर डाक से पहुंच जाएगा। मुझे विश्वास में लेने के लिए सिद्धार्थ ने पुलिस मुख्यालय के अंदर जाने वाला पास बनवाया उसमे उसने आने के कारण के कालम में भाई सूरज की भर्ती के संबंध लिखवाया। उसकी प्रति दिखाया और वह प्रति मुझे ही दे दिया जो मेरे पास अभी भी है। काफी समय तक जब मेरा नियुक्ति पत्र नहीं आया तो सिद्धार्थ के लाइब्रेरी में आने पर मैंने उससे कहा कि अभी तक मेरा नियुक्ति पत्र नहीं आया है। तब वह बोला कि दीपावली के बाद मैं तुम्हें वर्दी लाकर दे दूंगा तब तक नियुक्ति पत्र भी आ जाएगा।

उसके बाद से वह वापस नहीं आया तब मुझे शंका हुई। मैंने अपने स्तर से जानकारी किया तो पता चला कि वह बहुत ही शातिर दिमाग का धोखेबाज व्यक्ति है। जिसने मेरे अलावा मेरी ही लाइब्रेरी में पढ़ने वाली यशी सिंह की दोस्त आकांक्षा सिंह से भी नौकरी के नाम पर ऑनलाइन 17 हजार रुपये तथा कुछ नगद रुपये भी लिए हैं। साथ ही अमित निषाद से दो लाख व अमन से एक लाख रुपये लिए हैं। उसने इन सभी को पुलिस में भर्ती कराने का झांसा दिया था। कोतवाली नगर पुलिस ने बताया कि केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

निजी बस व ट्रक में टक्कर, 14 लोग घायल

मिल्कीपुर, अयोध्या।

अमृत विचार : थाना इनायतनगर अंतर्गत मिल्कीपुर तिराहे पर शुक्रवार सुबह यात्रियों से भरी निजी बस व ट्रक में टक्कर हो गई। दुर्घटना में 14 यात्री घायल हो गए। इनमें से पांच को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, यहां से बस के दो चालकों को लखनऊ रेफर कर दिया गया।

अयोध्या के रानी बाजार पीसीएफ गोदाम से डीएपी लेकर एक ट्रक साधन सहकारी समिति अमानीगंज जा रहा था। सुबह करीब 6:30 इनायतनगर थाना क्षेत्र के मिल्कीपुर तिराहे पर ट्रक के अमानीगंज की तरफ मुड़ते समय यात्री लेकर गोरखपुर जा रही बस से टक्कर हो गई। बस में करीब 25 यात्री सवार थे। दुर्घटना में चालक सहित 14 यात्री घायल हो गए।

थाना इनायतनगर अंतर्गत मिल्कीपुर तिराहे की घटना, दो लोग लखनऊ रेफर

मिल्कीपुर तिराहे पर दुर्घटनाग्रस्त वाहन।

पुलिस ने घायल बस चालक अतुल सिंह निवासी नवीन नगर बाबतपुर औरैया, जितेंद्र निवासी श्यामपुर एका फिरोजाबाद समेत यात्री राकेश निषाद निवासी गोविन्दपुर बस्ती, मृत्युंजय श्रीवास्तव, अंजली निवासी गाजियाबाद, कपिलदेव, जुनैद निवासी संतकबीर नगर, रितिक निवासी रेवाड़ी हरियाणा, चंद्रप्रकाश शाही निवासी गोरखपुर, आकाश सिंह निवासी औरैया, लक्ष्मी यादव, सरोज यादव निवासी दिल्ली आदि को सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अतुल, जितेंद्र, चंद्रप्रकाश, आकाश व जुनैद को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां से चालक अतुल व जितेंद्र की हालत नाजुक देख दोनों को लखनऊ रेफर किया गया है। थाना प्रभारी इनायतनगर रतन कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं की पिटाई के मामले में मुकदमा दर्ज

मिल्कीपुर, अयोध्या। अमृत विचार : इनायतनगर थाना क्षेत्र के अछोरा गांव निवासी अर्चना मिश्र पत्नी अजय मिश्रा निवासी पूरे लगुनी मिश्र व काजल मिश्रा शुक्रवार सुबह खेत में धान की मड़ाई करा रही थीं। इस दौरान मड़ाई की धूल विपक्षी उमाशंकर के खेत में चली गई, जिसको लेकर उमाशंकर, शिवकुमारी, रमेश सुरेश आदि ने विवाद शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ गया कि विपक्षियों ने गाली-गलौज करते हुए अर्चना और काजल की पिटाई कर दी। अर्चना ने अपने भाइयों को बुलाया, तो विपक्षियों ने दोबारा हमला बोल दिया और अर्चना समेत उनके भाइयों को लाठी-डंडों से पीट दिया। झगड़े में कई लोग घायल हो गए और उनके कार के शीशे भी तोड़ दिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अर्चना की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि दोनों तरफ से केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

गैर इरादतन हत्या के मामले में दो को 10-10 साल की सजा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: वेतन के रुपये मांगने पर ड्राइवर की हत्या कर देने के मामले में दो अभियुक्तों को गैर इरादतन हत्या का दोषी पातें हुए10-10 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया गया है। प्रत्येक पर 25000 जुर्माना भी हुआ है। उसमें से 25000 मृतक की पत्नी सीमा को मुकदमे के व्यय के लिए देने का आदेश हुआ है। फैसला अपर जिला जज प्रथम सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत से शुक्रवार को हुआ।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडेय और रोहित पांडेय ने बताया कि घटना की रिपोर्ट सीमा देवी निवासी मुरावन टोला नाका मुजफ्फरा थाना कोतवाली नगर में लिखाई थी। जिसमे उसने कहा था कि उसके पति बृजेश कुमार को गाड़ी मालिक सुभाष कसौधन का मिस्त्री ज्ञान सागर 8 नवंबर 2015 को घर से बुला कर ले गया। 9 नवंबर की सुबह छठी राम ने उसके घर पर आकर बताया कि बृजेश कुमार की लाश बाईपास पर पड़ी है। उनकी सिर पर चोट का निशान था। इसकी रिपोर्ट मिस्त्री ज्ञान सागर निवासी राजा बोध का पुरवा थाना पूराकलंदर और ट्रक मालिक सुभाष कसौधन के खिलाफ लिखाई गई थी। विवेचना में धर्म प्रकाश पांडेय का नाम प्रकाश में आया। विवेचक ने केवल धर्म प्रकाश पांडेय निवासी सरियावन थाना पूरा कलंदर के नाम आरोप पत्र दाखिल किया। अन्य दोनों का नाम निकाल दिया। वादिनी की ओर से कोर्ट में दिए गए प्रार्थना पत्र पर सुभाष कसौधन और ज्ञान सागर को भी विचारण के लिए तलब किया गया। दौरान मुकदमा सुभाष कसौधन की मौत हो गई। इसलिए उसके खिलाफ मुकदमा अबेट हो गया। अन्य दोनों को दोषी पाते हुए कोर्ट ने सजा दी।

यूपीआई डेटा से अयोध्या को बनाएंगे स्मार्ट सिटी

अयोध्या कार्यालय।

- नगर की तरक्की के लिए महापौर ने किया 'दुबई डिक्लेरेशन' पर हस्ताक्षर
- एशिया प्रशांत शहर शिखर सम्मेलन में शिरकत कर अयोध्या लौटे गिरीशपति

अमृत विचार : शहरी क्षेत्र की उन्नति के लिए अब जानकारियों का आदान-प्रदान वैश्विक स्तर पर किया जाएगा। इसके लिए 'दुबई डिक्लेरेशन ऑन द फ्यूचर अर्बन गवर्नमेंट' प्लान के तहत दुनिया के 175 शहरों के महापौर ने हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी एक्सपो सिटी दुबई में 27 से 29 अक्टूबर तक आयोजित 2025 के एशिया प्रशांत शहर शिखर सम्मेलन एवं मेयर फोरम में हिस्सा लेने के बाद अयोध्या लौटे महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने दी।

उन्होंने बताया कि एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित सम्मेलन में दुनिया के 175 शहरों के महापौर ने हिस्सा लिया, जिसमें भारत के 18 महापौर शामिल थे। उत्तर प्रदेश के मथुरा नगर निगम के महापौर व वह इस सम्मेलन का हिस्सा बने। बताया कि एक्सपो सिटी दुबई एवं ब्रिसबेन सिटी काउंसिल की पहल पर एस्पो विलेज एवं अलवस्ल एवेन्यू के बीच आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन एजुकेटिव काउंसिल के महासचिव हिज एक्सीलेंसी अब्दुल्लाह अनवस्ती एवं ब्रिसबेन ऑस्ट्रेलिया के मेयर एंड्रियांस सीन्नर ने किया। इसमें चर्चा के दौरान शहरी विकास के भविष्य पर गूगल के बेस्ट सेलर एंड फॉर्मर चीफ बिजनेस ऑफिसर ऑफ गूगल एमओ ग्वादत के साथ चर्चा की गई। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि यूपीआई में आपके शहर का हर प्रकार का डाटा मौजूद है, जिससे सेक्टर वार विकास की योजना बनाई बनाई जानी चाहिए, ताकि आपका शहर स्मार्ट बन सके और अपनी जरूरत की आसानी से पूर्ति कर सके।

दुबई डिक्लेरेशन ऑन द फ्यूचर अर्बन गवर्नमेंट' प्लान को दिखाते महापौर गिरीश पति त्रिपाठी।

जापान के टोक्यो की मेयर यूरोको कोकी के साथ अंडरग्राउंड टनल बनाकर जल भराव से निजात पर चर्चा की गई। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को गर्मी से निजात दिलाने के लिए कूलिंग द सिटी परियोजना के तहत शेड में पानी की नलिकाएं लगाकर छिड़काव करने जैसे विचार साझा किए गए। महापौर ने बताया कि अयोध्या में भी टनल बनाकर जलभराव की समस्या से निजात दिलाने तथा सेड में पानी की नलिकाएं लगाकर छिड़काव करने पर विचार किया जाएगा। सम्मेलन के बाद महापौर ने दुबई में रह रहे उत्तर भारतीयों के समूह से भी मुलाकात कर अयोध्या के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

वीवीआईपी और वीआईपी के आगमन के मार्ग का किया निरीक्षण

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: राम जन्मभूमि मंदिर में 25 नवंबर को होने वाले आयोजित पांच दिवसीय आयोजन की शुरुआत 21 नवंबर को होगी। 51 वैदिक आचार्यों के द्वारा मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में धार्मिक अनुष्ठान किया जाएगा। वहीं 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरसंघचालक मोहनभागवत समेत अन्य अतिथियों के आगमन के लिए वीवीआईपी और वीआईपी मार्ग को तैयार किया जा रहा है।

श्री रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र और ट्रस्ट के सहयोगी संघ प्रचारक गोपाल जी राव, कार्यदाई संस्था एलएंडटी के अधिकारियों के साथ शुक्रवार को क्रॉसिंग 3 जगद्गुरु मध्यवाचार्य द्वार और क्रॉसिंग 11 आदि गुरु शंकराचार्य द्वार से होकर जाने मार्गों का निरीक्षण किया। ट्रस्ट के सहयोगी संघ प्रचारक गोपाल जी राव ने बताया कि आने वाले कार्यक्रम के निमित्त तैयारी चल रही है। इसी के तहत जो अतिथियों के आने के प्रमुख मार्ग होंगे, उनकी सफाई, अवरोध को हटाने और और एक निश्चित स्थान वाहनों को खड़ा करने के लिए स्थानों को देखा गया है। कहा कि निर्माण के दौरान अधिक मात्रा में जो पत्थर परिसर में रखे हुए है। जिनका उपयोग नहीं होना है उन सभी पत्थरों को दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जा रहा है।

राम मंदिर परिसर क्रासिंग 3 का निरीक्षण करते हुए ट्रस्टी और कार्यदाई संस्था के लोग।

तैयारी 90 में विवादित ढांचे पर कारसेवकों ने फहराया था भगवा ध्वज, 25 को पीएम मोदी करेंगे ध्वजारोहण

इतिहास के पन्नों में दो और नौ के बाद अब 25 नवंबर भी होगी दर्ज

सत्यप्रकाश, अयोध्या

अमृत विचार: रामनगरी के इतिहास के पन्नों में दो और नौ नवंबर के बाद अब 25 नवंबर भी दर्ज होगी। राम जन्मभूमि मंदिर के विवादित ढांचे पर 2 नवंबर 1990 में कारसेवकों ने भगवा ध्वज फहराया था। इसके बाद चले लंबे संघर्ष और न्यायालय की सुनवाई में 30 साल के बाद 9 नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया। अब 25 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भव्य मंदिर निर्माण के बाद ध्वजारोहण करेंगे। जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। राम मंदिर में पांच दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्यक्रम शुरू होगा।

ध्वजारोहण के लिए तैयार हुआ राम मंदिर का शिखर।

राम मंदिर के विवादित ढांचे पर भगवा लहराते कारसेवक (इंटरनेट से प्राप्त फाइल फोटो)।

- 2 नवंबर 1990 में विवादित ढांचे पर कारसेवकों ने फहराया था ध्वज।
- 2 नवंबर 2019 में राम मंदिर निर्माण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला।
- 25 नवंबर 2025 में पीएम मोदी करेंगे ध्वजारोहण।

विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शर्मा ने कहा कि नवंबर महीना अयोध्या के लिए बेहद खास है। राम मंदिर पर दूसरी बार यह अवसर होगा जब हजारों राम भक्तों के बीच शिखर पर भगवा ध्वज फहराया जाएगा। 1990 में हजारों कारसेवकों के बीच राम भक्तों ने उसे विवादित ढांचे पर चढ़कर भगवा ध्वज लहराया था। इस दौरान उसे विवादित ढांचे के नीचे भी भगवान श्री रामलला विराजमान थे। वर्तमान में मोदी सरकार के नेतृत्व में भव्य मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोगों ने राम मंदिर के संघर्ष और कारसेवकों पर गोली चलाकर नरसंहार की घटना देखी। अब एक बार फिर राम जन्मभूमि परिसर में भव्य आयोजन के साथ ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न होगा। इस कार्यक्रम को भी पूरी दुनिया देखेगी। साधु-संत अयोध्या वासी सहित हजारों की संख्या में लोग इस आयोजन के गवाह भी बनेंगे।

चीनी मिल के उप महाप्रबंधक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मसौधा अयोध्या।

- कॉलोनी स्थित आवास में चुल्ले पर रस्सी के सहारे लटका मिला शव

अमृत विचार : केएम शुगर मिल मसौधा के उप महाप्रबंधक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार को चीनी मिल कॉलोनी परिसर स्थित आवास में छत में लगे चुल्ले पर रस्सी के सहारे लटकता मिला। प्रथम दृष्टया आत्महत्या की संभावना जताई जा रही है।

हमीरपुर जनपद के ग्राम मसौधा पोस्ट रगौल के रहने वाले मुकेश सुहानी (50) पुत्र लक्ष्मी नारायण सुहानी चीनी मिल मसौधा में उप महाप्रबंधक उपकरण के पद पर तैनात थे। परिजनों के साथ गुरुवार देर रात वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे। उनकी पत्नी और बच्चे अलग कमरे में सोए हुए थे। जब शुक्रवार सुबह वह देर तक नहीं उठे तो परिजन दरवाजा खटखटाने लगे। दरवाजा न खुलने पर पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा खुलवाया तो देखा गया कि वह कमरे में छत में लगे चुल्ले पर रस्सी के फंदे से लटक रहे हैं। थाना पूराकलंदर पुलिस ने उनको जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी संजीव सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं दी गई है।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार,1 नवंबर 2025

बारिश में उमड़े लोग, रन फॉर यूनिटी में दिखी एकता की झलक

रियासतों का एकीकरण कर सरदार पटेल ने भारत को अखंड स्वरूप दिया : अशोक

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : भारत को अखंडता के सूत्र में पिरोने वाले लौहपुरुष, भारत रत्न सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुरुवार को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। रिमझिम बारिश के बीच सिविल लाइंस स्थित गांधी पार्क से शुरू हुई यह एकता दौड़ एक भारत-श्रेष्ठ भारत के उद्घोष के साथ शहीद स्मृति स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। प्रतिभागियों में जोश और देशभक्ति का जज्बा देखने योग्य था। राष्ट्र एक, भारत महान और भारत माता की जय के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व मंत्री अशोक बाजपेई ने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों का एकीकरण कर भारत को अखंड स्वरूप दिया। आज का भारत उनकी दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन महिला शक्ति के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। क्षेत्रीय महामंत्री व महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने कहा कि युवाओं को सरदार पटेल के विचारों को जीवन में उतारना चाहिए, तभी सशक्त भारत का निर्माण संभव है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस एकता की मशाल जलाई थी, वही आज राष्ट्र को विकास और सम्मान की दिशा दे रही है।

सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी में मौजूद राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, पूर्व मंत्री अशोक बाजपेयी, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक अभय सिंह व जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह।

टाटी बाबा मंदिर से लोगों ने लगाई एक किमी. दौड़

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को टाटी बाबा मंदिर से एक किलोमीटर दौड़ आयोजित की गई ।जो सरदार पटेल की प्रतिमा स्थल पर जाकर संपन्न हुई। इसमें आरके एसएलपी पब्लिक स्कूल के बच्चों भी शामिल हुए। मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह व विधायक रामचंद्र यादव ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। विधायक ने कहा सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का जो कार्य किया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष शिव गोविंद पांडेय, मां कामाख्या धाम के चेयरमैन शीतला प्रसाद शुक्ला, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, जिला पंचायत सदस्य राम नेवल लोधी, महिला मोर्चा जिला मंत्री सुमन पासवान, ग्राम प्रधान राम कुमार आदि मौजूद रहे।

क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह व विधायक रामचंद्र यादव ने हरी झंडी दिखा बच्चों को दौड़ के लिए रवाना किया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त, गोसाईगंज विधायक अभय सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, वासुदेव मौर्या, अवधेश पाण्डेय बादल, अभिषेक मिश्र, आलोक सिंह रोहित, देवता पटेल, रमेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, व्यापारी, छात्र-छात्राएं व अन्य शामिल रहे।

आचार्य नरेंद्र देव शिक्षाविद् व एकता के प्रतीक थे सरदार पटेल

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : आचार्य नरेंद्रदेव मेधावी व्यक्तिव एवं महान शिक्षाविद् थे। वल्लभ भाई पटेल एकता के प्नेरतीक थे। उन्होंने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई रियासतों को शामिल करने में सफल रहे। ये बातें शुक्रवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहीं। वह एग्री बिजनेस मैनेजमेंट के प्रेक्षागृह में आचार्य नरेंद्र देव एवं लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पहले नरेंद्र उद्यान में आचार्य नरेंद्र देव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद प्रेक्षागृह में दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी क्रीड़ा परिसर के मुख्य गेट पर कुलपति ने रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाई। पुरुष वर्ग में 150 व महिला वर्ग में 100 प्रतिभागियों ने पांच किमी. की दौड़ में प्रतिभाग किया। पुरुष वर्ग में साजन-प्रथम,उमंगदीप-दूसरे, प्रदुम्न यादव-तीसरे, सौरभ-चौथे व पुनीत कुमार- पांचवें स्थान पर रहे। महिला वर्ग में सुमन वर्मा-प्रथम, सृष्टि-द्वीतीय, रचना तिवारी-तीसरे, नीति ने चौथे व अनुष्का ने पांचवां स्थान हासिल किया। कुलपति ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर वित्त नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. पीएस. प्रमाणिक, डीएसडब्ल्यू डॉ. डी. नियोगी समेत छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

कृषि विवि में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

- रन फॉर यूनिटी में दौड़े छात्र-छात्राएं, कुलपति ने प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

राष्ट्रीय एकता दिवस पर थाना कैंट में पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाते थाना प्रभारी पंकज सिंह। अमृत विचार

राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की ली शपथ

अयोध्या, अमृत विचार। पुलिस लाइंस समेत जिले के सभी थाना-कोतवाली में शुक्रवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर समेत प्रभारी निरीक्षक व थाना प्रभारी द्वारा सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधिकारी व कर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने व देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लिया। इस दौरान विभिन्न थानों पर एकता के लिये दौड़ का भी आयोजन किया गया।

श्रद्धा से याद किए गए पटेल, नरेंद्र देव और इंदिरा गांधी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: देश के नवनिर्माण में महती भूमिका निभाने वाले लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव को शुक्रवार को श्रद्धा से याद किया गया। विविध आयोजन किए गए। संगोष्ठियों के जरिए लोगों को उनके योगदान को बताया गया।

कांग्रेस कार्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेस के पदाधिकारी।

कांग्रेस कार्यालय पर हुई संगोष्ठी, दी पुष्पांजलि

अयोध्या, अमृत विचार : कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन में कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ,भारतरत्न सरदार वल्लभभाई पटेल व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के संग बिताए गए अपने संस्मरणों को याद किया। कहा कि उन्होंने राष्ट्र की अखंडता और सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोया, जबकि आचार्य नरेंद्र देव ने विचारधारा और समाजवादी चेतना का अलख जगाई। हमें इनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने की। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, प्रवक्ता शीतला पाठक, सेवादल जिलाध्यक्ष फ्लावर नकवी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद एनएसयूआई ने जिला अस्पताल में मरीजों में फल वितरण किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शपथ दिलाते मंडलायुक्त राजेश कुमार।

विविधता में एकता ही भारत की पहचान : कमिश्नर

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : भारत रत्न लौहपुरुष सरदार पटेल की जयंती पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडलायुक्त राजेश कुमार ने आयुक्त कार्यालय में, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने कलेक्ट्रेट कार्यालय, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने विकास भवन में और अन्य शासकीय व अर्द्धशासकीय कार्यालयों, विद्यालयों आदि में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मौजूद लोगों को शपथ कराई। मंडलायुक्त राजेश कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपने अदम्य साहस, दूरदृष्टि एवं राष्ट्रनिष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर भारत की अखंडता को सशक्त किया। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विविधता में एकता ही भारत की पहचान है। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस दृढ़ निश्चय, प्रशासनिक कौशल और राष्ट्रनिष्ठा से स्वतंत्र भारत की रियासतों का एकीकरण किया। हमें उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए।

भारत एकीकरण में सरदार पटेल की महती भूमिका : डॉ. बिजेंद्र

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : अवध विश्वविद्यालय द्वारा केरल दिवस की पूर्व संध्या एवं लौह पुरुष भारत के पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर श्रीराम शोध पीठ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि केरल 1 नवंबर 1956 में त्रावनकोर, कोचीन, मालाबार के क्षेत्र को मिलाकर बनाया गया था। सरदार पटेल की दृढ़ इच्छा के कारण भारत का एकीकरण हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. राधाकृष्णन ने कहा कि अयोध्या और केरल का प्राचीन सांस्कृतिक संबंध है। संचालन छात्रा श्रजनिका मिश्रा एवं मीनाक्षी ने किया। कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, संकाय अध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. सी के मिश्र आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल व आचार्य नरेंद्र देव को किया नमन

अयोध्या, अमृत विचार। गुलाबबाड़ी स्थित सपा कार्यालय पर शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल व आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। पार्टी नेताओं ने दोनों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने देश के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आचार्य नरेंद्र देव एक महान शिक्षाविद् और समाजवादी चिंतक थे। इस दौरान पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे, लीला कुशवाहा, एजाज़ अहमद, दान बहादुर सिंह, शिवकुमार यादव, गोविंद विश्वकर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

लगाई जाए सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा

अयोध्या, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन ने भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भारत रत्न, लौह पुरुष, सरदार वल्लभभाई पटेल की आदम कद प्रतिमा लगवाने, उनके नाम पर मोहल्ले का नाम रखने की मांग की। इसको लेकर यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार मिश्र से मिलकर जिलाधिकारी को संबोधित दो सूत्री ज्ञापन सौंपा। नगर निगम क्षेत्र में सार्वजनिक स्थल पर उनकी प्रतिमा के साथ वार्ड के नामकरण की मां रखी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रीय महामंत्री घनश्याम वर्मा ने किया। ज्ञापन देने वालों में रविशंकर पांडे, रंजीत कोरी ,मंसाराम वर्मा, राहुल, विवेक पटेल, मोहित पांडे आदि थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण करते रालोद के पदाधिकारी।

रालोद ने मनाई सरदार पटेल की जयंती

अयोध्या। रुदौली की ग्राम पंचायत अख्तियारपुर में राष्ट्रीय लोकदल अवध क्षेत्र के अध्यक्ष चौधरी रामसिंह ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जैसा ही कर्तव्याग्रही, दृढनिश्चयी, चरित्रवान नेताओं की आज हमें जरूरत है। उन्होंने 565 रियासतों को भारत में विलय कराया। कार्यक्रम में जिपं सदस्य बलराम, युवा जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा, गंगा राम वर्मा, बीरेंद्र वर्मा, राकेश रावत आदि थे।

सेवानिवृत्त आशुलिपिकों को दी गई भावभीनी विदाई

अयोध्या, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी के आशुलिपिक अंशुमाली श्रीवास्तव शुक्रवार को अधिवर्षिता आयु पूर्ण कर शुक्रवार को सेवानिवृत हो गए। डीडीओ कार्यालय के दूसरे आशुलिपिक राजेश कुमार तिवारी भी सेवानिवृत हुए। दोनों सेवानिवृत्ति कार्मिकों को विकास भवन के सभागार में भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने सेवानिवृत आशुलिपिक के कार्य व्यवहार की प्रशंसा की। कहा कि सेवानिवृत्ति केवल सरकारी महकमे से हुई है। जीवन के अनुभवों को समाज हित में प्रयोग करने का आह्वान किया। संचालन डीडीओ कार्यालय के वरिष्ठ सहायक कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में डीडीओ महेंद्र देव, परियोजना निदेशक डीआरडीए गिरीश कुमार पाठक, जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रणविजय सिंह सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति आशुलिपिक अंशुमाली को स्मृति चिन्ह देते सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह।

मानदेय न मिलने पर आशा बहुओं का धरना-प्रदर्शन

बीकापुर, अयोध्या। अमृत विचार : कई महीने से रुके हुए मानदेय की मांग को लेकर आशा बहुओं व संगनियों द्वारा शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकारी अधीक्षक डॉ. एसके मौर्य को ज्ञापन भी सौंपा गया। आशा बहू संघ की ब्लॉक अध्यक्ष सरिता सिंह, विजयलक्ष्मी तिवारी, सरला, सीमा, सुभाषिनी त्रिपाठी, मालती तिवारी सहित अन्य आशा बहुओं द्वारा शासन पर भेदभाव का आरोप लगाया गया। मानदेय बढ़ोतरी व रुके हुए मानदेय को अविलंब देने की मांग की। चेतावनी दी कि मांगे पूरी न होने की दशा में अगले सप्ताह सीएमओ ऑफिस में धरना दिया जाएगा, उसके बाद प्रदेश मुख्यालय लखनऊ पर भी धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में संतोष उपाध्याय, राजकुमारी, सत्यभामा, उर्मिला तिवारी, पिंकी तिवारीसहित विकासखंड क्षेत्र में कार्यरत 196 आशा कर्मी व आशा संगिनी शामिल रहीं।

न्यूज ब्रीफ

श्रीराम के विवाह महोत्सव पर बांटे जाएंगे निमंत्रण पत्र

अयोध्या, अमृत विचार : राम नगरी में भगवान श्री राम के विवाह महोत्सव का आयोजन भी तैयारी शुरू हो रही है। मठ मंदिरों पर भगवान श्री राम के बारात की भी तैयारी की जा रही है। रीति रिवाज से तेल पूजन, हल्दी रस्म, मेहंदी रस्म के बाद 25 नवंबर को राम बारात निकाली जाएगी। जिसके लिए अयोध्या के लोगों को निमंत्रण पत्र भी बांटे जाएंगे। प्रमुख रूप से कनक भवन, दशरथ महल, रंग महल, विभूति भवन, राम हर्षण कुंज, जानकी महल, राम वल्लभा कुंज और दूसरे कई स्थानों से बारात निकाले जाने की परंपरा है। जिसमें घोड़ा हाथी बैंड बाजा के साथ लोग बाराती बन कर नाचते गाते हुए बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे।

अरथर की राम लीला का समापन

सोहावल, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत अरथर में आदर्श रामलीला समिति द्वारा चल रही छह दिवसीय रामलीला के समापन शुक्रवार को हो गया। पूर्व प्रधान राजकिशोर यादव ने कहा कि प्रसंग में धार्मिक आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। अध्यक्ष जनार्दन गौड़ ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल मंचन नहीं, बल्कि पीढ़ियों तक श्रीराम के आदर्शों को पहुंचाना है। मंच निर्देशन अनुज कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में भक्तों ने जय श्रीराम के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्रीय कार्यशाला मसौधा में कार्यरत सीनियर फोरमैन योगेश शुक्ला की सेवानिवृत्ति पर शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी गई। क्षेत्रीय कार्यशाला कर्मचारियों की ओर से आयोजित समारोह में क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सुल्तानपुर सुरेश यादव और मनोज वर्मा, राजेंद्र प्रसाद पांडे, अमर मौर्य सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों, कर्मचारियों ने सेवानिवृत योगेश शुक्ला के कार्यों की प्रशंसा की। हर संभव मदद एवं सहयोग के लिए भी कहा।

फसलों पर मौसम की मार, किसान परेशान

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : लगातार हो रही बारिश का असर फसलों पर भी पड़ रहा है। क्षेत्र के किसान राजेंद्र मिश्रा, रमेश यादव, सत्यनाम मिश्रा, राकेश मिश्रा आदि ने बताया कि उनकी धान की फसल को नुकसान होने की संभावना है। रुदौली तहसीलदार विजय गुप्ता ने बताया कि राजस्व विभाग की टीमें गाँव-गाँव जाकर सर्वे कर रही हैं।

मंदिर का दान पत्र चोरी करने का प्रयास

अयोध्या, अमृत विचार। थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र अंतर्गत हनुमानगढ़ी मंदिर के पास स्थित राजद्वार मंदिर में एक व्यक्ति ने दो दानपात्र व गुल्लक चोरी करने का प्रयास किया। राजद्वार मंदिर के मुख्य पुजारी नंद किशोर पाठक ने बताया कि 30 अक्टूबर की सुबह 03 :30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति मंदिर में आया व सफाई करने के बहाने हनुमान जी की मूर्ति के आगे रखे दो दानपात्र और दो गुल्लक को तोड़कर चोरी करने का प्रयास करने लगा। तभी मंदिर के हाल में बैठे हुए श्रद्धालुओं ने चिल्लाकर मुझे सूचना दी। मौके पर पहुंच कर मैंने उसे पकड़ने की कोशिश की तो मेरे साथ हाथापाई करते हुए भाग गया। थाना प्रभारी अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

थाना परिसर में मनाई सरदार पटेल की जयंती

सोहावल, अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती शुक्रवार को रौनाही थाना परिसर में श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस मौके पर थाना प्रभारी संदीप सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान, उपनिरीक्षक हरे कृष्णा, चंद्रहास मिश्रा सहित अन्य थे।

हालात ड्रॉप आउट बच्चों का डेटा अपडेट न करने पर रुकेगा वेतन, मची खलबली

कक्षा एक से 7 तक के 56 हजार बच्चे ड्रॉप बॉक्स में अटके

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में ड्रॉपआउट की समस्या ने अब शिक्षा विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। यू-डायस पोर्टल पर अभी भी कक्षा एक से सात तक के 56 हजार से ज्यादा छात्र 'ड्रॉपबॉक्स' में अटके हुए हैं। यह वो बच्चे हैं जो पिछले सत्र में पास हुए लेकिन अगली कक्षा में प्रवेश की जानकारी ही नहीं दी गई। नतीजा अब विभाग ने सख्त कदम उठाया है। 24 घंटे के अंदर इनका निस्तारण न होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और डीआईओएस का वेतन रोक दिया जाएगा।

- डीआईओएस और बीएसए को 24 घंटे की मोहलत

प्रतीकात्मक फोटो

स्कूली शिक्षा महानिदेशालय की ओर से जारी सख्त निर्देशों ने हड़कंप मचा दिया है। आखिर ये बच्चे कहां गायब हो गए? कुछ सरकारी स्कूलों से एडेड या प्राइवेट स्कूलों में शिफ्ट हो गए, तो कुछ ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। लेकिन समस्या यह है कि प्रधानाचार्यों ने इनकी ट्रैकिंग ही नहीं की। यू - डायस के स्टूडेंट मॉड्यूल में एडमिशन, ट्रांसफर या ड्रॉपआउट की डिटेल्स अपडेट न होने से पूरा डेटा ब्लैक होल में खो गया है। अब तक इसे लेकर छूट दी जा रही थी लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा सख्ती किए जाने के बाद महानिदेशालय को भी तेवर दिखाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

> महानिदेशालय द्वारा इसे लेकर आदेश मिले हैं। सभी स्कूल-कॉलेज को पहले से ही निर्देश दिए गए हैं। पुनः निर्देश दिए जा रहे हैं, सोमवार तक व्यवस्था हो जाएगी। -डॉ. पवन कुमार तिवारी,डीआईओएस।

स्कूलों और कॉलेजों ने की बड़ी चूक

स्कूलों को स्टूडेंट प्रोफाइल, एनरोलमेंट और प्रोग्रेशन अपडेट करने का सख्त आदेश है, लेकिन देरी से सरकारी योजनाएं जैसे मिड-डे मील, यूनिफॉर्म और किताबें प्रभावित हो रही हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक जिले के प्राइमरी एजुकेशन के बॉस हैं। उनका सैलरी स्ट्रक्चर 7वें वेतन आयोग के तहत 56,100 से 1,77,500 तक है, लेकिन अब ये रुका तो मामला बड़ा होगा। इसके बाद भी जिला स्तर पर स्कूलों और कॉलेजों पर व्यवस्था को लेकर दबाव नहीं है।

बुरे फंसे डॉ. फुजैल, भेजा देवगांव, चले गए छुट्टी पर

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार IMPACT

अमृत विचार ने मामले को प्रमुखता से किया था प्रकाशित

जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक व ब्लड बैंक प्रभारी के विवाद के मामले का शासन - प्रशासन ने लिया संज्ञान

अमृत विचार : जिला अस्पताल में दिवाली से ठीक एक दिन पहले हुए विवाद में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. फुजैल अंसारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी पर जूता तान बुरे फंस गए। मामले की वायरल सीसीटीवी फुटेज सामने आते ही 'अमृत विचार' ने इसको प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसका शासन ने संज्ञान लिया और जांच का आदेश दे दिया। अब डॉ. फुजैल को जांच पूरी होने तक देवगांव के 50 शैय्या अस्पताल में चिकित्साधिकारी की ड्यूटी सौंपी गई है, जबकि जांच आदेश आते ही ब्लड बैंक प्रभारी छुट्टी पर चले गए।

घटना की शुरुआत दिवाली से एक दिन पहले हुई। डॉ. फुजैल अंसारी ने ब्लड बैंक के लिए एचआईवी किट की जरूरत बताते हुए सरकारी वाहन मांगा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने नियमों का हवाला देकर मना कर दिया। इससे नाराज डॉ. फुजैल ने डॉ. चौधरी से अभद्रता की और जूता तानकर धमकी दी। डॉ. चौधरी ने इसकी शिकायत की। मामला यहीं नहीं रुका। 10 दिन बाद प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह के कक्ष का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें जूतम-पैजार साफ दिख रहा था। अमृत विचार ने इस खबर को 30 अक्टूबर के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया। मरीजों और स्टाफ के बीच चर्चा का विषय बनते ही शासन तक बात पहुंची। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान ने जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश सिंह को पत्र लिख विवाद की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित करने को कहा। टीम में सीएमओ कार्यालय के डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. राजेश चौधरी व जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. एके सिन्हा शामिल हैं। टीम को एक हफ्ते के अंदर आख्या सौंपने को कहा गया है। पत्र में स्पष्ट निर्देश है कि जांच रिपोर्ट आने तक डॉ. फुजैल अंसारी देवगांव के 50 शैय्या अस्पताल में चिकित्साधिकारी के रूप में ड्यूटी करेंगे। उनका सारा कार्यभार डॉ. कुलदीप संभालेंगे। जांच टीम को सभी दस्तावेज, गवाहों के बयान और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल करनी होगी।

जांच आदेश की खबर फैलते ही ब्लड बैंक प्रभारी छुट्टी पर चले गए। सूत्रों के मुताबिक जिला अस्पताल में माहौल तनावपूर्ण है। डॉ. अजय चौधरी ने कहा कि वे न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। सीएमओ डॉ. बनियान ने कहा मामला गंभीर है। निष्पक्ष जांच होगी और दोषी पर कार्रवाई तय है। यह घटना सरकारी अस्पतालों में अनुशासन और पदाधिकारियों के व्यवहार पर सवाल उठा रही है।

न्यूज ब्रीफ

अनाधिकृत सम्बद्धीकरण रद्द मूल विभाग में जाएंगे कर्मी

अयोध्या, अमृत विचार : बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने अधिकारियों, अध्यापकों और कर्मचारियों के अनाधिकृत सम्बद्धीकरण (अटैचमेंट) पर बड़ी कार्रवाई का ऐलान किया है। शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. महेन्द्र देव ने सभी मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों को समयबद्ध एवं सर्वोच्च प्राथमिकता वाला पत्र जारी कर शासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि बिना शासन की अनुमति के किए गए सम्बद्धीकरण को तत्काल निरस्त कर कर्मियों को मूल तैनाती स्थल पर वापस भेजा जाए। बिना शासन अनुमति के किसी को भी मूल तैनाती के अलावा कहीं सम्बद्ध न किया जाए संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक कौस्तुभ सिंह ने बताया आदेश के पालन के लिए सभी स्कूल-कॉलेजों से सूचनाएं मांगी गई हैं।

बेमौसम बारिश से धान की फसल को नुकसान

आजमगढ़। जिले का मौसम चार दिन से खराब है। तीन दिन से तो धूप ही नहीं निकल रही और रुक- रुक कर बारिश हो रही है। इससे फूलपुर, अहरौला, पवई, सगड़ी, पल्हना सहित कई क्षेत्रों में धान की फसल गिर गई है। कुछ किसानों की काटी गई फसल खेतों में भीग रही है। इससे किसानों का नुकसान होगा। धान की फसल पक कर तैयार है उसकी कटाई, मड़ाई नहीं हो पा रही है। जो किसान धान की कटाई किए थे उनका धान खेतों में भीग रहा है। इससे किसान चिंतित हैं।

युवती से छेड़छाड़ के मामले में मुकदमा दर्ज

सम्मनपुर, अंबेडकरनगर। थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने मारपीट के साथ ही छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दिया है। बता दें कि एक गांव की युवती ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि वह अपने घर में झाड़ू लगा रही थी। इसी बीच गांव के विपक्षी राजकुमार, गुड़िया व शांति देवी एकजुट होकर उसके दरवाजे पर आए उसे गाली देने लगे। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो सभी ने डंडा व झाड़ू से उसकी जमकर पिटाई कर दिया। आरोप है कि राजकुमार ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ की और अपशब्द कहे। विपक्षी दबंगई और मनमानी के आगे गांव का कोई भी बचाव की हिम्मत नहीं जुटा सका। वहीं आरोपी पीड़िता को शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता ने मामले की शिकायत जब थाना पर किया तो उसे टरका दिया गया। वहीं न पीड़िता का मेडिकल कराया गया और न ही कोई कार्रवाई की गई। जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। जिसके बाद थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने मुकदमा दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दिया है।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए पात्र खिलाड़ी करें आवेदन

अंबेडकरनगर। जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्या ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार-2025 अर्जुन पुरस्कार, मेजर ध्यानचन्द खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार लाइफटाइम, द्रोणाचार्य पुरस्कार और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पात्र खिलाड़ी, कोच एवं संस्थाएं केवल वेबसाइट पर ही अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि पुरस्कारों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक खिलाड़ी, कोच और संस्थाएं जिला खेल कार्यालय एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम अकबरपुर में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।

फुटबॉल में खिलाड़ी दिखा रहे दम

संवाददाता, श्रावस्ती। अमृत विचार : जूनियर हाई स्कूल भिनगा के खेल मैदान में चल रहे खुर्शीद अहमद मेमोरियल राज्य स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में तीसरे दिन शुक्रवार को मौसम खराब होने के कारण एक ही मैच खेला गया। तीसरे दिन टैट्रुन क्लब लखनऊ व सद्भावना क्लब गोरखपुर के बीच मैच खेला गया। जिसमें लखनऊ की टीम ने 2-1 मैच जीत कर अगले राउंड में प्रवेश किया। इस दौरान आयोजक व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भिनगा इरफान अहमद, हाजी निसार अहमद, कोषाध्यक्ष नबी अहमद खां, जमील अहमद सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अवध विवि में माह का पहला दिन नेट जीरो-ग्रीन कैंपस घोषित

नियम आज से लागू, तत्कालीन कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने भी किया था यह प्रयोग, नहीं हुआ था सफल

अयोध्या कार्यालय

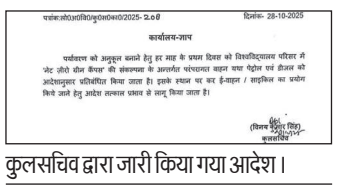

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देश पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने फरमान सुना दिया कि हर माह का पहला दिन 'नेट जीरो-ग्रीन कैंपस' मतलब पेट्रोल-डीजल गाड़ी लाए तो गेट पर ही जुर्माने की झप्पी मिलेगी। हर माह के पहले सभी ई-स्कूटर, साइकिल, पैदल वाले रिक्शा या ई-रिक्शा से आएं, वरना पैदल। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए यह व्यवस्था शनिवार पहली नवम्बर से लागू हो रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। नवंबर माह के पहले दिन शनिवार को चौतरफा निगरानी होगी। यह व्यवस्था तत्कालीन कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित के कार्यकाल में भी लागू की गई थी, लेकिन सफल नहीं हो पाई।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय परिसर को ग्रीन कैंपस बनाने की संकल्पना को साकार करने का फैसला किया है। कुलसचिव द्वारा हर माह के प्रथम दिवस को परिसर में पेट्रोल और डीजल से चलने वाले परंपरागत वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिबंधित वाहनों के स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहन (ई-वाहन) या साइकिल का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और कैंपस को हरित एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह कदम जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

- **पेट्रोल-डीजल गाड़ी लाए तो गेट पर ही मिलेगी जुर्माने की झप्पी**

कुलसचिव द्वारा जारी किया गया आदेश।

> पर्यावरण को अनुकूल बनाने के लिए हर माह के प्रथम दिवस को विश्वविद्यालय परिसर में 'नेट जीरो ग्रीन कैंपस' घोषित किया गया है। पेट्रोल एवं डीजल वाहन को आदेशानुसार प्रतिबंधित किया गया है। इसके स्थान पर कर ई-वाहन, साइकिल का प्रयोग किया जाएगा। -**विनय कुमार सिंह, कुलसचिव, अवध विश्वविद्यालय।**

नियम का पालन करें, उल्लंघन पर कार्रवाई

विश्वविद्यालय परिसर में ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन और साइकिल स्टैंड की सुविधा बढ़ाने की योजना भी बनाई जा रही है। यह पहल उत्तर प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल शैक्षणिक संस्थानों की दिशा में एक मिसाल बनेगी। बताया जा रहा है इसके लिए अभी शुरुआत में हर माह का पहला दिन तय किया गया है लेकिन धीरे - धीरे इसे दिन बढ़ा कर भविष्य में पूरी तरह से लागू किया जा सकता है। सभी विभागाध्यक्षों को शुक्रवार को इसके अनुपालन करने और कराने के आदेश दिए गए हैं। सुरक्षा कर्मियों को सहेजा गया है कि टोके लेकिन आदर और सम्मान के साथ।

बीएलओ और सुपवाइजर तैयार प्रशिक्षण बाद कार्रवाई का इंतजार

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : विधानसभा मतदाता सूची के प्रगाढ़ पुनरीक्षण की तैयारी तेज है। बूथ लेबल ऑफिसर और सुपरवाइजर तैयार हो गए। प्रशिक्षण चल रहा है। आयोग का सॉफ्टवेयर खुल गया। अब गणना पत्रक तैयार किए जा रहे हैं। चार नवंबर से बीएलओ घर-घर सर्वे के लिए निकलेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के प्रगाढ़ पुनरीक्षण का आदेश दिया। जिले में 2034 बीएलओ और 205 सुपरवाइजरों की तैनाती कर दी गई। पारदर्शी मतदाता सूची के लिए राजनातिक दलों के साथ बैठक करके जानकारी दी गई। सहयोग की अपील की गई। तहसीलों में राजनीतिक दलों के साथ बैठक के आयोजन किए जा रहे हैं। बीएलओ और सुपर वाइजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी उदय राज पांडेय ने बताया कि गणना पत्रक अगले दो दिन में बीएलओ को सौंप दिए जाएंगे। इसके बाद घर-घर सर्वे का काम शुरू कराया जाएगा।

एसएसबी मुख्यालय भिनगा से रन ऑफ यूनिटी के तहत बाइक रैली निकलते जवान।

भिनगा में निकली गई रन फॉर यूनिटी। अमृत विचार

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की मनाई गई 150वीं जयंती

संवाददाता, श्रावस्ती। अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती शुक्रवार को धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान जिलेभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में डीएम व एसपी सहित भाजपा नेताओं व छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान मौजूद लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई गई। जिले में पूर्व उप प्रधानमंत्री व देश के प्रथम गृहमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर भिनगा के पटेल तिराहा से कलेक्ट्रेट चौराहे तक रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसे पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय, एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी, डीएम अश्विनी कुमार पांडेय, एसपी राहुल भाटी, सीडीओ साहिद अहमद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट पहुंच कर संपन्न हुई। इस दौरान ईओ डॉ अनीता शुक्ला सहित नगर के सभी विद्यालयों के छात्र, शिक्षक व शिक्षिकाएं शामिल रहीं। इसी क्रम में एसएसबी 62 वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा सहित सभी सीमा चौकियां, थानों व विद्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित कर सरदार पटेल को याद किया गया। सभी स्थानों पर कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान मौजूद वक्ताओं ने भारत की एकता व अखंडता के लिए सरदार पटेल द्वारा किए गए योगदान का गुणगान किया गया। साथ ही मौजूद लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाया।

डीएम ने धान की क्रॉप कटिंग का लिया जायजा

संवाददाता, अमृत विचार

श्रावस्ती। जिलाधिकारी शुक्रवार को हरिहरपुररानी विकास क्षेत्र के ग्राम कोकल पहुंचे। वहां उन्होंने अपने सामने धान की क्राप कटिंग कराया। साथ ही उसका अपने ही सामने वजन कराकर धान के पैदावार की उत्पादकता परखा। इस दौरान उन्होंने किसानों से पराली न जलाने की अपील किया।

कोकल गांव पहुंचे डीएम अश्विनी कुमार पाण्डेय ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ वर्ष 2025-26 में धान की फसल की क्रॉप कटिंग का निरीक्षण कर जायजा लिया। बाद में उन्होंने अपने सामने धान कटवा कर उसकी मड़ाई के बाद वजन भी कराया। डीएम ने किसान राम तीरथ के गाटा संख्या-698 के रकबा 0.198 हेक्टेयर क्षेत्रफल में क्रॉप कटिंग कराया। इसमें 23.10 किलोग्राम धान पाया गया। क्रॉप कटिंग के दौरान वहां मौजूद किसानों से उनका हाल जाना। साथ ही उनसे अपनी उपज सरकारी धान क्रय केंद्र पर बेचने की अपील भी किया। ताकि किसानों को उनके उत्पादकता का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से 'पराली दो खाद लो' अभियान चलाया जा रहा है, जिससे किसान अधिक मात्रा में पराली गौशाला में पहुंचा कर खाद ले सकते है। इस दौरान एसडीएम भिनगा आशीष भारद्वाज, बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि मुकेश मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कोकल गांव में धान की क्रॉप कटिंग कराने पहुंचे डीएम। अमृत विचार

- **किसानों से डीएम ने पराली न जलाने की किया अपील**

आज से शुरू होगी धान खरीद

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। जनपद में 1 नवंबर से धान खरीद प्रक्रिया शुरू होगी। इस बार जनपद में कुल 100 धान खरीद केंद्र बनाएं गए हैं। शासन द्वारा इस वर्ष धान खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर 1 लाख 58 हजार मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है।

पिछले वर्ष धान खरीद का लक्ष्य 1 लाख 32 हजार मीट्रिक टन था, जिसके सापेक्ष 1 लाख 53 हजार मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। इस बार लक्ष्य में वृद्धि की गई है, जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। धान खरीद में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए इस बार प्रत्येक केंद्र पर नोडल कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने तहसील स्तरीय नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी संबंधित उपजिलाधिकारियों को सौंपी है। जिला खाद्य विपणन विभाग खरीद प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाने के लिए केंद्रों पर मशीन, फर्नीचर, बैनर और बोरे जैसी आवश्यक सामग्री पहुंचा रहा है। राइस मिलों की जियो टैगिंग प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है और चावल की अग्रिम लाट भंडार केंद्रों पर पहुंचाने के लिए पत्र प्रेषित किया गया है।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी गोरख नाथ पांडेय ने बताया कि धान खरीद के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अधिक से अधिक किसानों से धान खरीद सुनिश्चित करने के लिए किसान पंजीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि धार खरीद प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न होगी।

सीओ सदर के चिकित्सक पति ने पत्नी पर लगाया सनसनीखेज आरोप

- **पति डॉ. सत्यम गुप्ता ने एसएसपी से मिलकर लगाई गुहार**

आजमगढ़, अमृत विचार। पुलिस महकमे से जुड़ी एक चौंकाने वाली बड़ी खबर सामने आई है। सदर सर्किल ऑफिसर (सीओ) आस्था जायसवाल पर उनके पति डॉ. सत्यम गुप्ता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। डॉ. सत्यम, जो आजमगढ़ मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, ने अपनी पत्नी पर मानसिक उत्पीड़न और धमकियां देने का दावा किया है। उनका कहना है कि पत्नी उनसे बातचीत करने से इनकार करती हैं और संपर्क करने की कोशिश पर जेल भेजने की धमकी देती हैं।

जून 2023 में बलिया निवासी आस्था जायसवाल से डॉ. सत्यम का विवाह हुआ था। अप्रैल 2024 में दंपति को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। हालांकि, डॉ. सत्यम का आरोप है कि बच्चे का नाम उनकी सहमति के बिना बदल दिया गया। पहले अथर्व गुप्ता था, जो अब अथर्व जायसवाल हो गया। शादी के बाद पत्नी की विधिवत विदाई कभी नहीं हुई और अब वह अलग रह रही हैं। सीओ सदर ने कथित तौर पर पति को चेतावनी दी कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, वरना जेल भेज दूंगी। इस मामले में डॉ. सत्यम ने आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है और न्याय की मांग की है। मार्च 2025 में तलाक के लिए आवेदन दिया गया, जो अदालत में लंबित है।

मजलिसे तरहीम का आयोजन रविवार को

अंबेडकरनगर। जलालपुर कस्बा के मुहल्ला जाफराबाद स्थित बड़ी मस्जिद में अंजुमन काजिमिया के सचिव जफर हुसैन कर्बलाई की ओर से मरहूम वसी असगर, मोहम्मद अली, हुसैन अहमद और मुर्तुजा हुसैन के पुण्य के लिए मजलिसे तरहीम कार्यक्रम रविवार को शाम छह बजे से आयोजित होगा।

नर्सिंग कॉलेज के निर्माण में लापरवाही पर कार्यदायी संस्था को नोटिस

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर के अन्तर्गत नर्सिंग कालेज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निर्माण कार्य की कार्यदायी संस्था उप्र राजकीय निर्माण निर्माण लिमटेड है। निरीक्षण के समय इकाई के स्थानिक अभियन्ता द्वारा बताया गया कि परियोजना के तहत बीएससी नर्सिंग कॉलेज के जी-3 भवन, लेक्चर हॉल एवं मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण कार्य स्वीकृत है। जिसमें सिविल कार्य के साथ आन्तरिक व बाह्य प्लम्बिंग कार्य, ओएचटी, बाह्य एवं आन्तरिक विद्युतीकरण, बाउंड्रीवाल और हार्टीकल्चर, फायर फाईटिंग एवं फायर अलार्म सिस्टम, लिफ्ट का कार्य, अन्य बाह्य स्थल विकास कार्य आदि कराया जाना प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान परियोजना प्रबंधक रवीन्द्र यादव अनुपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में जल्द उपलब्ध कराएं स्टाफ नर्स : जिलाधिकारी

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन पर जिलाधिकारी ने महात्मा ज्योतिबा फुले संयुक्त जिला चिकित्सालय में फल वितरण के उपरांत चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का गहन निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम एमसीएच विंग के विभिन्न उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधा की सुगमता, नाश्ता एवं भोजन आदि के उपलब्धता के समय की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने एमसीएच विंग के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पीएन यादव को प्रत्येक माह खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा रैंडम रूप से मरीज को उपलब्ध कराए जा रहे नाश्ता और भोजन की जांच कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने नाश्ता एवं भोजन को समय से नियमित उपलब्ध कराते रहने के साथ ही अपराह्न 5 बजे चाय और बिस्किट भी मरीजों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एमसीएच विंग में उपयुक्त स्थल पर किड्स जोन बनाए जाने और उसने बच्चों को खेलने के लिए खिलौना आदि रखने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा चिकित्सालय में और स्टाफ नर्स की आवश्यकता के बारे में अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल को फोन कर तत्काल स्टाफ उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पीएन यादव ने बताया कि चिकित्सालय में शीघ्र ही एमएनसीयू का संचालन भी प्रारंभ होगा।

कार्य व्यवहार खराब पाए जाने पर डॉक्टर को नोटिस : जिलाधिकारी ने दवा वितरण कक्ष के बाहर समस्त दावों की सूची का बोर्ड लगाए जाने की निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय में संचालित जन औषधि केंद्र को 24 घंटे संचालित कराए जाने के निर्देश जन औषधि केंद्र के संचालक को दिए।

सिटी डायरी

उद्यमियों को योजनाओं से करें लाभांवित : सीडीओ

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उद्योग स्थापना से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान और विभागीय योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल से प्राप्त संदभों की गहन समीक्षा किया। उन्होंने कृषि, श्रम विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सम्बन्धित लंबित प्रकरणों को त्वरित निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया। सीडीओ ने विभागीय ऋण परक योजनाओं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा एक जनपद एक उत्पाद, वित्त पोषण योजना अन्तर्गत अद्यतन प्रगति की समीक्षा किया।

रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में शामिल नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता व साथ में मौजूद अन्य।

रन फॉर यूनिटी पर याद किए गए सरदार पटेल

बसखारी, अंबेडकरनगर। 2014 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को देश में एकता और अखंडता का प्रतीक बनाने का संकल्प लेते हुए रन ऑफ यूनिटी की शुरुआत की गई थी। शुक्रवार की सुबह थाना अध्यक्ष सुनील कुमार पांडे की अध्यक्षता शुरू की गई रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओमकार गुप्ता मौजूद रहे। इसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष ओंमकार गुप्ता ने जयंती को यादगार बनाने के लिए नगर पंचायत कार्यालय पर आयोजित बैठक की शुरुआत सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए किया।

राजकीय भण्डारों पर रबी फसलों के बीज उपलब्ध

अंबेडकरनगर। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि रबी फसलों के लिए जनपद के समस्त राजकीय कृषि बीज भंडारों पर चना, मटर, मसूर, सरसों और गेहूं का बीज अनुदान पर वितरण के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त सभी राजकीय कृषि बीज भंडारों पर सरसों का नि :शुल्क मिनीकिट भी कृषकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान अपने विकासखंड में स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार से आवश्यक अभिलेखों सहित पॉस मशीन के माध्यम से अनुदानित बीज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की आय में वृद्धि के लिए शरदकालीन गन्ने के साथ सरसों की सहफसली बुआई को प्रोत्साहित करने के लिए 4 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से निरूशुल्क सरसों का बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार गन्ने के साथ मसूर की सहफसली बुआई के लिए भी नि :शुल्क बीज वितरण किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है। यूरिया 13208 मीट्रिक टन, डीएपी 2062 मीट्रिक टन, एनपीके 3424 मीट्रिक टन, एसएसपी 7404 मीट्रिक टन और एमओपी 308 मीट्रिक टन उपलब्ध हैं। उर्वरक नियंत्रण कक्ष जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में स्थापित है, जिसका संपर्क नंबर 9455485475 है।

देश को एकता के धागे में पिरोने का कार्य सरदार पटेल ने किया : डॉ. मिथिलेश

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें नमन करते डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी।

अंबेडकरनगर। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जलालपुर विधानसभा के बूथ संख्या 52 ग्राम पंथीपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मंत्री पंकज वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष दीपचंद गुप्ता, ग्राम प्रधान अरुण उपाध्याय, बूथ अध्यक्ष विशाल त्रिपाठी, अभिषेक उपाध्याय उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस | **पुलिस लाइन से पटेल तिराहा तक रन फॉर यूनिटी का हुआ आयोजन**

राष्ट्रभाव से मनाई गई लौह पुरुष की जयंती

संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस लाइन से पटेल तिराहा तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश मंत्री भाजपा अर्चना मिश्रा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, परियोजना निदेशक अनिल सिंह, भाजपा प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, अध्यक्ष जिला पंचायत श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधू वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अकबरपुर चंद्र प्रकाश वर्मा तथा जिलाध्यक्ष भाजपा त्रयंबक तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। रनन फॉर यूनिटी में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस कर्मी तथा बड़ी संख्या में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति नारों के साथ सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का समापन पटेल तिराहे पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह की अध्यक्षता में तथा जनपद के समस्त प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी आयोजन कर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया।

रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में मौजूद भाजपा प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर। अमृत विचार

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 1 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

शालू यादव को मिली पीएचडी की उपाधि

शालू यादव

सुलतानपुर, अमृत विचार : शहर के पयागीपुर निवासी शत्रुघ्न यादव की पुत्री शालू यादव को राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उनके द्वारा केमिस्ट्री विषय में शोध किया गया। शालू की छोटी बहन वैशाली यादव आईईएस हैं तो माता रिटायर्ड सहायक विकास अधिकारी है। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया है।

गुंगवाछ कांड में सुनवाई 13 को

सुलतानपुर, अमृत विचार : अमेठी के गुंगवाछ कांड में शुक्रवार को सुनवाई हुई । कोर्ट ने शेष साक्ष्य की सुनवाई के लिए अगली तारीख 13 नवम्बर तय की है। 15 मार्च 2022 को अमेठी जिले के ग्राम पूरे राजापुर मौजा गुंगवाछ के पूर्व ग्राम प्रधान संकठा यादव, उनके पुत्र हनुमान उर्फ बजरंगी, अमरेश यादव व पत्नी नइका उर्फ पार्वती देवी की जमीन को लेकर चल रही रंजिश में हत्या कर दी गई थी। मामले में कार्रवाई चल रही है।

पटेल जयंती पर हुआ श्रद्धांजलि कार्यक्रम

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर, अमृत विचार : बल्दीराय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल जायसवाल ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में बद्रीनाथ यादव, पंकज शुक्ला समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने देश की एकता, अखंडता और भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया।

राम जन्म के मंचन में गूंजे जय श्रीराम के जयकारें

रामलीला में मंचन करते कलाकार।

सूरापुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : श्रीराम भक्त रामलीला समिति के तत्वावधान में विजेथुआ धाम में चल रही पारंपरिक रामलीला के दूसरे दिन राम जन्म, ताड़का-सुबाहु वध और अहिल्या उद्धार के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। राम जन्म पर पूरा पंडाल "जय श्रीराम" के जयघोष से गूंज उठा। मंचन में प्रांजल ने भगवान राम और कमल पांडेय ने रावण का सराहनीय अभिनय किया। कार्यक्रम में तूफानी पांडेय, उदय प्रताप सिंह, वीरू मिश्र व पुष्पकांत मोदनवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पानी में गिरी फॉर्च्यूनर, एक की मौत

पांच घायल, दो माह की बच्ची बची, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर नींद आने की वजह से हादसा

बल्दीराय, सुलतानपुर

दुर्घटनाग्रस्त फॉर्च्यूनर कार। ● अमृत विचार

अमृत विचारः पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। आजमगढ़ से छठ पूजा मनाकर लौट रहा परिवार उस समय हादसे का शिकार हो गया जब तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार चालक को नींद की झपकी आ गई। कार रेलिंग तोड़ते हुए करीब दस फीट नीचे पानी में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में कार में मौजूद दो माह की बच्ची चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गई।

जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ जनपद के जहानागंज थाना क्षेत्र के सराय खुर्द गांव निवासी शुभम यादव (25 वर्ष) अपने परिवार के साथ फॉर्च्यूनर कार से छठ पूजा मनाने के बाद लखनऊ लौट रहे थे। रात लगभग पौने दस बजे, जब वाहन माइलस्टोन 96.8 (चकटेरी गांव के पास) पहुंचा, तभी चालक शुभम को अचानक नींद आ गई और कार अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए एक्सप्रेसवे से नीचे पानी में जा गिरी।

दुर्घटना में चालक शुभम यादव पुत्र कैलाश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार गीता देवी (52 वर्ष), नीतू यादव (24 वर्ष), काजल यादव (16 वर्ष), रवि यादव (22 वर्ष) व विशाल यादव (26 वर्ष) निवासी सराय खुर्द, आजमगढ़ गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही बल्दीराय पुलिस व यूपीडा बचाव दल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी कूरेभार भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी नारदमुनि सिंह ने बताया कि मृतक व घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों ने मृतक शुभम यादव का पोस्टमार्टम न कराने का निर्णय लिया और शव को अपने साथ गांव ले गए।

एनसीसी कैडेट्स राष्ट्र निर्माण में निभा रहे भूमिकाः विधायक

सुलतानपुर, अमृत विचारः राणा प्रताप पीजी कॉलेज में चल रहे 18 यूपी बटालियन एनसीसी के दस दिवसीय वार्षिक कैंप सीएटी-75 में कैडेट्स ने देशभक्ति गीत, नृत्य व नाटक से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि विधायक विनोद सिंह ने कहा कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की दिशा देती है। इस दौरान बेस्ट फायरर आस्था, आदित्य राज गुप्ता, ईशा मिश्रा सहित कई कैडेट्स को मेडल देकर सम्मानित किया गया। डॉ. आलोक कुमार व डॉ. संतोष अंश को उत्कृष्ट योगदान पर सम्मान मिला। समारोह में 600 कैडेट्स मौजूद रहे।

लाइन में फाल्ट से 40 गांवों में 15 घंटे से बिजली गुल

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचारः भदैंया और लोलेपुर उपकेंद्रों की 33 हजार वोल्ट विद्युत लाइन में फाल्ट आने से गुरुवार को लगभग 40 गांवों की बिजली आपूर्ति 15 घंटे तक ठप रही। तेज बरसात के बीच आई इस खराबी ने ग्रामीणों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित कर दी।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार भोर करीब तीन बजे अचानक हुई तेज बरसात के दौरान लोलेपुर और भदैंया उपकेंद्रों को जाने वाली 33 हजार वोल्ट की मुख्य लाइन में फाल्ट आ गया। इस कारण भदैंया उपकेंद्र से जुड़ी लाइन पूरे दिन बाधित रही, जबकि लोलेपुर उपकेंद्र की सप्लाई दोपहर 12 बजे तक बहाल कर दी गई। हालांकि, भदैंया उपकेंद्र से जुड़े गांवों में शाम पांच बजे तक भी बिजली बहाल नहीं हो सकी। बताया गया कि भदैंया विकास खंड के कुल 71 पंचायतों के लगभग 200 गांवों को लोलेपुर, भदैंया, दरियापुर, पकड़ी और शिवगढ़ उपकेंद्रों से बिजली आपूर्ति की जाती है। फाल्ट के कारण उपभोक्ताओं को भारी असुविधा झेलनी पड़ी। बिजली न होने और लगातार बारिश से लोगों के मोबाइल डिस्चार्ज हो गए और घरों की पानी की टंकियां खाली हो गईं। ग्रामीण प्रताप नारायण, अजय कुमार, अरविंद और हरिशंकर सहित कई उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग और ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

गलत बिल वसूली मामले में डॉक्टर को मिली राहत

● स्थायी लोक अदालत ने नौ लाख से अधिक की आरसी की वसूली को किया निरस्त

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः स्थायी लोक अदालत ने डॉ. शैलेन्द्र त्रिपाठी द्वारा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के विरुद्ध दायर याचिका को स्वीकार करते हुए बड़ी राहत दी है। अदालत ने डॉ. त्रिपाठी के विरुद्ध जारी रुपए 9,07,813 की वसूली नोटिस को निरस्त करते हुए संबंधित आरसी (वसूली प्रमाणपत्र) को जिलाधिकारी सुलतानपुर को वापस करने का आदेश दिया है। याची का कहना था कि उसने अपने विद्युत कनेक्शन के बिल का नियमित भुगतान किया है, इसके बावजूद विभाग ने मनमाने ढंग से झूठा व फर्जी बिल बनाकर जबरन वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी।

सुनवाई के बाद स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राधेश्याम यादव सदस्य मृदुला राय और रमेश चंद्र यादव ने सर्वसम्मति से आदेश पारित करते हुए वसूली नोटिस को अवैध करार दिया और उसे समाप्त करने के निर्देश दिए।

जेल में निरुद्ध आरोपी को मिली राहत

जानलेवा हमले समेत अन्य गंभीर आरोप में जेल में निरुद्ध कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के ओदरा निवासी आरोपित मो. टीटू उर्फ जुबैर उर्फ जुबैर अहमद को एडीजे संतोष कुमार ने राहत देते हुए जमानत मंजूर कर ली है। वादी इबरार अहमद से पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों पर कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में बीती 6 जुलाई की घटना में आरोपी मोहम्मद टीटू उर्फ जुबैर आदि के विरूद्ध केस दर्ज कराया था। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष व बचाव पक्ष के वकील इमरान हुसैन की दलीलों की सुनने के बाद आरोपी की जमानत मंजूर कर ली है।

शादी का झांसा देकर शोषण व गर्भपात के मामले में जमानत अर्जी खारिज

विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट संध्या चौधरी की अदालत ने गंभीर आरोपों में निरुद्ध आरोपी वरूण सिंह की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। एडीजीसी सुशील उपाध्याय के मुताबिक आरोपी पर आरोप था कि उसने पीड़िता को शादी का झांसा देकर कई वर्षों तक शारीरिक शोषण किया, जिससे एक बच्चा भी पैदा हुआ। बाद में जब पीड़िता ने विवाह का दबाव बनाया तो आरोपी ने उसके गर्भ में पल रहे बच्चे का जबरन गर्भपात करा दिया और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए जान से मारने की धमकी दी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध कुल छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। अदालत ने अपराध को गंभीर मानते हुए आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इंकार कर दिया।

संग्रह अमीन हत्याकांड में इंस्पेक्टर की गवाही दर्ज

अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली के भद्दौर गांव के रहने वाले संग्रह अमीन सुरेश यादव व उनके भतीजे बृजेश यादव की 27 फरवरी 2023 को गोली मारकर हत्या के मामले में शुक्रवार को साक्ष्य के लिए तलब किए गए इंस्पेक्टर अमर सिंह की गवाही दर्ज की गई। एडीजीसी पवन दूबे ने बताया कोर्ट ने जिरह के लिए अगली नियत तारीख 6 नवम्बर पर इंस्पेक्टर को तलब किया है।

सीबीसीआईडी अभियोजन अधिकारी हत्याकांड में पूर्व डीआईजी नहीं हुए हाजिर

● अब 10 नवम्बर को होगी सुनवाई

संवाददाता, सुलतानपुर : कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के नकराही गांव में 38 वर्ष पूर्व सीबीसीआईडी के अभियोजन अधिकारी सुरेश चन्द्र अग्निहोत्री की हत्या के मामले में तलब किए गए सेवानिवृत्त डीआईजी सुशील कुमार सिंह शुक्रवार को गवाही देने कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। इस पर न्यायाधीश संतोष कुमार ने सुनवाई की अगली तारीख 10 नवम्बर निर्धारित की है। एडीजीसी पवन दूबे के मुताबिक, शाहजहांपुर के कस्बा जलालाबाद निवासी सुरेश चन्द्र अग्निहोत्री लखनऊ में रहते थे। 28 फरवरी 1987 को वे गोसाईगंज थाना क्षेत्र में दर्ज 134 किलो अफीम के मुकदमे की पैरवी के लिए सीजेएम सुलतानपुर की अदालत आए थे। पैरवी में देरी होने पर वे गोसाईगंज थाने में रुक गए, जहां उनकी हत्या कर शव को नकराही गांव के एक कुएं में फेंक दिया गया था। मामले में तत्कालीन ग्राम प्रधान इसरार अहमद की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने बाराबंकी जिले के हाफीज, गुलाम मुस्तफा उर्फ मिज्जन, संतलाल जायसवाल तथा उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। आरोपी संतराम की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो चुकी है। 38 वर्षों से लंबित इस मामले में गवाही न हो पाने के कारण न्यायालय ने रिटायर्ड डीआईजी की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को पत्र जारी किया था।

एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह के केस में बहस 7 को

संवाददाता, सुलतानपुर : एमपी/एमएलए की विशेष अदालत में आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में आरोपी एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह समेत तीन आरोपियों के केस में शुक्रवार को कोर्ट ने बहस के लिए 7 नवम्बर की तारीख नियत की है। अभियोजन के मुताबिक मामला 11 मई 2019 का है, जब चुनाव उड़नदस्ता प्रभारी गजेंद्र कुमार सिंह ने कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि शैलेंद्र प्रताप सिंह ने उतुरी स्थित एक शिक्षण संस्थान के सामने 50 से अधिक लोगों को भोजन कराया, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। इस मामले में उनके समर्थक जय प्रकाश और अजय सिंह को भी आरोपी बनाया गया है।

डॉक्टर हत्याकांड में नहीं दर्ज हो सके आरोपियों के बयान

संविदा चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में शुक्रवार को आरोपी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह अदालत में पेश नहीं हुए, जिससे उनके बयान दर्ज नहीं हो सके। अदालत ने अगली सुनवाई 10 नवम्बर तय की है। बचाव पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया एडीजे प्रथम संतोष कुमार की अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में आरोपी अजय नारायण सिंह के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही पर दो सप्ताह की रोक लगाई है और जारी वारंट को बिना तामील वापस करने का निर्देश दिया है।

डॉक्टर बोलेः मुझे तुम्हारा प्यार चाहिए

● डॉक्टर का महिला स्वास्थ्यकर्मी से आपत्तिजनक ऑडियो वायरल

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः सीनियर डॉक्टर अनिल कुमार का महिला स्वास्थ्यकर्मी (नर्स) से बातचीत का आपत्तिजनक ऑडियो वायरल होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। ऑडियो में डॉक्टर महिला से दोस्ती का प्रस्ताव देते हुए कह रहे हैं "मुझे तुम्हारा प्यार चाहिए, तुम्हारी पूरी केयर करूंगा, किसी को पता नहीं चलेगा।" यह ऑडियो उस समय का बताया जा रहा है जब डॉ अनिल कुमार लंभुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अधीक्षक के रूप में तैनात थे। फिलहाल उनका तबादला कादीपुर सीएचसी में कर दिया गया है। वायरल आडियो की पुष्टि 'अमृत विचार' नहीं करता है।

हालांकि, ऑडियो किस तारीख का है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। डॉक्टर ने यहां तक कह दिया कि "तुम नहीं तो अपनी किसी सहेली से दोस्ती करा दो"। हमारा आपसे जो संबंध रहेगा, गोपनीय रहेगा। जबकि महिला स्वथकर्मी साफ साफ कह रही है कि नहीं सर इसके लिए माफ करिए, कोई सजा दे दीजिए। लेकिन मैं ये सब नहीं कर पाऊंगी। तो डॉक्टर ने कहा कि तुम्हारी जैसी कोई सहेली हो उसी से दोस्ती करवा दो जो पैसा लगेगा दे दूंगा। फिर भी महिला स्टाफ लगातार विरोध करती रही, लेकिन डॉक्टर बार-बार दबाव बनाते हुए कहते है कि "कमरा बाहर दिला देंगे, किराया कुछ नहीं देना। बस थोड़ा सहयोग करो।"

स्वास्थ्यकर्मी ने शिकायत दर्ज कराई है। जांच टीम गठित की गई है, जो दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।- डॉ. भारत भूषण, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुलतानपुर

लापरवाही के आरोप में हटाए गए थे डॉ. अनिल

14 अक्टूबर को लंभुआ सीएचसी में एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया था। उस समय डॉ अनिल कुमार अधीक्षक थे और घटना के बाद वे मौके पर नहीं पहुंचे थे। लापरवाही के चलते सीएमओ ने उन्हें कादीपुर सीएचसी स्थानांतरित कर दिया था।

एमजीएस कॉलेज में 53वीं जनपद स्तरीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन

सुलतानपुर, अमृत विचार : एमजीएस इंटर कॉलेज में 53वीं जनपद स्तरीय वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह ने किया। 11 विद्यालयों के छात्रों ने "विकसित व आत्मनिर्भर भारत के स्टेम" विषय पर अपने मॉडल प्रस्तुत किए। विभिन्न विषयों में प्रतीक्षा मिश्रा, यशवर्धन सिंह, अनिता व कृतिका निषाद, हर्ष शर्मा, नचिकेता, सुकृति विवेक आदि का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। अध्यापक वर्ग से डॉ. अमरीश सिंह व साथियों ने टीएलएम मॉडल प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल में राणा प्रताप कॉलेज के डॉ. शिशिर श्रीवास्तव, डॉ. जितेंद्र यादव सहित कई शिक्षाविद रहे। समापन पर प्रबंधक डॉ. विनोद कुमार सिंह व प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

रूठे मौसम ने तोड़ी किसानों की उम्मीद

● बरसात के कहर ने बर्बाद कर दी धान की फसल

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर, अमृत विचार : असमान से बरसी आफ़त ने किसानों की कमर तोड़ दी है। पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने खेतों में खड़ी धान की फसल बर्बाद कर दी है। चंदौर, खारा, बरासिन, देहली बाजार, ऐंजर समेत पूरे इलाके में धान की फसल पानी में बिछ गई है। कहीं खेतों में फसल पूरी तरह लुट चुकी है तो कहीं कटाई के बाद सुखाने को रखे ढेर पानी में डूबकर सड़ने लगे हैं। मड़ाई के लिए तैयार बोझ भीगकर बदबू देने लगे। मानों किसानों की मेहनत की लहलहाती फसल अब मिट्टी में मिलने को तैयार हो। मठा गांव के किसान राम अवध यादव ने ने आह भरते हुए कहा "सारी पूंजी इसी फसल में लगा दी थी... अब सब मिट्टी हो रहा है। धूप नहीं निकली तो धान बर्बाद समझो।" बरासिन निवासी नीरज और सरोज ने बताया कि यदि मौसम ऐसे ही रहा तो दाना काला पड़ जाएगा, दाम गिर जाएंगे और सालभर की पसीने की कमाई चली जाएगी। सफलेपुर निवासी बुजुर्ग किसान रामबक्श विश्वकर्मा ने बताया कि "खेत में मेहनत पनपती है और एक बारिश सबकुछ लूट ले गई, अब हाथ खाली हैं।"

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं कृष्ण कुमार पुत्र शिव भवन निवासी ग्राम/पोस्ट, दुधवन थाना सरेनी, तहसील लालगंज, जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं। मेरे अंकतालिका में नाम कृष्ण अंकित है। जबकि समस्त अभिलेखों में कृष्ण कुमार अंकित है. जो सत्य और सही है। कृष्ण कुमार और कृष्ण दोनो नाम एक ही व्यक्ति के हैं

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MOHAMMAD ZAID था जिसे बदलकर मैने MOHAMMAD JAID कर लिया है दोनो नाम एक ही व्यक्ति के हैं अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायें। पता– हसनगंज नीम टीकर बछरावां जिला रायबरेली, मो. 9793241420

सूचना

पहले मेरा नाम BHAGYA SHREE था से बदलकर BHAGYA SHREE BHADAURIA रख लिया है। अब इसी मुझे BHAGYA SHREE BHADAURIA के नाम से जाना व पहचाना जाये। D/0-RAVI RANJAN SINGH BHADAURIA ADD-B-116 INDIRA NAGAR PS-GHAZIPUR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P.)

सूचना

मैं जय सिंह पुत्र बलदेव प्रसाद निवासी ग्राम बसेन हास बरौली थाना बेनीगंज तहसील व जिला हरदोई का हूँ ,मेरे शैक्षिक व अन्य अभिलेख वास्तव में कही गिरकर खो गये है।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाई स्कूल का अंक प्रमाण पत्र वर्ष 2013 रोल नंबर 2828 558 है राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय विश्वंभरपुर धानेपुर गोंडा का वास्तव में खो गया है। जिसकी द्वितीय प्रति लेनी है। उषा गौतम पुत्री कामता प्रसाद निवासी ग्राम बुढ़वलिया थाना करनैलगंज जिला गोंडा

सूचना

मैं इसरार अहमद खान पुत्र मो0 निसार अहमद खान निवासी म0नं0 5921/264 स्थीन्द्र नगर, तेलीबाग, लखनऊ, उ0प्र0 (226029) मेरे पुत्र का नाम मो0 अयाज़ खान है, जिसकी जन्म तिथि 11.10.2015 है। मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम हनी खान त्रुटिवश अकित हो गया है, जबकि आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम मो0 अयाज खान है, जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों में पुत्र का नाम नाम मो0 अयाज खान अंकित किया जाय।

सूचना

मैने अपने पुत्र सौरभ, उसकी पत्नी प्रांशी से उसके गलत क्रिया कलापों के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए लेनदेन व गलत कार्यो का मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना–देना नहीं होगा। दोनों लड़ते झगड़ते, आपस में मारपीट भी करते हैं। श्रीमती कस्तूरी पत्नी श्याम सिंह, निवासी गंगारामपुर, थाना/कस्बा मल्लावां, जिला हरदोई

सूचना

मैं आरती यादव पुत्री भोलानाथ यादव, निवासी– पूरे पितई हाजीपुर परसदेपुर जिला रायबरेली पिन कोड 229129 उ0प्र0, मेरा हाई स्कूल जिसका रोल नं 1841634 व प्रमाण पत्र सं 055599 वर्ष 2018 तथा इन्टरमीडिएट रोल नं 1337406 व प्रमाण पत्र 54028983 परीक्षा वर्ष 2020 में उर्त्तीण किया है जिसका अंक पत्र/ प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है।

सूचना

मैं इसरार अहमद खान पुत्र मो0 निसार अहमद खान निवासी म0नं0 5921/264 स्थीन्द्र नगर, तेलीबाग, लखनऊ, उ0प्र0 (226029) मेरे पुत्र का नाम मो0 अयाज़ खान है, जिसकी जन्म तिथि 11.10.2015 है। मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम हनी खान त्रुटिवश अकित हो गया है, जबकि आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम मो0 अयाज खान है, जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों में पुत्र का नाम नाम मो0 अयाज खान अंकित किया जाय।

हाईकोर्ट ने डीएम व नगरपालिका से पूछा मूर्ति हटाने की क्या प्रक्रिया

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सुल्तानपुर जनपद में एक कथित सरकारी जमीन पर पूर्व विधायक इन्द्रभद्र सिंह की मूर्ति स्थापित होने के मामले में जिलाधिकारी व नगर पालिका सुल्तानपुर से पूछा है कि सरकारी जमीन पर अवैध रूप से लगी मूर्तियों को हटाने की क्या प्रक्रिया है। मामले की अगली सुनवायी 25 नवंबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने 'सार्वजनिक भूमि पर मूर्ति आदि की स्थापना और उन्हें हटाना' शीर्षक से दर्ज स्वत: संज्ञान याचिका पर दिया है। मामले में जनहित याचिका दाखिल कर उक्त मूर्ति को हटाने की मांग की गई थी। हालांकि कोर्ट ने मामले के याची को सुनवायी से अलग करते हुए, याचिका को स्वत: संज्ञान के तौर पर दर्ज करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी व जिलाधिकारी, सुल्तानपुर से पूछा था कि क्या उक्त प्रतिमा सरकारी जमीन पर लगी है, यदि हां तो क्या सरकारी जमीन पर ऐसी प्रतिमाएं लगायी जा सकती हैं, यदि नहीं तो उसे हटाने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी जानी है। आदेश के अनुपालन में जिलाधिकारी ने जवाब देते हुए, स्वीकार किया कि दो ऐसी मूर्तियाँ हैं जो पीडब्ल्यूडी की जमीन/सड़क पर नगर पालिका द्वारा लगवा दी गई हैं। हालांकि उन्होंने इन्हें हटाने के सम्बंध में कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया, इस पर कोर्ट ने जिलाधिकारी को पूरक शपथ पत्र दाखिल करने का आदेश दिया है। वहीं नगर पालिका से पूछा है कि जिलाधिकारी द्वारा बतायी गई उक्त दो मूर्तियाँ उन्होंने सरकारी जमीन पर कैसे लगा दी और अब उन्हें हटाने के लिए वह क्या करेगी।

37.63 करोड़ से गोमती पर बनेगा दो लेन का पुल

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

भूमि पूजन करते विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष व नगरपालिका चेयरमैन।

● विधायक विनोद सिंह ने भाजपा जिलाध्यक्ष व चेयरमैन के साथ किया भूमि पूजन

अमृत विचारः आधुनिक भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर जनपद सुलतानपुर को एक बड़ा विकास उपहार मिला है। इस खास दिन गोमती नदी के गोलाघाट पर बनने वाले दो लेन पुल का भूमि पूजन व शिलान्यास धूमधाम से किया गया।

कार्यक्रम में सुलतानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी व नगर पालिका परिषद के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल के साथ फीता काटकर व शिलापट का अनावरण करते हुए निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। बताया गया कि इस पुल के निर्माण पर लगभग 37.63 करोड़ (3763.10 लाख) रुपये की लागत आएगी। विधायक विनोद सिंह ने कहा कि "सरदार पटेल ने जैसे भारत को एकता के सूत्र में पिरोया था, वैसे ही यह पुल सुलतानपुर के विकास को जोड़ने वाला सेतु बनेगा। यह केवल सड़क नहीं, बल्कि नए सुलतानपुर की मजबूत नींव है।" उन्होंने बताया कि पुल के बनने से अयोध्या, प्रयागराज और लखनऊ जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। शहर से सीधी कनेक्टिविटी होने से व्यापार, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं में नई संभावनाएं खुलेंगी।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा निषाद, सभासद रमेश सिंह टिन्नू, प्रवीण मिश्र, दिनेश चौरसिया, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. आरए वर्मा, कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन, उपाध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर अध्यक्ष रीना जायसवाल, भाजपा नेता डॉ. डीएस मिश्रा, कूरेभार ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नवनीत सिंह सोनू, मोतिगरपुर ब्लॉक प्रमुख चंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, विभागीय अधिकारी व आमजन मौजूद रहे।

सरदार पटेल जयंती | भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्दन नारायण सिंह के संयोजन में जिले में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन

सरदार की याद में दौड़े धावक, दिया एकता का संदेश

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले के स्टेडियम के निकट बारात घर से शहर में होते हुए खिलाड़ियों ने 5 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ लगाई, जिसमें जिले भर के धावकों ने भाग लिया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी के अध्यक्षता में एवं युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष चंदन नारायण सिंह के संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष संवर्ग में 203 एवं महिला संवर्ग में 106 धावकों ने प्रतिभा किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मंत्री शंकर गिरी व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह , विधायक विनोद सिंह ,विधायक राजेश गौतम ,विधायक सीता राम वर्मा ,विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ,चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल सेत अन्य ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ प्रतियोगिता शुरू कराई। सरदार जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के उपरांत इस रेस में शहर भर में होते हुए खिलाड़ियों ने दौड़ लगाकर एकता का संदेश दिया। इसके साथ ही जिले के सभी भाजपा पदाधिकारियों व विधायकों की मौजूदगी में पैदल मार्च भी निकल गया, जिसमें जनपद के जिलाधिकारी कुमार हर्ष, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम ने भी भाग लिया। कई प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इसमें कई विद्यालयों के बच्चों ने भी प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता को कराने में ईओ नगर पालिक लाल चंद्र सरोज, क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर, महेश यादव, मुनेन्द्र मिश्रा, विजय यादव, राजेश कनौजिया व प्रशासनिक अधिकारियों ने अहम योगदान दिया।

क्रास कंट्री रेस के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत। ● अमृत विचार

सबसे तेज दौड़े इंदर चौधरी व माधुरी यादव

क्रास कंट्री रेस में इंदर चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुलदीप यादव ने दूसरा व अंकित पाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंतिम 10 स्थान तक खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें सतीश, सुभाष यादव, प्रदीप कुमार, उमेश प्रजापति, शिवम, धर्मेंद्र प्रजापति, सूरजपाल, अर्पित जायसवाल रहे। वहीं, महिला वर्ग में माधुरी यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंतशा बानो द्वितीय व अंजलि यादव तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा 10 स्थान तक आने वाले प्रतिभागियों में शिवानी प्रजापति, प्रियांशी यादव, प्रिया शुक्ला, काजल निषाद, शारदा विश्वकर्मा, शाजिया बानो, खुशी रही। खिलाड़ियों को प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान तक आने वाले विजेता को कैश मनी पुरस्कार राशि प्रदान की गई। निर्णायक मंडल में अवधेश मिश्रा, हीरालाल यादव, विपिन पाल, कृपा शंकर, अल्तमश, अनिल शर्मा, जगन्नाथ वर्मा, सकलेन, कुलदीप यादव, कृपा शंकर यादव, नूरैन आलम, अंकित कुमार, अर्जुन यादव सहित स्टेडियम के कोच उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामेंद्र सिंह राणा, विकास वर्मा, प्रीती प्रकाश सिंह, विजय त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, घनश्याम चौहान, धर्मेंद्र बबलू, आनंद द्विवेदी, जय भारत वर्मा, नगर अध्यक्ष रीना जायसवाल, अनुपम शुक्ला, मनीषा पांडेय, रेनु सिंह, मोहित सिंह, शौर्य वर्धन सिंह, अंश द्विवेदी, अंकुर तिवारी आदि मौजूद रहे।

आयुक्त आवास के बगल स्थापित होगी सरदार पटेल की प्रतिमा

राष्ट्रीय एकता दिवस पर लौह पुरुष को किया गया नमन, जिले भर में आयोजित हुए कार्यक्रम, ली गई एकता की शपथ

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयुक्त, डीएम समेत सभी अधिकारियों व ग्रामीण क्षेत्रों में रन फार यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी देश की एकता की शपथ ली। इसके साथ ही आयुक्त आवास के बगल रिक्त भूमि पर सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा की स्थापना के लिए शिलान्यास किया गया।

आयुक्त कार्यालय में शुक्रवार को एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने की। वहीं शहर में डीएम की अगुवाई में रन फार यूनिटी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र व सदर विधायक शामिल हुए। दोपहर बाद टाउन हाल में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने विचार रखे। गोष्ठी के पश्चात आयुक्त आवास के बगल सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित करने के लिए शिलान्यास किया गया। इस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कमलेश मिश्र, गौरा विधायक प्रभात वर्मा, तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय, डीएम प्रियंका निरंजन, भाजपा जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी, भाजयूमो जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता, सूर्य नरायन तिवारी समेत तमाम नेता शामिल हुए। आयुक्त ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन त्याग, सेवा और राष्ट्र समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने 562 रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत का निर्माण किया। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है, ताकि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता अक्षुण्ण बनी रहे।

सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित करने के लिए शिलान्यास करते भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र, विधायक प्रभात वर्मा, विधायक प्रेम नरायन तथा डीएम प्रियंका निरंजन। अमृत विचार

कार्यक्रम को संबोधित करतीं डीएम। अमृत विचार

रन फार यूनिटी कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे। अमृत विचार

पुलिस कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि, लगाई 5 किमी दौड़

नवाबगंज। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती शुक्रवार को क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। थाना परिसर में थाना अध्यक्ष अभय सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कर्मियों ने सरदार पटेल के चित्र पर फूलमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पुलिस कर्मियों ने 'रन फॉर यूनिटी' के तहत हाथ में तिरंगा लेकर 5 किलोमीटर दौड़ लगाई और भारत माता की जय, वंदे मातरम् के नारे लगाए। इसके बाद वरिष्ठ उपनिरीक्षक विश्वास चतुर्वेदी, उपनिरीक्षक विभव सिंह, दूधनाथ चतुर्वेदी, अशोक जायसवाल, पंकज ने एकता रैली निकाली।

रन फार यूनिटी कार्यक्रम में भाग लेते पुलिस कर्मी। अमृत विचार

करनैलगंज में धूमधाम से मनाई गई सरदार पटेल की जयंती

करनैलगंज : सरयू डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉ. आरबी सिंह, कन्हैया लाल इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य मेजर राजाराम, कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अधीक्षक डॉ. सौम्या श्रीवास्तव, तथा तहसील सभागार में एसडीएम नेहा मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। तहसील सभागार में आयोजित बौद्धिक गोष्ठी में एसडीएम नेहा मिश्रा ने कहा कि सरदार पटेल ने राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत का सपना साकार किया।

न्यूज ब्रीफ

पंचायत सहायकों को मिले मोबाइल

रुपईडीह : डीपीआरओ के आदेश पर ब्लॉक के क्लस्टर क्षेत्र देवतहा व शिवगगढ़ को मिलाकर नौ ग्राम पंचायतों के पंचायत सहायकों को राज्य वित्त आयोग के तहत ऑनलाइन विभागीय कार्यों के लिए मोबाइल उपलब्ध करा दिए गए हैं। पंचायत सचिव रमेश कुमार मिश्र ने बताया कि ग्राम पंचायतों के पंचायत सहायकों को अब तक फार्मर रजिस्ट्री, क्रॉप सर्वे, वन फैमिली वन आईडी आदि विभागीय कार्यों को ऑनलाइन किए जाने के लिए मोबाइल नहीं उपलब्ध कराया गया था। ऐसी स्थिति में सभी पंचायत सहायकों को विभागीय कार्यों को ऑनलाइन करने के लिए दिक्कत उठानी पड़ रही थी। डीपीआरओ के निर्देश से सभी ग्राम पंचायत के पंचायत सहायकों को मोबाइल वितरित कर दिया गया है।

67 ग्राम पंचायतों का सोशल आडिट पूरा

रुपईडीह, अमृत विचार : मनरेगा के तहत ब्लॉक की 67 ग्राम पंचायत की सोशल ऑडिट का कार्य अब तक किया जा चुका है। मनरेगा के ब्लॉक समन्वयक राकेश गौतम ने बताया कि ग्राम पंचायतों का सोशल ऑडिट किए जाने के लिए पांच सोशल आडिट टीम गठित की गई हैं। उन्होंने बताया कि इन टीमों द्वारा अब तक 106 ग्राम पंचायतों में से 67 ग्राम पंचायत के सोशल ऑडिट का कार्य पूरा कर लिया गया है। अन्य 39 ग्राम पंचायतों में आगामी 11 नवंबर तक सोशल ऑडिट का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

निर्माण श्रमिक 15 तक करा सकेंगे नवीनीकरण

गोंडा : निर्माण श्रमिकों के हित में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के नवीनीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब श्रमिक 15 नवम्बर 2025 तक अपना पंजीकरण नवीनीकरण करा सकेंगे। प्रदेश में पंजीकृत लगभग 42 लाख से अधिक निर्माण श्रमिक ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले 4 वर्ष या उससे अधिक अवधि से अपना नवीनीकरण नहीं कराया है। पहले यह अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2025 निर्धारित थी, परंतु श्रमिकों की संख्या अधिक होने और तकनीकी कारणों से कई श्रमिकों के नवीनीकरण न हो पाने के चलते एक माह बढ़ा दी गई है।

रचनाकार नारद को मिली वाचस्पति मानद उपाधि

मनकापुर : क्षेत्र के चनाकार रामकुमार नारद को बिहार प्रांत की विख्यात विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ की ओर से मानद उपाधि विद्यावाचस्पति से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ. रामजन्म मिश्र द्वारा प्रदान किया गया। रामकुमार नारद को यह सम्मान उनकी सुदीर्घ हिंदी सेवा, सारस्वत साधना और कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विद्यापीठ की अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर प्रदान किया गया। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी नारद को काशी विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। शुभचिंतकों में पंडित राम हौसिला शर्मा, ईश्वर चंद्र मेंहदावली, धीरज श्रीवास्तव, सुधांश भूषण वर्मा आदि ने खुशी व्यक्त की है।

कथा में धनुष यज्ञ प्रसंग सुन भाव विभोर हुए भक्त

गोंडा : श्री मेहंदीपुर बालाजी परिवार द्वारा अष्टम श्री बालाजी महोत्सव में आयोजित दिव्या संगीत में श्री राम कथा का आयोजन श्री नूरामल मंदिर प्रांगण स्टेशन रोड पर हो रहा है। श्री राम कथा के छठे दिन दिव्य संगीतमय हनुमंत पूजन वैदिक मंत्र उच्चारण से बाला जी से विशेष प्रार्थना और चावल से अर्चन कराया गया। कथा में धनुष यज्ञ की लीला का वर्णन हुआ। कार्यक्रम में शिवा पंडित, राघव पंडित ग्रुप द्वारा साथ सज्जा एवं भजनों पर रहे। कथा में श्री मेहंदीपुर बालाजी धाम से आए हुए गुरुवर अरविंद शर्मा जी भी कथा स्थल पर मौजूद रहे।

आज से 99 क्रय केंद्रों पर धान खरीद की तैयारी

गोंडा, अमृत विचार : किसानों से धान खरीद की तैयारी जोरों पर है। एक नवंबर से धान खरीद की शुरुआत होगी। पहली बार धान खरीद प्रक्रिया में आइरिस स्कैन यानि नेत्र पहचान व्यवस्था की शुरुआत होगी। यह व्यवस्था शासन की ओर से इसलिए लागू की गई है ताकि खरीद प्रक्रिया में बिचौलियों की भूमिका खत्म हो सके और किसानों को ही लाभ मिले।

किसान धान बेचने के लिए विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराते हैं। उसके बाद लेखपाल के माध्यम से सत्यापन कराया जाता है। जिले में 99 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। इन क्रय केंद्रों पर धान खरीद को लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इस बार एक लाख 18 हजार मीट्रिक टन धान खरीद लक्ष्य हैं। किसानों को धान बेचने के लिए किसी तरह से परेशानी न हो और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और बिचौलियों की दखल पूरी तरह से समाप्त हो सके। धान खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीकी व्यवस्था को और मजबूत किया है। पहले की व्यवस्था में कई बार बिचौलिए या फर्जी किसानों के नाम से धान की बिक्री कर देते थे, जिससे असली किसानों को नुकसान उठाना पड़ता था। लेकिन अब आइरिस स्कैनिंग से किसान की पहचान सीधे आधार डाटा से मिलान कर ली जाएगी। इससे यह एक सुनिश्चित होगा कि धान बेचने वाला व्यक्ति वास्तव में किसान ही है, न कि कोई दलाल या व्यापारी। धान खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ-साथ सरकार किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति कुंतल का पूरा लाभ दिलाने के लिए भी प्रयासरत है। इस बार विगत वर्ष से धान बेचने वाले किसानों को 69 रुपये प्रति कुंतल अधिक मिलेगा।

नवीन गल्ला मंडी में स्थापित क्रय केंद्र। अमृत विचार

> पहली बार आइरिस स्कैन से धान खरीद की जाएगी, इससे वास्तविक किसानों को एमएसपी बढ़ने का लाभ मिलेगा। नई व्यवस्था से जहां खरीद प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी, वहीं किसानों को उनका हक सीधे मिलेगा।
>
> **-एनके पाठक,** डिप्टी आरएमओ

411 किसानों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया

411 किसानों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, जिससे धान खरीद केंद्रों पर गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं। किसानों का कहना है कि सरकारी खरीद में भुगतान को लेकर अनिश्चितता रहती है, जबकि खुले बाजार में नगद भुगतान तुरंत मिल जाता है।

फायरिंग कर घायल करने का आरोप, दी तहरीर

गोंडा, अमृत विचार: बेटे को गोली मारने का आरोप लगाते हुए पिता ने नगर कोतवाली में तहरीर दी है। घायल को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां हालत गंभीर बताई जा रही है। नगर कोतवाली अंतर्गत लक्ष्मणपुर हरिवंश के मजरे असनहिया के रहने वाले विष्णु प्रताप की ओर से नगर कोतवाली में तहरीर लेकर आरोप लगाया गया है कि उनका बेटा करन बीती बीती रात अपने घर पर लेटा हुआ था। घर का गेट खोला हुआ था। मनकापुर बस अड्डे के समीप रहने वाले अरमान अपने साथियों के साथ आए और फायर कर दिया जिसकी आवाज सुनकर लोग दौड़े तब तक वह भाग गए। जब लोगों ने देखा कि करन के सर से खून बह रहा है तो उसको लेकर अस्पताल पहुंचे। घायल किशोर के पिता का आरोप है कि अरमान से उनकी पुरानी रंजिश चल रही है जिसको लेकर कई बार धमकी भी मिल चुकी थी। पुराने मामले में पेशी भी थी। पेशी के दौरान भी अरमान ने हमले की साजिश रची थी लेकिन वह सफल नहीं हो सका था। नगर कोतवाल ने बताया है कि मामले की जांच कराई जा रही है। अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

वित्तीय अनियमितता में संलिप्त बीएमएम की सेवा समाप्त

गोण्डा : राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद गोंडा के विकासखंड रूपईडीह में आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत ब्लॉक मिशन प्रबंधक कुलदीप को अनुशासनहीनता तथा वित्तीय अनियमितताओं में संलिप्त पाए जाने पर सेवा से पृथक कर दिया गया है।

ग्रामीण आजीविका मिशन का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना, महिला स्व-सहायता समूहों को सशक्त करना तथा गरीबी उन्मूलन की दिशा में पारदर्शी एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करना है। मिशन की "जीरो टॉलरेंस नीति" के अंतर्गत किसी भी प्रकार की, अनुशासनहीनता या वित्तीय अनियमितता को कदापि स्वीकार नहीं किया जाता। जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट में पाया गया कि श्री तिवारी द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरती गई। उन्होंने कार्य निष्पादन में पारदर्शिता नहीं रखी, वित्तीय अभिलेखों में अनियमितताएं कीं तथा मिशन गतिविधियों के संचालन में अपेक्षित उत्तरदायित्व का पालन नहीं किया। उनके आचरण को मिशन की आचार संहिता एवं नीतियों के प्रतिकूल पाया गया। रिपोर्ट के आधार पर उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार श्री कुलदीप तिवारी की सेवाएँ तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई हैं।

वेतन भुगतान में देरी पर भड़के शिक्षक, सौंपा ज्ञापन

आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करते शिक्षक संघर्ष समिति के पदाधिकारी। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के वेतन भुगतान में हर माह होने वाली देरी को लेकर शिक्षक संघर्ष समिति ने आक्रोश व्यक्त किया है। शुक्रवार को संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने डीएम व आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया और वेतन भुगतान में होने वाली देरी के लिए पटल सहायकों को दोषी ठहराया। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने स्कूली शिक्षा महानिदेशक को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा और समस्या समाधान की मांग की।

शिक्षक संघर्ष समिति का कहना है कि विभाग में पिछले 10-15 सालों से पटल सहायकों के स्थानांतरण न होने से लगातार मनमानी व्यवस्था चल रही है। जिसके कारण हर महीने जिले के हजारों शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों का वेतन भुगतान, एरियर, बोनस इत्यादि में लेटलतीफी होती है। ऑनलाइन प्रक्रिया होने के बावजूद भी हर महीने लेटलतीफी होना मानव सम्पदा पोर्टल एवं ऑनलाइन प्रक्रिया पर सवालिया निशान है। आरोप है कि मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश के बावजूद जिले में परिषदीय शिक्षकों को दिवाली पर बोनस का भुगतान नहीं किया गया। जिले में स्थाई वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक के न होने के कारण पटल सहायकों के कार्यों में मनमानी व्यवस्था और बढ़ गयी है और कार्यालय में रोजाना ताला बंद रहता है।

अग्नि आपदा प्रबंधन के बताए तरीके

गोंडा : राहत आयुक्त की तरफ से प्रायोजित तीन दिवसीय अग्नि आपदा प्रबंधन का आवासीय प्रशिक्षण शुक्रवार को समाप्त हो गया। जिला प्रशिक्षण अधिकारी अभिषेक मणि त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिला ग्राम्य विकास संस्थान सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रीम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अध्यापक, लेखपाल व स्वास्थ्य सखियों को अग्नि आपदा प्रबंधन के तरीके बताए गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने अग्नि आपदा के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। शुक्रवार को लखनऊ की एसडीआरएफ टीम ने प्रतिभागियों को सीपीआर एवं अग्नि आपदा से बचाव के तरीके के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में जनपद बलरामपुर से 5 ग्राम विकास अधिकारी, 5 ग्राम पंचायत अधिकारी, 5 सहायक अध्यापक, 5 लेखपाल एवं 10 स्वास्थ्य सखियों ने प्रतिभाग किया। सत्र प्रभारी अभिषेक कुमार ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सत्र का समापन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राहुल यादव, सर्वेश कुमार, मनोज कुमार मिश्रा, रहीम उल्लाह एवं अमित कुमार का विशेष योगदान रहा।

सिटी डायरी

अखंड भारत के शिल्पकार थे सरदार पटेल : मनोज

गोंडा : परसपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर में शुक्रवार को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर भाषण और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विज्ञान शिक्षक मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा किसरदार वल्लभ भाई पटेल भारतीय इतिहास के उन महानतम व्यक्तित्वों में से एक हैं जिनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व और असाधारण दूरदर्शिता ने स्वतंत्र भारत की भौगोलिक और प्रशासनिक नींव रखी। वल्लभ भाई पटेल का जीवन एक साधारण व्यक्ति से लेकर देश के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बनने तक का एक प्रेरणादायक सफर है। उनका सबसे बड़ा योगदान 562 से अधिक छोटी बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में शांतिपूर्ण ढंग से विलय करना है जिसे इतिहास में भारत का एकीकरण के नाम से जाना जाता है। वे अखंड भारत के शिल्पकार थे।

बच्चों के साथ सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करते शिक्षक।

रामायण पाठ करते कलाकार।

कलश यात्रा निकालते लोग।

सकरौरा धनुषयज्ञ महोत्सव शुरू

करनैलगंज : सकरौरा मोहल्ले में प्रसिद्ध श्री धनुषयज्ञ महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार की रात पूजन, मंत्रोच्चारण व विधि-विधानपूर्वक हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रामायण पूजा से हुई, जिसमें पंडित ज्ञानेश्वर पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा संपन्न कराई। इसके बाद मनीष भट्ट, बद्री कश्यप, पुजारी कश्यप, सौरभ कश्यप, हर्षित मिश्र व गिरधारी लाल विश्वकर्मा सहित अन्य कलाकारों ने रामायण की चौपाइयों को संगीतमय रूप में प्रस्तुत किया। महोत्सव समिति के महामंत्री रोहित जायसवाल ने बताया कि आयोजन सात दिवसीय होगा। शुक्रवार को विष्णु चरित्र व वरदान-शाप की लीला, शनिवार को श्री राम जन्म, रविवार को मुनि आगमन का मंचन किया जाएगा।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

नवाबगंज। महंगूपुर गांव में गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। सुबह से ही गांव में भक्ति और उल्लास का माहौल व्याप्त था। ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और भजन-कीर्तन के बीच सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा निकाली। यह आयोजन लखन लाल शरण सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अजय मिश्र के संयोजन में किया गया है। यात्रा का प्रारंभ गांव के बाहर स्थित कुटिला सरयू संगम तट से हुआ, जहां श्रद्धालु महिलाओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में पवित्र जल भरा।

श्रद्धा के साथ निकाली गई बाबा खाटू श्याम की निशान यात्रा

खरगूपुर बाजार में निशान यात्रा निकालते श्रद्धालु। अमृत विचार

खरगूपुर : खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व शुक्रवार को स्थानीय नगर पंचायत में निशान यात्रा निकाला गया। जिसकी शुरुआत पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव रस्तोगी के बाबा खाटू श्याम के मूर्ति के पूजन व आरती के उपरांत हुआ। खरगूपुर नगर में शनिवार को होने वाले श्री श्याम बाबा का भव्य भंडारा एवं रात्रि जागरण कार्यक्रम से पूर्व खाटू श्याम बाबा का निशान यात्रा निकाला गया। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व बच्चे शामिल रहे।

मुश्किल हालात धान के खेत डूबे, गन्ने की फसल धराशायी, मुआवजे की तैयारी में प्रशासन

तीन दिनों की बारिश ने लील ली किसानों की मेहनत

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : जिले में लगातार तीसरे दिन हो रही बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जबकि तेज हवाओं ने गन्ने की फसल को गिरा दिया है। पिछले तीन दिनों में जिले में 70 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है। स्थानीय किसान रामप्रसाद ने बताया कि धान कटने के ठीक पहले बारिश शुरू हो गई। पूरी फसल पानी में डूब गई, अब कुछ नहीं बचा। वहीं गन्ना उत्पादक सुरेश सिंह ने कहा कि तेज हवा और पानी से गन्ने की फसल गिर गई है, जिसे उठाना मुश्किल हो गया है। किसान शिवशंकर पांडेय, संतोष कुमार शुक्ला, शिवाकांत दूबे, पिंटू, कलाधर पांडेय, कन्हैया पांडेय सहित तमाम किसानों ने बताया कि बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत को निगल लिया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि कृषि विभाग की टीमों को नुकसान का सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी ब्लॉक स्तर पर अधिकारी सतर्क हैं। जिला कृषि अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

बरसात के चलते पानी में डूबी धान की फसल। अमृत विचार

72 घंटे में बीडीओ या कृषि अधिकारी को दें सूचना

जिले में 29 अक्टूबर से रुक-रुक कर चक्रवाती हवाओं के साथ हो रही बरसात से धान एवं मक्का जैसी खरीफ फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कृषि विभाग ने ऐसे सभी किसानों से अपील की है जिन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है, वे क्षति की सूचना 72 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से दें। किसान अपनी फसल क्षति की लिखित सूचना अपने विकास खण्ड कार्यालय में सहायक विकास अधिकारी (कृषि), बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, उप कृषि निदेशक, या जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय में जमा कराएं।

अब तक 300 किसानों ने दर्ज कराई शिकायत

अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि अब तक 300 के करीब किसान अपनी फसल नुकसान की सूचना इस टोल फ्री नंबर पर दर्ज करा चुके हैं। उन्होंने सभी किसानों से अपील की है कि यदि उनके फसल का नुकसान हुआ है तो वह तत्काल इसकी सूचना दर्ज करा दें ताकि मुआवजे की कार्रवाई प्रारंभ होने पर उन्हें किसी प्रकार की परेशानी हो।

न्यूज ब्रीफ

जिला जज ने कारागार का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर : जिला जज, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । जिला जज, जिलाधिकारी , पुलिस अधीक्षक द्वारा सीएमओ के साथ संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया । इस दौरान भोजनालय, बैरकों तथा बन्दियों का गहन निरीक्षण किया गया । जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि नियमित रूप से उनके व जेल स्टाफ द्वारा जेल की चेकिंग की जाती है । जिला कारागार मे निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजनक पायी गयी । जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाए इसके लिए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

विश्व हिंदू महासंघ ने की कार्यवाही की मांग

सिद्धार्थनगर : विश्व हिंदू महासंघ ने छठ पूजा में अश्लील गाने को लेकर पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया है। बता दें कि प्रदेश उपाध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष और जिलाध्यक्ष कृपाशंकर त्रिपाठी ने पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है। वहीं पुलिस के द्वारा कार्यवाही न होने पर थाने का घेराव का सन्देश भी दिया है और गोरखनाथ मंदिर पर सूचना देने का काम विश्व हिन्दू महासंघ करेंगे। छठ पूजा के दिन शादी विवाह के गाने पर नाचने का वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो होने पर विश्व हिन्दू महासंघ ने पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।

महिलाओं को किया गया जागरूक

मनकापुर (गोंडा) : महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को कस्बा मनकापुर क्षेत्र में मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।कार्यक्रम के तहत कस्बा मनकापुर, समय माता मंदिर, सर्राफा मार्केट और पीलखाना क्षेत्र में पुलिस टीम द्वारा व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। टीम ने ए.पी. इंटर कॉलेज मनकापुर में छात्राओं को मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी देते हुए साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। टीम में महिला उपनिरीक्षक रूचि गौतम,महिला आरक्षी रोशनी त्रिवेदी,लक्ष्मी वर्मा,मुख्य आरक्षी गुलाब चंद्र यादव व आरक्षी दुर्गेश चौधरी शामिल रहे।

कहासुनी के बाद युवक ने दे दी जान

संतकबीरनगर : धनघटा थाना क्षेत्र के तुर्कवलिया नायक गांव निवासी 25 वर्षीय सूरज निषाद पुत्र लाल बिहारी निषाद की शादी वर्ष 2021 में आजमगढ़ जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र के बासडीह गांव में हुई थी। शादी के करीब डेढ़ वर्ष बाद सूरज की पत्नी लालमती ने एक बच्ची को जन्म दिया और तभी से वह अपने मायके में रह रही थी। पिता लाल बिहारी निषाद ने बताया कि पत्नी चाहती थी कि सूरज उसके साथ ससुराल में रहकर वहीं से जीवनयापन करे। लेकिन, सूरज इसके लिए तैयार नहीं था। दोनों के बीच बीती रात करीब 11 बजे दोनों के बीच फोन पर कहासुनी हुई। जिसके बाद सूरज अपने कमरे में चला गया। देर रात उसने छत की कुंडी में साड़ी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। सूचना पर थाना प्रभारी जयप्रकाश दुबे मय पुलिस बल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की है।

बड़े धूमधाम से मनाई गई पटेल जी की जयंती

स्पोर्ट्स स्टेडियम से हाईडिल तिराहे तक हुई रन फॉर यूनिटी, लौह पुरुष के जीवन के बारे में दी गई जानकारी

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जनपद में शुक्रवार को स्वतंत्र भारत के शिल्पकार, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में बड़े धूमधाम से मनाई गई। जनपद स्तरीय रन फॉर यूनिटी दौड़ की शुरुआत जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम से हाईडिल तिराहे तक हुई, जिसका शुभारंभ सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने लौह पुरुष के जीवन के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और युवा चेतना के प्रतीक उत्सव के रूप में किया गया। जिसके माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश जन जन तक पहुंचा। रन फॉर यूनिटी दौड़ में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल, मंगल दल के युवाओं, स्काउट एंड गाइड, स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इसके पश्चात जिला स्पोर्टस स्टेडियम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल व अन्य लोगों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने संबोधित करते हुये कहा कि एकता के संकल्प के साथ देश को सबसे सुंदर स्वरूप देने का श्रेय लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को जाता है। वहीं विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस उस विचारधारा का पुनर्स्मरण है जिसने भारत को सैकड़ों रियासतों से जोड़कर एक अखंड राष्ट्र का रूप दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश के सभी नागरिकों को एक साथ जोड़ने का कार्य किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सांसद व मौजूद अन्य लोग।

जयंती पर याद किए गए सरदार पटेल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। डुमरियागंज शुक्रवार को जिला परिषद मार्केट स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रणेता, देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करउन्हें नमन किया। इस दौरान चंद्र प्रकाश उर्फ चंदू चौधरी, प्रेम पाण्डेय, धर्मेश पाण्डेय, रघुनंदन पाण्डेय, हरीश पाण्डेय, राजकुमार अग्रहरि, शिव कुमार दुबे, मेवालाल, अजय अग्रहरि, राजकिशोर वाल्मीकि, अमन गौड़ आदि मौजूद रहे।

पटेल जी अखंड भारत के निर्माता थे: माता प्रसाद

लौह पुरुष के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सपा नेता।

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं शिक्षाविद्व एवं सोशलिस्ट पार्टी के प्रमुख सिद्धांत कार आचार्य नरेंद्र देव की जयंती के अवसर गोष्ठी आयोजित हुई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्र भारत में देशी रियासतों के एकीकरण की महान चुनौती को सफलता पूर्वक हल किया था। इसी कारण उन्हें अखंड भारत का निर्माता कहा जाता है। गोष्ठी को विधायक सैयदा खातून, घिसियावन यादव, विभा शुक्ला, कमरुज्मा खान, प्रदीप पथरकट्ट, जमील सिद्दीकी, मुरली मिश्र, राम सेवक लोधी, विजय यादव, जोखन चौधरी, बहरैची प्रेमी, कलाम अहमद, रिंधू पासवान, रमजान अली, चंद्रहास यादव, चंद्रभान पहलवान, रामू यादव व हारुन आदि ने संबोधित किया।

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में कई बिंदुओं पर हुई चर्चा

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

- सीडीओ बोले-मुआवजा देकर उद्योग स्थापना में हो सकता है सहयोग

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक बुलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने की। बैठक कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद में उद्योग लगाने एवं इसके स्थापना को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हिआ और बैठक में प्रमुख मुद्दा बना रहा। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने कहा कि तहसील के सभी उप जिलाधिकारी कार्यालय से भूमि की उपलब्धता को लेकर उसकी सूची मंगा ली जायें, यदि भूमि उपलब्ध नहीं है, तो किसानों से नियमानुसार मुआवजा देकर भूमि अर्जित कर उद्योग स्थापना में सहयोग किया जा सकता है।

सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल ने बैठक में जनपद में उद्योग की स्थापना समेत जीएसटी विषय पर खुलकर बात की और कहा कि शत्रु संपत्ति आदि के छोटे-छोटे भू-भागों पर उद्योगों की स्थापना नहीं हो सकती है। उद्योगों की स्थापना के लिए शासन स्तर से भूमि की मांग करना अच्छा विकल्प हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि शासन स्तर पर भूमि उपलब्ध नहीं होता है, तो उद्योग बंधु समिति के पदाधिकारियों को कास्तकारों से सर्किल रेट के नियमों के अनुसार भूमि उपलब्ध कराकर उद्योग को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि जनपद उद्योग स्थापना के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित कर सके। साथ ही उन्होंने अभी कहा कि जीएसटी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये के चलते व्यापारी वर्ग परेशान है। बेवजह जनपद स्तर पर सुलझाए जाने वाले मामले को गोरखपुर भेज दिया जाता है और फिर वहां व्यापारियों को प्रताड़ित करना आम बात है। उन्होंने बासी एवं बिस्कोहर के व्यापारी का हवाला दिया। शोहरतगढ़ में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के वरिष्ठ महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता ने शोहरतगढ़ बाजार के अन्दर खुले में बिक रहे मांस-मछली की दुकान को हटवाने, विद्युत के जर्जर तार बदलवाने एवं सेफ्टी जाली लगवाने की बात कही, तों वहीं बांसी में घनश्याम जायसवाल ने बांसी बाजार के अंदर खुले में बिक रहे मांस-मछली की दुकान को हटवाने सहित व्यापारी हित में कई बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित कराया। साथ ही उन्होंने खुनुवां बाईपास मार्ग पर स्थाई रूप से खड़े कंडम वाहन को हटाने समेत शोहरतगढ़ पुलिस पिकेट कर पास दोनों अप्रोच को सही करने की बात कही तो वही व्यापार मण्डल के कोषाध्यक्ष महेश कसौधन ने पुलिस पिकेट के आसपास सार्वजनिक मार्ग पर अवैध तरीके से किये गये अतिक्रमण को हटाने की भी बात कही। इस दौरान ईओ सचिन कुमार पटेल, अजय कसौधन, राजकमल जायसवाल, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल, महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता, राजू मद्धेशिया, रुपेश वर्मा, श्रवण पटवा मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त अधिकारियों को रेलवे महाप्रबंधक ने स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

गोरखपुर , अमृत विचार। महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण/आरएसपी नरेन्द्र सिंह तथा प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक अजय अरोरा को समापक राशि का प्रपत्र, सेवा प्रमाण पत्र एवं गोल्ड प्लेटेड मेडल तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। समारोह में उपस्थित प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने अरोरा एवं श्री सिंह के द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यो की सराहना करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क पंकज कुमार सिंह ने दी है।

ब्लॉक के चलते नियंत्रित कर चलाई जाएंगी ट्रेनें

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मण्डल के कादीपुर-सारनाथ स्टेशनों के मध्य समपार संख्या-12/सी पर सड़क उपरिगामी पुल निर्माण हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का पुनर्निर्धारण, नियंत्रण, निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन एवं शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा। पुनर्निर्धारण/नियंत्रण- आनन्द विहार टर्मिनस से 02, 03, 04, 16, 17 नवम्बर,2025 को चलने वाली 04090 आनन्द विहार टर्मिनस-पटना विशेष गाड़ी मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी। प्रयागराज रामबाग से 15 नवम्बर,2025 को चलने वाली 65132 प्रयागराज रामबाग-मऊ मेमू गाड़ी प्रयागराज रामबाग से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। आनन्द विहार टर्मिनस से 14 नवम्बर,2025 को चलने वाली 14016 आनन्द विहार टर्मिनस- सीतामढ़ी एक्सप्रेस आनन्द विहार टर्मिनस से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। गोरखपुर से 15 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गोरखपुर से 90 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। इस संबंध में यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क पंकज कुमार सिंह ने दी है।

पदोन्नति मिलने पर महाप्रबंधक ने बधाई

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर राजेश कुमार पाण्डेय को पदोन्नति पर रेलवे बोर्ड में अपर सदस्य (सिगनल) बनाया गया है। पदोन्नति पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर एवं प्रमुख विभागाध्यक्षों ने बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। राजेश कुमार पाण्डेय ने एम.टेक की उपाधि प्राप्त करने के उपरान्त भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरिंग सेवा के 1989 बैच के माध्यम से 1991 में रेल सेवा में प्रवेश किया और आपकी प्रथम नियुक्ति सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर बरौनी (तत्कालीन पूर्वोत्तर रेलवे) में हुई। इसके पश्चात आपने समस्तीपुर मण्डल एवं पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय में विभिन्न पदों पर कार्य करने के पश्चात आर.डी.एस.ओ., पश्चिम रेलवे, रेल विद्युतीकरण, अपर मण्डल रेल प्रबंधक, समस्तीपुर (पूर्व मध्य रेलवे), पूर्वोत्तर रेलवे पर मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (कार्य) एवं मुख्य सिगनल इंजीनियर तथा मण्डल रेल प्रबंधक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पद के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। आपके नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे पर वर्ष 2024-25 में 101.93 रूट किलोमीटर ब्लॉक सिगनलिंग, 09 स्टेशनों पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग का कार्य पूरा करने के साथ ही 22 समपारों को इंटरलॉक किया गया। आपकी देख-रेख में महाकुम्भ-2025 के दौरान भीड़ पर निगरानी के लिए प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर कुल 270 सीसीटीवी. सर्विलांस सिस्टम वीएमएस एवं एफआरएस. सर्वर के साथ लगाये गए हैं।

कलेक्ट्रेट में मनाई गई लौह पुरुष की जयंती

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार। स्वतंत्र भारत के वास्तुकार "लौह पुरुष" सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाया गया। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, प्रेम कुमार राय द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा हम सभी को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए समर्पित रहना होगा तथा एकता का संदेश फैलाने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि आजादी के समय भारत की छोटी बड़ी रियासतों को एकता के सूत्र में पिरो कर भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा अखंड भारत का निर्माण करने का काम किए हैं। अखंड भारत के निर्माण के साथ साथ स्वंतत्रता संग्राम में दिए गए उनके योगदानों को याद किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी एव कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयोजन

तिरंगा यात्रा में शामिल जिलाधिकारी, एसपी सहित अन्य अधिकारी।

लौह पुरुष की जयंती पर किया स्वैच्छिक रक्तदान, कुशीनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रोटरी क्लब कुशीनगर के तत्वावधान में कुशीनगर ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 22 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदाताओं में कल्पनाथ चौहान, विनय कुमार सिंह, रवि प्रताप सिंह, अश्विनी पटेल, आयुष, आशुतोष चतुर्वेदी, दीपक भारती, राजीव भारती, किशोर शर्मा, गोविन्द सिंह आदि प्रमुख रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ली एकता की शपथ, कुशीनगर। नगर पालिका परिषद हाटा के वार्ड नं०. 4 बुद्धनगर के भड़कुलवा में अमृत सरोवर पार्क में स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर नगर पालिका अध्यक्ष रामानंद सिंह सहित सभासदों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उनके जयंती पर उनको नमन कर उनके विचारों पर चलने के लिए शपथ ली।

खामियों पर कारण बताओ नोटिस जारी

करनैलगंज, (गोंडा): सीएचसी में निरीक्षण के दौरान मिली गंभीर खामियों पर एसडीएम नेहा मिश्रा ने अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पूरे मामले की रिपोर्ट जिलाधिकारी व सीएमओ को भेजी गई है। निरीक्षण में प्रसूताओं को भोजन व नाश्ता न मिलने, चिकित्सकों के समय पर न पहुंचने, कर्मचारियों के पहले चले जाने, पेयजल की सुविधा न होने और परिसर में गंदगी के साथ दलालों की सक्रियता की शिकायतें मिलीं थीं।

सूचना

संदीप कुमार जैन बनाम सरकार , वाद संख्या-टी-802025071394 ग्राम-बैरीपुर रामनाथ परगना व तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा धारा-80(2) उ0प्र0 राजस्व सहिंता 2006 गाटा सं0-463/0.1620 हे0 में से रकबा 0.0420हे0 की धारा-80 (2) उ0प्र0 राजस्व सहिंता 2006 की घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 05.11.2025 तक न्यायालय उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।

उपजिलाधिकारी
मनकापुर-गोण्डा।

पटेल की जयंती पर दिया एकता अखंडता और सद्भाव का संदेश

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को खलीलाबाद शहर में "पदयात्रा एवं भव्य झांकी" का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, अखंडता और सद्भावना का संदेश देना रहा।

पदयात्रा का शुभारंभ एचआर पीजी कॉलेज परिसर से हुआ, जहां प्रतिभागियों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रगान के साथ यात्रा की शुरुआत की। तिरंगा झंडा और सरदार पटेल के चित्र लेकर लोग "जय जय सरदार", "भारत माता की जय" और "लौह पुरुष अमर रहें" जैसे देशभक्ति नारों के साथ शहरभर में निकले। यात्रा शुगर मिल रोड, मोती तिराहा, बैंक चौराहा, गोला बाजार और मुखलिसपुर चौराहा होते हुए मेंहदावल बाईपास चौक तक पहुंची। यह आयोजन अपना दल (एस) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित पटेल के आह्वान पर हुआ, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, छात्र, युवा और सर्वसमाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यालय ग्राम पंचायत भगहरिया पूरे मितई, वि0खं0 कटरा बाजार- गोण्डा

पत्रांक: मेमो / अल्प0नि0/ राज्य वित्त/ केन्द्रांश / मनरेगा/2025-26 दिनांक:-31-10-2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो/ एजेन्सियों को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भगहरिया पूरे मितई वि0ख0 कटरा बाजार, जनपद-गोंडा में पंचम राज्य/ केन्द्रांश वित्त आयोग/मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से तत्कालिक आवश्यकता के आधार कार्यो को सम्पादित कराये जाने हेतु प्रकाशन दिनांक, सीलबंद निविदा दिनांक 11-11-2025 समय अपरान्ह 2 बजे तक आमन्त्रित किये जाते है। जो उसी दिन अपरान्ह 3 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निम्नांकित कार्य हेतु निविदा प्रपत्र कार्यालय पंचायत भवन भगहरिया पूरे मितई से निर्धारित शुल्क जमा कर क्रय किये जा सकते है, किसी एक अथवा समस्त निविदाओं / कोटेशनों को बिना कारण बताए स्वीकृत । अस्वीकृत करने का अधोहस्ताक्षरी में निहित है। अन्य जानकारी नियम व शर्त कार्यालय नोटिस बोर्ड पर-चस्पा एवं लिपिक पटल पर उपलब्ध है। जिनका अनुपालन समस्त प्रतिभागी निविदादाताओं को किया जाना अनिवार्य है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	आगणन धनराशि (लाख)	धरोहर धन0 2%	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	ग्रा0पं0 में पंडित हाता से ननके के घर तक इन्टरलाकिंग निर्माण कार्य	1.62	3240 रू0	450 रू0	1 माह
2	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर शोकपिट निर्माण कार्य	4.97	9940 रु0	450 रू0	2 माह
3	ग्रा0पं0 में आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण कार्य (प्रथम)	11.94	23880रू0	450 रू0	3 माह
4	ग्रा0पं0 में आंगनबाड़ी केन्द्र (द्वितीय) भवन निर्माण कार्य	11.94	23880रू0	450 रू0	3 माह

रामसूर्ति वर्मा
ग्रा0वि0 अधि0
ग्राम पंचायत भगहरिया पूरे मितई,
वि0खं0 कटरा बाजार, गोण्डा

न्यायालय आयुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर (छ0ग0)
राजस्व नोटिस

रा0अ0प्र0क्र0 202508970100038 अ-06 वर्ष 2024-25
ठाकुर रामलला जी
सरवराकार भगवानदास जी रामायणी,
गुरू स्वामी संतदासजी वैष्णव
साकिन रामनिवास रामललाजी का मंदिर,
ऋण मोचन घाट मुगलपुरा, अयोध्या, (उ0प्र0)
हाल मुकाम - रायपुरखास,
तहसील व जिला रायपुर

आपके ज्ञात पते पर जारी नोटिस तामिली न होने से दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अपीलार्थीगण गज्जू लाल साहू पिता स्व. खेमलाल साहू वगैरह निवासी पूजा किराना स्टोर के पास कांपा, लोधीपारा रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0) के द्वारा इस न्यायालय में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रायपुर जिला रायपुर के प्रकरण क्रमांक 202508111000293 अ-06 वर्ष 2024-25 में पारित आदेश दिनांक 14.08.2025 के विरूद्ध अपील पेश किया है, जिसमें आपको उत्तरवादी बनाया गया है। प्रकरण में आगामी पेशी दिनांक 10.11.2025 हेतु नियत है। अतएव आप निर्धारित तिथि 10.11.2025 को सुबह 11.00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। न्यायालय में उपस्थित नहीं होने की दशा में प्रकरण में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 22.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

आयुक्त,
रायपुर संभाग, रायपुर

करनैलगंज तहसील में तीसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी

विरोध प्रदर्शन करते अधिवक्ता। अमृत विचार

करनैलगंज (गोंडा) अमृत विचार। तहसील में एसडीएम और अधिवक्ताओं के बीच चल रही तनातनी लगातार गहराती जा रही है। भ्रष्टाचार और एसडीएम की कार्यशैली से नाराज अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तीसरे दिन भी न्यायिक कार्य से विरत रहकर तहसील परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्यामधर शुक्ला ने कहा कि एसडीएम के स्थानांतरण तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम का तानाशाहीपूर्ण रवैया असहनीय है। शनिवार को अधिवक्ता सम्पूर्ण समाधान दिवस में सक्षम अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे, जिसके बाद सोमवार से क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में रामबाबू पाण्डेय, पवन शुक्ला, प्रतापबली सिंह, सुभाष तिवारी, सत्यनारायण सिंह, वीके सिंह, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, बृजनाथ सिंह, अवधराज शुक्ल, पिंटू मिश्रा, केडी सिंह, सुशील कुमार सिंह, संजय मिश्रा, केबी सिंह, अरुण मिश्रा, जितेंद्र सिंह, ओमप्रकाश यादव, शिवशंकर मिश्रा, अवधनारायण सिंह, मोहित मिश्र, अनिल शुक्ल, आरके सिंह, पवन कुमार मिश्र, मुनीर खान, दीपक मिश्रा, ओमप्रकाश श्रीवास्तव रहे।

डीआईओएस कार्यालय में ऑफिस ब्वॉय ने किया जमकर हंगामा, केस दर्ज

संवाददाता, संतकबीरनगर

- कार्य में लापरवाही पर चेतावनी देने पर आफिस ब्वॉय पर अमर्यादित व्यवहार करने का आरोप

अमृत विचार। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में गुरुवार की शाम आउटसोर्सिंग से तैनात एक ऑफिस ब्वॉय ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि कार्य में लापरवाही पर चेतावनी देने पर उसने डीआईओएस से अमर्यादित व्यवहार किया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना के बाद डीआईओएस की तहरीर पर शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

डीआईओएस हरिश्चंद्र नाथ ने बताया कि गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे वे अपने कक्ष में राजकीय जिला पुस्तकालय के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान पुस्तकालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से तैनात ऑफिस ब्वॉय पंकज कुमार पांडेय निवासी – बुदहट घोठवा, थाना हरपुर बुदहट, जनपद गोरखपुर को कार्य के प्रति जिम्मेदारी बरतने की हिदायत दी गई। आरोप है कि इस पर पंकज कुमार पांडेय भड़क गया और डीआईओएस से बहस करने लगा। उसने हाथापाई की कोशिश की और धमकी भरे शब्दों का प्रयोग किया। इतना ही नहीं, उसने जातिसूचक और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए कार्यालय परिसर में करीब 30 मिनट तक हंगामा किया। डीआईओएस की तहरीर पर कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट, गाली-गलौज, धमकी और शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाल पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच जारी है, और विवेचना में जो तथ्य

डीएम और एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को जिला कारागार संतकबीरनगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल, बैरक, मेस, कार्यालय एवं परिसर की गहन जांच करते हुए साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं की स्थिति का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने कैदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कैदियों द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित रचनात्मक प्रतिभा की उन्होंने सराहना भी की। डीएम और एसपी ने कारागार कर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि जेल के अंदर किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री प्रवेश न कर सके तथा सभी कार्यों का निर्वहन निष्ठा और पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने जेल परिसर में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

कार्यालय – खण्ड शिक्षा अधिकारी जलालपुर, जनपद- अम्बेडकरनगर

पत्रांक: एस0एस0ए0/681-82/2025-26 दिनांक: 29.10.2025

नीलामी सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अम्बेडकरनगर के पत्रांक: एस0एस0ए0/ 5387-91/ 2025-26 दिनांक 11.09.2025 के क्रम में परिषदीय विद्यालयों के परिसरों में स्थित जीर्ण-शीर्ण भवनों की नीलामी एवं धवस्तीकरण कराये जाने के निर्देश दिये गये है।

उक्त के क्रम में जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण/नीलामी सम्बन्धित समिति/उनके प्रतिनिधि के समक्ष तृतीय बार बोली, बोली जायेगी। बोली बोलने के इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था निर्धारित तिथि व समय स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। नीलामी बोली की तिथि व समय निम्नवत् है-

क्रम सं0	विद्यालय का नाम एवं स्थान	भवन / कक्षा-कक्ष	नीलामी की तिथि व समय
1	प्रा0वि0 सुरहुरपुर प्रथम	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष	03.11.2025 समय 10:00 बजे प्रातः
2	प्रा0वि0 सुरहुरपुर द्वितीय	प्रा0वि0 भवन	03.11.2025 समय 11:00 बजे अपराह्न
3	प्रा0वि0 रुधौली अदाई	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष	03.11.2025 समय 01:00 बजे अपराह्न
4	प्रा0वि0 जलालपुर प्रथम	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष	03.11.2025 समय 02:00 बजे अपराह्न
5	प्रा0वि0 रामपुर चाडीहां	प्रा0वि0 भवन	04.11.2025 समय 10:0 बजे प्रातः
6	कम्पो0उ0प्रा0वि0 भस्मा	प्रा0वि0 भवन	04.11.2025 समय 11:00 बजे अपराह्न
7	कम्पो0उ0प्रा0वि0 दुधई	मूल भवन	04.11.2025 समय 01:00 बजे अपराह्न
8	प्रा0वि0 नगपुर द्वितीय	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष	04.11.2025 समय 02:00 बजे अपराह्न
9	प्रा0वि0 नेमपुर	प्रा0वि0 भवन	06.11.2025 समय 10:00 बजे प्रातः
10	प्रा0वि0 पटैहा गानेपुर	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष	06.11.2025 समय 11:00 बजे अपराह्न
11	प्रा0वि0 सोहगूपुर	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष	06.11.2025 समय 01:00 बजे अपराह्न

नीलामी की शर्ते पूर्ववत रहेंगी।

(मीनाक्षी सिंह)
खण्ड शिक्षा अधिकारी जलालपुर,
अम्बेडकरनगर

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनी सरदार पटेल की जयंती

नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर के नेतृत्व में आयोजित की गयी रन फार यूनिटी, शहीद पार्क में लौह पुरुष की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गयी। इस दौरान प्रदेश के राज्यमंत्री राकेश राठौर (गुरू जी), राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या, सांसद डॉ. आनन्द कुमार गोंड, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल, पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्यामकरन टेकड़ीवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, पार्टी पदाधिकारी नन्हे लाल लोधी, गौरव वर्मा, राहुल राय व अन्य पार्टी पदाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र व अन्य अधिकारियों के साथ शहीद पार्क में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित अन्य प्रतिमाओं व शहीद स्तम्भ पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।राज्यमंत्री राठौर के नेतृत्व में शहीद पार्क से इन्दिरा गांधी स्टेडियम तक आयोजित राष्ट्रीय एकता दौड़ (रन फार यूनिटी) आयोजित की गयी। जो शहीद पार्क से प्रारम्भ होकर स्टेडियम में सम्पन्न हुई। इन्दिरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री का संकल्प है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने का साकार कर नये भारत का निर्माण करना है। कार्यक्रम को महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय सहित अन्य वक्ताओं ने सम्बोधित किया। सीडीओ मुकेश चन्द्र ने अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह ने किया। कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी अमित कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को एकता की शपथ दिलायी।

एकता की शपथ लेते राज्यमंत्री राकेश सिंह राठौर, सांसद आनंद गोंड, विधायक सुभाष त्रिपाठी, रामनिवास वर्मा व गणमान्यजन।

नवाबगंज : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर थाना नवाबगंज में प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव के नेतृत्व में रन फार यूनिटी का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किये गये।

रूपईडीहा : थाना कोतवाली रुपईडीहा में वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गयी। कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में प्रभातफेरी निकाली गयी। नगर पंचायत कार्यालय में चेयरमैन डॉ. उमाशंकर वैश्य के नेतृत्व में लौह पुरुष के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

जयंती पर याद किए गये लौह पुरुष

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : वल्लभभाई पटेल की जयंती पर सोमवार को क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। भाजपा मंडल जरवल के सभी बूथों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। बूथ संख्या 378 पर भाजपा नेता ओम प्रकाश अवस्थी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। थाना जरवलरोड में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन किया गया। आरपीएस मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख जरवल, भाजपा जिलामंत्री संजय राव, प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार श्रीवास्तव आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

सीडीओ ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को बांटे फल

बहराइच, अमृत विचार : अमीनपुर नगरौर वृद्धाश्रम में सरदार पटेल की जयंती एकता दिवस के रूप में मनायी गयी। अध्यक्षता मुख्य अतिथि प्रभारी जिलाधिकारी मुकेश चन्द्र ने किया। उन्होनें सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। इसके पश्चात प्रभारी जिलाधिकारी ने वृद्धजनों से वार्तालाप किया और आश्रम में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा रसोई घर, भोजन कक्ष, भंडार गृह, भोजन की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात सभी वृद्धजनों को फलों का वितरण किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पांडे, सहायक प्रबंधक समाज कल्याण देवव्रत शर्मा, अधीक्षक छात्रावास किशन लाल, सुलह अधिकारी महसी अनिल कुमार मिश्रा वृद्धाश्रम प्रबंधक दिलीप कुमार द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

परिजनों के सुपुर्द किया गया बिछड़ा युवक

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : विगत दिनों नेपाल सीमा क्षेत्र में मिले लावारिस युवक को समाजसेवी की पहल से उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। युवक अपने परिवार से 2 साल से बिछड़ा था। उसका जिला अस्पताल इलाज चल रहा था। थाना नवाब गंज क्षेत्र में विगत 26 अक्टूबर को गंगापुर गुलरिया गांव पंचायत के संतलिया पुरानी पुलिस चौकी के पास लावारिस अवस्था में भूखा प्यासा एक युवक ग्रामीणों को मिला। समाजसेवी मनीष पांडे ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसके परिजनों की खोजबीन शुरू की। गुरुवार को युवक के भाई जो छत्तीसगढ़ के थाना सीपत बिलासपुर के गुढ़ी के रहने वाले हैं, आये और उसे अपने साथ ले कर चले गए।

बेमौसम बरसात ने तोड़ी किसानों की कमर

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : बेमौसम बरसात ने किसानों की मेहनत पर पूरी तरह पानी फेर दिया है। रबी और खरीफ दोनों सीजन की फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है।

जिन फसलों को किसान रात-रात भर खेतों में टॉर्च की रोशनी में खड़े रहकर छुट्टा जानवरों के कहर से बचाते रहे और खाद-बिजली संकट के बावजूद सींचा, अब जब उन्हें काटकर घर लाने का समय आया है, तब इस बरसात ने सब चौपट कर दिया है। धान की फसल या तो खेतों में कटकर पड़ी थी या पकने की अवस्था में थी, जो अब बारिश और जलभराव के कारण सड़ने या अंकुरित होने के कगार पर हैं। किसानों का कर्ज चुकाना और अगली फसल की तैयारी करना भी मुश्किल हो गया है। प्राकृतिक मार के साथ-साथ किसानों को चीनी मिलों की मनमानी भी झेलनी पड़ रही है शिंभावली शुगर चीनी मिल, चिलवरिया इसका जीता जागता उदाहरण है। किसानों का गन्ना भुगतान वर्षों से बकाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मिल पर करीब 103 करोड़ रुपये से अधिक का गन्ना मूल्य बकाया है, जिससे करीब 15 से 20 हजार किसान प्रभावित हैं।

खाई में गिरी ट्रैक्टर ट्राली, चालक की मौत

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : एक ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर खाई में चली गई। हादसे में चालक केशवपुर निवासी अवधेश वर्मा (28) की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

युवक के पिता राजकिशोर वर्मा ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उनका बड़ा बेटा कृषि कार्य से ट्रैक्टर लेकर अपने खेत जा रहा था कि अचानक ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर मुन्ना के खेत में पलट गया। वाहन के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। चौकी इंचार्ज गुरघुट्टा सूरज त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

नदी में डूबे 8 लोगों का तीसरे दिन भी नहीं चला पता

भरथापुर नाव हादसा

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : भरथापुर में नाव हादसे के बाद नदी में डूबे लोगों का तीसरे दिन शुक्रवार को भी पता नहीं चल सका है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों द्वारा राहत व बचाव कार्य लगातार जारी है, लेकिन तेज धारा और गहरे पानी के कारण खोज अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही शुक्रवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने राज्य सरकार से भरथापुर गांव के विस्थापन की मांग उठाई। राज्य मंत्री सुरेश राही ने कहा कि भरथापुर के विस्थापन की प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी कर ली जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से जान-माल की क्षति न हो।

कर्तनियाघाट के डीएफओ सूरज कुमार ने बताया कि कुल 118 परिवारों का विस्थापन प्रस्तावित है। प्रत्येक परिवार को उनकी पसंद के अनुसार स्थान चयन की सुविधा दी गई है, और विस्थापन के उपरांत प्रति परिवार 15 लाख की सहायता राशि दी जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि खोज-बचाव कार्य तब तक जारी रहेगा जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं चल जाता।

भरथापुर गांव पहुंचे कारागार मंत्री सुरेश राही साथ में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी।

पीड़ित परिवारों से मिले राज्यमंत्री राही

बहराइच, अमृत विचार : प्रदेश के राज्य मंत्री सुरेश राही ने डीएम अक्षय त्रिपाठी, एसपी रामनयन के साथ भरथापुर पहुंचकर नाव दुर्घटना में प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। श्री राही ने कहा कि प्रभावित परिवारों को सरकार द्वारा अनुमन्य सहायता दी जायेगी। श्री राही ने सभी प्रभावित परिवार के हर सदस्य से भेंट कर सहायता का आश्वासन दिया।

विजेता छात्र का उत्साहवर्धन करते बीडी लखमानी। ● अमृत विचार

चित्रकला में मोहित, निबंध स्पर्धा में रजनीश अव्वल

बहराइच, अमृत विचार : सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर फ्रेंड्स आफ कर्तनियाघाट की ओर से विहान बालक विद्यालय में लौह पुरुष पर आधारित चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला में मोहित प्रथम, रोहित द्वितीय एवं रजनीश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में रजनीश प्रथम, नंद कुमार द्वितीय एवं हरेंद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि फ्रेंड्स आफ कर्तनियाघाट के संस्थापक बीडी लखमानी रहे। उन्होंने विजयी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल वार्डन प्रतिमा सिंह, शिक्षकों में अनुराग शुक्ला, राजेश कुमार, ज्ञानेंद्र कुमार एवं सुरेश सिंह उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने रेल मंत्री को भेजा मांगपत्र

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 41वीं पुण्यतिथि तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दोनों महान विभूतियों को नमन किया। इस दौरान गोण्डा से नेपालगंज रोड वाया नानपारा जंक्शन तक तत्काल रेल संचालन शुरू करने तथा नानपारा जंक्शन से मैलानी जंक्शन तक ठप पड़ी रेल सेवा बहाल किए जाने की मांग को लेकर स्टेशन अधीक्षक नानपारा जंक्शन के माध्यम से रेलमंत्री को मांगपत्र भेजा। इससे पूर्व कांग्रेस नेताओं ने रेलवे परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए तत्काल रेल सेवा चालू करने की पुरजोर मांग की।

पेराई सत्र शुरू होने से पहले हवन-पूजन करते महाप्रबंधक। ● अमृत विचार

ब्यायलर पूजा संपन्न, 10 नवंबर से पेराई सत्र का शुभारंभ

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : आईपीएल चीनी मिल जरवल रोड में ब्यायलर हाउस का विधिवत पूजन हुआ। इसके साथ ही गन्ना पेराई सत्र 2025-26 के शुभारंभ की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत हो गई। महाप्रबंधक टीएस राणा ने बताया कि 5 नवंबर से इंडेंट जारी किया जाएगा तथा 10 नवंबर से पेराई का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर अकाउंटेंट अधिकारी अजीत सिंह, चीफ इंजीनियर रवीश चौधरी, ब्यायलर हेड फिटर संतोष पांडेय, सेल्स मैनेजर चीनी रामायण सिंह, डिप्टी चीफ इंजीनियर मदन कुमार, हेड टाइम कीपर विनय कुमार सिंह, पीएस सुनील श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जंगली हाथियों के झुंड ने रोका रास्ता

बहराइच, अमृत विचार : कतर्नियाघाट संरक्षित वन्य जीव प्रभाग में गुरुवार की रात जंगली हाथियों का झुंड रात करीब 10 बजे बिछिया-निशानगाड़ा मार्ग पर आ गया। जिससे दोनों तरफ का आवागमन बंद हो गया। इस दौरान दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई और जाम में एक एंबुलेंस भी फंस गई। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने बताया कि जंगली हाथियों के झुंड में लगभग 10 से 15 के बीच हाथी थे, जो करीब सड़क पर 40 मिनट तक रुके रहे। मामला बिछिया-मोतीपुर मार्ग का है। एंबुलेंस चालक प्रेम किशोर और कौशल वर्मा ने बताया कि काफी समय तक हाथी सड़क पर मौजूद रहे।

निवेश के नाम पर लाखों का घोटाला, कंपनी संचालक फरार

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : मोतीपुर थाना क्षेत्र में बाहर की एक बैंकिंग कंपनी का संचालक दर्जनों लोगों को निवेश की गयी रकम में ज्यादा ब्याज का लालच देकर उनकी गाढ़ी कमाई लेकर फरार हो गया।

ग्रामीणों के मुताबिक कंपनी मुंबई की बताई जाती है लेकिन सही जानकारी किसी के पास नहीं है पीड़ितों ने इस मामले में थाने पर तहरीर है। प्रभारी निरीक्षक आनंद चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच चौकी इंचार्ज मिहींपुरवा को सौंपी गई है।

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि मिहींपुरवा कस्बा थाना क्षेत्र में बॉम्बिटेक्स एक्सचेंज बी मैक्स रियलिटी नाम से एक बैंकिंग कंपनी ने अपना कार्यालय कुछ माह पहले खोला था। उसने ग्रामीणों को धन निवेश करने पर ज्यादा ब्याज देने का लालच दिया। कंपनी ने मिहींपुरवा, सीतापुर, रखियापुर, याजेपुर और आसपास के गांवों के दर्जनों लोगों को लालच में फंसाया। पीड़ितों का कहना है कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने स्थानीय स्तर पर लोगों का विश्वास जीतने के लिए कुछ महीने ब्याज दिया, फिर बंद कर दिया। जब निवेशकों ने अपना पैसा मांगा तो कंपनी के संचालक कार्यालय बंद कर भाग गए।

केनरा बैंक से क्षेत्र के लोगों को मिलेंगी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : केनरा बैंक की उतरौला शाखा का उद्घाटन शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता ने फीता काटकर किया । उन्होंने बैंक के संस्थापक अम्मेमबाल सुब्बाराव पाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्जलित किया और शाखा की प्रथम खाता धारक बनीं। इस अवसर पर महाप्रबंधक अजीत कुमार मिश्र (अंचल कार्यालय, लखनऊ) के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में एजीएम (अयोध्या) सुधाकर, मंडल प्रबंधक अनुज मंडल, मार्केटिंग प्रबंधक शशिकांत द्विवेदी, विपणन अधिकारी घनश्याम मिश्र, उतरौला शाखा प्रबंधक विश्वजीत त्रिपाठी तथा केनरा बैंक एम्पलॉइज यूनियन अयोध्या के रीजनल सेक्रेटरी संजय कुमार शुक्ल, अशोक कुमार और मंजीत सिंह सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। चेयरमैन प्रतिनिधि अनूप चंद्र गुप्ता ने कहा कि इस शाखा के माध्यम से केनरा बैंक की योजनाओं का लाभ सभी लोगों को मिलेगा।

बैंक की नई शाखा का फीता काटकर उद्घाटन करते अतिथिगण।

जायसवाल समाज के कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण। ● अमृत विचार

धूमधाम से मनाया भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का जन्मोत्सव

बलरामपुर अमृत विचार : जायसवाल समाज के आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन (राजराजेश्वर) का जन्मोत्सव 30 अक्टूबर को अपर्णा होटल, उतरौला रोड पर श्रद्धा से मनाया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सर्ववर्गीय महासभा के राष्ट्रीय संयोजक अटल कुमार गुप्ता रहे, जबकि सदर विधायक पल्टूराम, पालिका अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीदत्तगंज ब्लॉक प्रमुख हेमंत जायसवाल और कपिल जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी मनीष कुमार जायसवाल ने बताया कि समारोह में स्वजातीय बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं मेधावी विद्यार्थियों और शासकीय सेवा में चयनित बंधुओं को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता जिला संयोजक राम तीरथ जायसवाल ने की और संचालन राज कुमार जायसवाल ने किया। अंत में वरिष्ठ अधिवक्ता इन्द्रभूषण जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सील की गयी रूही क्लीनिक

गैंसड़ी, बलरामपुर, अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को गैंसड़ी बाजार स्थित रूही क्लीनिक सील कर दी। जांच के दौरान क्लीनिक में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि क्लीनिक बिना वैध रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहा था, जो मरीजों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध क्लिनिकों व नर्सिंग होम्स के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया, जबकि क्लिनिक संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

लगातार बारिश से उतरौला बेहाल सड़कों पर कीचड़, गलियों में बदबू

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : लगातार रुक-रुककर हो रही बारिश ने उतरौला नगर और आसपास के गांवों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। खेतों में धान की फसल सड़ने लगी है। वहीं नगर की हालत बदतर है। पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों को सही ढंग से न भरने के कारण जगह-जगह कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं। हल्की बारिश में ही सड़कें दलदल में तब्दील हो जाती हैं।

शहर के अधिकांश वार्डों में नालियां जाम हैं, कूड़े के ढेर सड़कों पर फैले हैं और बदबू से लोगों का रहना दूभर हो गया है। पटेल नगर वार्ड में राजा साहब की कोठी के पास एक महीने से मरा सांड पड़ा सड़ रहा है, लेकिन पालिका ने कोई कार्रवाई नहीं की। कैफ़ जाफ़री, निज़ामुद्दीन ख़ान, आरज़ू ख़ान और लेशू पांडेय ने सफाई व्यवस्था की दुर्दशा पर रोष जताते हुए कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नगर पालिका सिर्फ़ आश्वासन दे रही है।

बारिश के चलते खेत में भीग कर सड़ती धान की फसल।

रन फॉर यूनिटी में प्रतिभाग करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

रन फार यूनिटी में उत्साह के साथ लोगों ने लिया भाग

महदेईया बाजार, बलरामपुर, अमृत विचार : लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शुक्रवार को थाना श्रीदत्तगंज पुलिस द्वारा रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल कॉलेज के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने पटेल के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। शपथ के बाद प्रतिभागियों ने एकता दौड़ में भाग लेते हुए देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति से गूंज उठा। कार्यक्रम में चौकी प्रभारी संतोष कुमार, हेड कांस्टेबल राहुल कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस | **कलेक्ट्रेट से एमएलके पीजी कॉलेज तक दौड़ी एकता की मशाल, जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे शामिल,पटेल के अदम्य साहस और योगदान पर हुआ विमर्श**

रन फॉर यूनिटी में गूंजे देशभक्ति के नारे, लौहपुरुष को किया याद

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर से एमएलके पीजी कॉलेज तक आयोजित इस एकता दौड़ को मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम, विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ल, जिलाध्यक्ष रवि मिश्र, डीएम विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, पालिका अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' और पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष दुष्यन्त चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

देशभक्ति नारों के साथ युवा प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। एमएलके पीजी कॉलेज पहुंचकर अतिथियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और मुख्य अतिथि एमएलसी पवन सिंह चौहान ने सभी को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एडीएम वित्त एवं राजस्व ज्योति राय, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर बालक और बालिका वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी पवन सिंह चौहान ने कहा कि सरदार पटेल ने अंग्रेजों की विभाजन नीति को ध्वस्त करते हुए 565 रियासतों का भारत संघ में विलय कर अखंड भारत का निर्माण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रन फॉर यूनिटी और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसी पहलों से सरदार पटेल के योगदान को अमर बना दिया है। विधायक पल्टूराम ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। कार्यक्रम में डीएम विपिन कुमार जैन ने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी देश की एकता और अखंडता को दिशा दे रहे हैं। उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा, कलेक्ट्रेट सभागार में भी जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी में शामिल विधायक, डीएम और अन्य लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार

शनिवार, 1 नवंबर 2025

झूठे ज्ञान से खबरदार रहिए, यह अज्ञान से भी ज्यादा खतरनाक है।
–जार्ज बर्नाड शॉ, आइरिश नाटककार

विश्व वर्चस्व की दहलीज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा सात बार की विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराना महज एक मैच की जीत नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र में युगांतरकारी घटना है। कौशल तथा तकनीकी दृष्टि से कठिन यह मुकाबला हार की हैट्रिक लगा कर आ रही भारतीय टीम की मानसिक मजबूती और उसके समन्वय का कड़ा इम्तिहान था। यह मैच फाइनल से भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि पिछले दस वर्षों में खेले गए अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में 75 प्रतिशत से अधिक जीत प्रतिशत बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया को हराना, महिला क्रिकेट में लगभग 'असंभव' माना जाता है। हालांकि यह भारत ही है, जिसने उसे कई बार टक्कर दी है और विश्व कप के सेमीफाइनल में पहले भी हराया है।

2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर तक चुनौती दी थी, जबकि 2023 की बाइलैटरल सीरीज में भारत ने उन्हें सुपर ओवर में हराकर इतिहास रचा था। इस विजय से साफ है कि भारतीय महिला क्रिकेट ने खुद को दुनिया की शीर्ष चार टीमों, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कतार में दृढ़ता से स्थापित कर लिया है। भारतीय टीम केवल प्रतिस्पर्धी नहीं, विजेता मानसिकता वाली टीम बन चुकी है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में टी-20 और वनडे दोनों प्रारूपों में लगभग 63 प्रतिशत मुकाबले जीते हैं। यह किसी भी उभरती क्रिकेट शक्ति के लिए शानदार रिकॉर्ड है। बल्लेबाजी में निरंतर सुधार इसका सबसे बड़ा आधार है। नमूने के बतौर स्मृति मंधाना ने पिछले 24 महीनों में 42.7 के औसत से रन बनाए हैं और स्ट्राइक रेट 130 से ऊपर रखा है। हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ बैटर में शुमार हैं। जेमिमा ने अभी शानदार शतक बनाया, तो शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी निरंतर आक्रामकता महिला क्रिकेट में दुर्लभ है। गेंदबाजी में भी भारत ने प्रभावी प्रगति की है। रेनुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा ने इस क्षेत्र में कई कीर्तिमानी कारनामे अंजाम दिए हैं, हालांकि 'डेथ ओवर्स' की गेंदबाजी और स्पिन विकल्पों में और गहराई लाने की ज़रूरत है।

कई बार शुरुआती सफलता को हमारे गेंदबाजों ने अपने भोथरे आक्रमण से गंवा दिया है। फिलहाल टीम की सबसे बड़ी चुनौती निचले क्रम की बैटिंग और फील्डिंग है। निचले क्रम की बैटर्स का औसत सिर्फ 11.2 रन प्रति खिलाड़ी है, जो ऑस्ट्रेलिया की 17.6 और इंग्लैंड की 15.8 से बहुत पीछे है। हमारा कैच ड्रॉप प्रतिशत 12 के आसपास है। संसार की ऊपरी पायदान वाली टीमों में सबसे अधिक। इन दोनों क्षेत्रों में सुधार अत्यंत आवश्यक है, हालांकि इधर यह टीम न केवल खेल तकनीकी बल्कि मानसिक दृढ़ता में भी मजबूत हुई है। यह वही आत्मविश्वास है, जिसने ऑस्ट्रेलिया जैसी अजेय टीम को किस्मत से नहीं बाकायदा अपने खेल से मात दी। इसे देख लगता है भारतीय महिला टीम क्रिकेट के स्वर्ण युग की दहलीज पर है। बल्लेबाजी की निरंतरता, गेंदबाजी की धार और फील्डिंग की सटीकता को संयम और समन्वय के साथ बरकरार रखा गया, तो वह निकट भविष्य में ऐसी टीम बन सकती है, जिसे क्रिकेट के तीनों प्रारूपों- टेस्ट, वनडे और टी-20 में हराना लगभग असंभव होगा।

प्रसंगवश

हलाल सर्टिफिकेशन का समाजशास्त्र

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में हलाल-प्रमाणित उत्पादों की बिक्री और खरीद पर हाल ही में लगे प्रतिबंध का पुरजोर बचाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे प्रमाणन से जुटाई गई राशि का आतंकवाद, लव जिहाद और धर्मांतरण के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। आरएसएस शताब्दी समारोह में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल प्रमाणन सरकारी नियंत्रण से बाहर एक समानांतर, अनियंत्रित प्रणाली बन गई थी। यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद हलाला सर्टिफिकेट पर राजनीति गरमा गई है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

ज्ञात हो कि नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर हलाल प्रमाणन वाले खाद्य उत्पादों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर रोक लगा दी थी, जबकि निर्यात के लिए निर्मित उत्पादों को छूट दी गई थी। हलाल सर्टिफिकेशन के खिलाफ लखनऊ में देश का पहला केस दर्ज किया गया था। इसमें चार के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। हलाल एक अरबी शब्द है, जिसका अर्थ होता है वैध या अनुमति प्राप्त। आमतौर पर यह शब्द मांस के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, हलाल तरीके से मांस तैयार करने में जानवर को झटके से नहीं काटा जाता, बल्कि धीरे-धीरे उसकी गर्दन से खून निकाला जाता है। इससे शरीर में ब्लड क्लॉटिंग नहीं होती और पूरा खून बाहर निकल जाता है।

ऐसे मांस को इस्लाम में 'जिबह' करना कहा जाता है और इसी मांस को खाना जायज माना गया है, हालांकि अब हलाल शब्द सिर्फ मांस तक सीमित नहीं रहा। आजकल खाने-पीने, कॉस्मेटिक और दवाओं तक में यह सर्टिफिकेशन दिया जाता है, ताकि यह साबित हो सके कि उनमें कोई हराम तत्व (वर्जित चीज) नहीं है। यानी कि हलाल सर्टिफिकेशन एक तरह का 'पवित्रता प्रमाणपत्र' है, जो बताता है कि उत्पाद इस्लामिक मान्यताओं के अनुरूप है और सभी धर्मों के लोग इसे बेझिझक इस्तेमाल कर सकते हैं। मुस्लिम धर्म गुरुओं के अनुसार, हलाल सर्टिफिकेशन सिर्फ मांस ही नहीं, बल्कि खाने-पीने, दवाओं और कॉस्मेटिक उत्पादों से भी जुड़ा है।

भारत में हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, बल्कि यह एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है। यानी खाद्य निर्माता को इसे लेना आवश्यक नहीं है। भारत में हलाल सर्टिफिकेशन को सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानक के रूप में नियंत्रित नहीं किया गया है। भारत में हलाल सर्टिफिकेट जारी करने का कोई सरकारी तंत्र नहीं है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) केवल खाद्य सुरक्षा से संबंधित मानक तय करता है, लेकिन हलाल सर्टिफिकेट नहीं देता। देश में 'हलाल सर्टिफिकेशन' की सिर्फ चार संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल सर्टिफिकेशन' के लिए अधिकृत किया है।

आरोप है कि कई कंपनियां बिना जांच के पैसे देकर सर्टिफिकेट हासिल कर लेती हैं। उत्तर प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां फर्जी हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए लोगों को गुमराह किया गया। सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया। इस सर्टिफिकेशन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल सर्टिफिकेशन' के दायरे में हैं।

सांसों पर छाई सर्दियों की जहरीली चादर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में सर्दियों का मौसम भले ही राहत और ठंडक लेकर आता हो, पर यही मौसम हमारे शहरों की हवा को सबसे ज़्यादा जहरीला बना देता है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में दिल्ली, लखनऊ, पटना, कानपुर और कोलकाता जैसे शहरों का आसमान धुंध और धुएं से ढक जाता है। सुबह की ठंडी हवा अब ताजगी नहीं देती, बल्कि गले में जलन और आंखों में चुभन छोड़ती है। लोग जब मास्क लगाकर सड़क पर निकलते हैं, तो यह सिर्फ संक्रमण से बचाव के लिए नहीं, बल्कि सांस लेने लायक हवा की कमी से बचने का प्रयास भी है। सवाल यह है कि आखिर सर्दियों में हवा इतनी खराब क्यों हो जाती है और इसे कैसे समझा जाए।

हाल ही में वैज्ञानिकों ने भारत की सर्दियों की वायु गुणवत्ता को गहराई से समझने की कोशिश की। उन्होंने एक उन्नत वायुमंडलीय मॉडल का प्रयोग किया, जो हवा में मौजूद गैसों और कणों की गति, मिश्रण और रासायनिक बदलावों को समझने में मदद करता है। इस अध्ययन में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को बारह गुणा बारह किलोमीटर के छोटे हिस्सों में बांटकर यह देखा गया कि प्रदूषक किस तरह फैलते हैं और किस इलाके में जमा हो जाते हैं। अध्ययन 2015-16 की सर्दियों में किया गया, जब कई हिस्सों में वायु प्रदूषण चरम पर था।

वैज्ञानिकों ने गैसों और धूल-कणों की रासायनिक प्रक्रिया को समझने के लिए विशेष गणनाएं कीं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों को भारत की स्थिति के अनुसार बदला, ताकि परिणाम यथार्थ के करीब हों। अध्ययन से यह पता चला कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ठंडी और स्थिर हवा इन प्रदूषकों को ऊपर उठने नहीं देती, इसलिए वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और हवा को दूषित करते हैं।

अध्ययन में दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, आगरा, लखनऊ, पटना, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे दस प्रमुख शहरों के निगरानी आंकड़ों की तुलना मॉडल के परिणामों से की गई। नतीजे बताते हैं कि वैज्ञानिक मॉडल ने महीन कणों की मात्रा का अनुमान काफी सटीक लगाया। नाइट्रोजन डाईऑक्साइड की सांद्रता भी ठीक तरह से आंकी गई। कार्बन मोनोऑक्साइड का अनुमान थोड़ा कम रहा, पर अंतर बहुत अधिक नहीं था। ओजोन के स्तर को दिल्ली में मॉडल ने ठीक दिखाया, लेकिन दूसरे शहरों में दिन के समय यह वास्तविक मापों से अधिक निकला। इन नतीजों से यह स्पष्ट हुआ कि उत्तर और पूर्व भारत के शहर, विशेषकर गंगा के मैदानी इलाकों वाले शहर सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

इस क्षेत्र में खेती के बाद पराली जलाना, डीजल वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक धुआं और ठंडी हवा- सभी मिलकर प्रदूषण का बोझ बढ़ाते हैं। तापमान कम होने से हवा का प्रवाह धीमा हो जाता है और प्रदूषक हवा में मिल नहीं पाते। परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र धुएं की परत से ढक जाता है। अध्ययन ने यह भी दिखाया कि दिन और रात के दौरान प्रदूषण के उतार-चढ़ाव का पैटर्न वास्तविक मापों के समान था। यानी, मॉडल हवा में मौजूद कणों और गैसों के व्यवहार को सही तरह समझ पा रहा था। यह सकारात्मक संकेत है कि भारत में ऐसे वैज्ञानिक उपकरण अब उपलब्ध हैं, जो वायु गुणवत्ता की सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं।

फिर भी अध्ययन ने कुछ कमियां भी उजागर कीं। सबसे पहले, भारत में अभी तक स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन के ताजा और नियमित आंकड़े नहीं जुटाए जाते। अधिकतर आंकड़े सालाना औसत पर आधारित हैं, जबकि वास्तविकता में प्रदूषण हर दिन बदलता है। किसी दिन ट्रैफिक ज्यादा होता है, किसी दिन पराली जलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। अगर रोजाना का उत्सर्जन डेटा तैयार हो, तो हवा की गुणवत्ता का अनुमान और सटीक लगाया जा सकता है।

दूसरी जरूरत है कि देश के पास एक राष्ट्रीय उत्सर्जन सूची हो, जिसमें हाल के वर्षों के आंकड़े और स्थानीय गतिविधियों का असर शामिल किया जाए। तीसरी बड़ी जरूरत है कि वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें। आज भी भारत के अधिकतर ग्रामीण इलाकों में हवा की गुणवत्ता का कोई मापन नहीं होता, जबकि गांवों में भी अब पराली जलाने, ईंधन के धुएं और सड़क निर्माण जैसी गतिविधियों से प्रदूषण बढ़ रहा है।

यदि इन सुधारों को लागू किया जाए तो वैज्ञानिक मॉडल न केवल अधिक सटीक होंगे, बल्कि सरकारों और नीति-निर्माताओं को भी ठोस निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। उदाहरण के लिए, अगर किसी शहर या राज्य के पास यह जानकारी हो कि किस दिन और किस स्रोत से कितना प्रदूषण हुआ, तो नीति बनाना और नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। यह चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद करेगा ताकि लोगों को पहले से बताया जा सके कि आने वाले दिनों में हवा कितनी खराब होगी।

यह अध्ययन हमें एक गहरी सीख देता है कि सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण केवल मानवीय गलती का नतीजा नहीं है। यह मौसम, भूगोल, औद्योगिक गतिविधियों और हमारी जीवनशैली का संयुक्त प्रभाव है। जब तक हम इसे समझकर स्थानीय स्तर पर उपाय नहीं करेंगे, तब तक यह संकट हर साल और गहराता जाएगा। साफ हवा किसी विलासिता की चीज नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। विज्ञान, समाज और शासन- तीनों को मिलाकर इस अधिकार की रक्षा करनी होगी। जब तक हम अपने शहरों और गांवों की हवा के प्रति उतने ही जागरूक नहीं होंगे, जितने हम अपनी राजनीति या अर्थव्यवस्था को लेकर हैं, तब तक सर्दियों की यह धुंध हमारी सांसों को रोकती रहेगी। साफ हवा का सपना तभी पूरा होगा, जब विकास के हर कदम के साथ पर्यावरण का संतुलन भी हमारे विचारों का हिस्सा बनेगा।

वैज्ञानिक अध्ययन से पता चला है कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और सांस लेने वाली हवा को दूषित करते हैं।

आमने

मेरी एक इच्छा है, वो ये कि हिंदू धर्म में पली-बढ़ी पत्नी उषा वेंस एक दिन कैथोलिक चर्च से प्रभावित होंगी और ईसाई धर्म अपना लेंगी, लेकिन अगर वो ऐसा नहीं करतीं, तो ईश्वर ने कहा है कि हर किसी को आजादी है, इसलिए यह मेरे लिए कोई समस्या नहीं है।
–**जेडी वेंस**, अमेरिकी उपराष्ट्रपति

सामने

अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने कहा कि वो हिंदू परंपराएं, जिन्हें उनकी पत्नी और लाखों अमेरिकी मानते हैं, पर्याप्त अच्छी नहीं हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए, जो सभी अमेरिकियों का राष्ट्रपति बनना चाहता है, इस तरह का कमेंट, यह कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।
–**सुहाग शुक्ला**, हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन की निदेशक

भारत का मजबूत उपभोग तंत्र और चुनौतियां

प्रो. एचसी पुरोहित
डीन, दून यूनिवर्सिटी

जीएसटी 2.0 के अमल में आने से उपभोक्ता वस्तुओं पर अब 5 और 18 प्रतिशत की दर से कर लग रहा है, जिसके कारण अधिकांश उपभोक्ता वस्तुएं सस्ते दामों पर मिल रही हैं। सितंबर माह के आखिरी सप्ताह के बाद के आंकड़े आर्थिक विचारकों और नीति-निर्माताओं के लिए उत्साहवर्धक हैं। नवरात्रि से ही दुपहिया वाहनों सहित सभी प्रकार के ऑटोमोबाइल उत्पादों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारत का मजबूत उपभोग तंत्र किसी भी प्रकार की चुनौती या झटके का सामना करने में सक्षम है। इसका प्रमुख कारण जीएसटी दरों में बदलाव और आयकर स्लैब में मिली राहत से मध्य वर्ग की बढ़ी क्रय-शक्ति मानी जा सकती है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इस वर्ष सितंबर में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान इस्पात और सीमेंट सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है, जिसका मुख्य कारण सरकार द्वारा संचालित बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांग है। इससे इस्पात की मांग भी बढ़ी, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर माह में औद्योगिक उत्पादन चार प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जिसका प्रमुख कारण विनिर्माण क्षेत्र की 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर है। देश में विनिर्माण क्षेत्र की लगातार हो रही वृद्धि निवेशकों को आकर्षित कर रही है, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हर वर्ष बढ़ रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अप्रैल से जुलाई के मध्य 208.57 प्रतिशत बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक सुखद संकेत है। वर्ष 2023-2024 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 61.88 लाख करोड़ था, जो वर्ष 2024-2025 में बढ़कर 68.75 लाख करोड़ हो गया है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक 20 प्रतिशत एफडीआई में अमेरिका की हिस्सेदारी है और सिंगापुर 14.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। विनिर्माण के क्षेत्र में सर्वाधिक एफडीआई 48.4 प्रतिशत है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। लगातार बढ़ रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने में सहायक होगा।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है तथा 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से, जिसमें पैकेजिंग, यात्रा, ट्रांसपोर्ट इत्यादि शामिल हैं। ई-कॉमर्स के लिए भी यह सीजन काफी शानदार रहा, जिसमें क्विक कॉमर्स ऑर्डर्स में 120 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक नरमी के बावजूद मजबूत सरकारी खर्च, बढ़ती घरेलू मांग और निर्यात में वृद्धि के कारण तेजी से बढ़ रही है।

डिलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष में 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अन्य देशों की तुलना में मजबूती से उभरती हुई एक आर्थिक शक्ति है। व्यापार और निवेश की अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि का सटीक आकलन थोड़ा मुश्किल अवश्य है, परंतु कर सुधार और त्योहारी सीजन में उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग से निजी निवेश के बढ़ने की प्रबल संभावना है, जिससे बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। डिजिटल भुगतान प्रकिया के अमल में आने से व्यापारिक गतिविधियां आसान एवं पारदर्शी हुई हैं, जिससे आम व्यक्ति का भरोसा बढ़ा है।

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान डिजिटल ट्रांजेक्शन मात्रा की दृष्टि से 99.7 प्रतिशत रहा है, जबकि मूल्य के हिसाब से यह 97.5 प्रतिशत है। इतनी बड़ी मात्रा में डिजिटल ट्रांजेक्शन का होना भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, यूपीआई आदि शामिल हैं। लगातार बढ़ रहे डिजिटल ट्रांजेक्शन से लेनदेन व भुगतान प्रक्रिया सुचारु होने के साथ ही पारदर्शिता भी बढ़ी है।

देश का मजबूत उपभोग तंत्र और औद्योगिकीकरण की बढ़ती गति का प्रमुख कारण तेजी से सुदृढ़ होता ढांचागत स्वरूप, लगातार सुधरता लॉजिस्टिक तंत्र एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। समावेशी विकास के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सुदूर ग्रामीण अंचलों तक करना आवश्यक है। साथ ही, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए ग्रामीण, कृषि, औद्यानिकी एवं वानिकी आधारित उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करना होगा। लगातार बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं से बाधित होती विकास की गति को बनाए रखने के लिए दीर्घकालीन समाधान के उपायों पर कार्य करना भी बड़ी चुनौती है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है।

सोशल फोरम

साहित्यकार आंद्रे जीड व दोस्तोएव्स्की का 'संवाद'

रात की ठंडी हवा में पेरिस की गलियों पर एक आदमी टहल रहा है। उसके चेहरे पर थकान है, पर आंखों में एक अजीब चमक। यह आंद्रे जीड हैं, अपने समय के सबसे बेचैन और खोजी साहित्यकार।

डॉ. सत्यजीत साहू
ब्लॉगर

वह बुदबुदाते हैं, "क्या कोई लेखक इतना गहरा हो सकता है कि हमें हमारी अपनी परछाइयों से मिला दे?" यह प्रश्न उन्हें बार-बार उसी ओर ले जाता है- फ़्योदोर दोस्तोएव्स्की।

किसी कैफे की मेज पर जीड बैठे हैं। सामने किताबों का ढेर, क्राइम एंड पनिशमेंट, द ब्रदर्स करमझोव, द इडियट। कॉफी का प्याला ठंडा हो चुका है, पर वह पन्नों में डूबे हैं।

"आंद्रे, तुम बार-बार इन रूसी किताबों में क्यों खो जाते हो? यूरोप में और भी महान लेखक हैं, शेक्सपियर, गेटे, पास्काल।"

"क्योंकि यहां, इन पन्नों में, मैं इंसान को उसकी पूरी सच्चाई में देखता हूं, उसकी कमजोरियों, उसके अपराधों, उसके भगवान और शैतान के बीच फंसे अस्तित्व को।"

जीड लिखते हैं, "पश्चिम में हमने साहित्य को अक्सर सजावट की कला बना दिया है। पर दोस्तोएव्स्की के यहां साहित्य चाकू की धार है। वह इंसान की हकीकत को परतों को काटता है, रक्त बहाता है और फिर घाव पर प्रकाश डालता है।"

वे मानते हैं कि दोस्तोएव्स्की को पढ़ना आसान नहीं है। यह ऐसा है मानो कोई आपको अंधेरे कमरे में धकेल दे और कहे, "अब देखो, यह तुम हो।"

एक रात जीड अपने कमरे में अकेले हैं। वे अपनी नोटबुक में दोस्तोएव्स्की से संवाद करते हैं।

जीडः "फ़्योदोर, तुम क्यों इतने क्रूर हो अपने पात्रों के साथ?"

दोस्तोएव्स्की (कल्पना में): "क्योंकि पीड़ा ही सत्य का रास्ता है। बिना पीड़ा के इंसान केवल मुखौटा है।"

जीडः "पर तुम्हारे पात्र टूटते-फूटते क्यों हैं?"

दोस्तोएव्स्कीः "टूटने में ही ईश्वर से मिलने की संभावना है। पूर्णता केवल ईश्वर में है, मनुष्य में नहीं।"

आंद्रे जीड अंततः लिखते हैं, 'दोस्तोएव्स्की ने मुझे यह सिखाया कि साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि जिंदगी का दार्शनिक सफर है और इस सफर में लेखक और पाठक दोनों को साहस चाहिए।'
-फेसबुक वाल से

सामयिकी

बिहार चुनावः मुद्दे से ज्यादा जातीय समीकरण हावी

इस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव प्रचार अपनी चरम सीमा पर है। बिहार में छः और 11 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए सभी दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। बिहार में इस चुनाव में मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों के बीच में है। एनडीए और महागठबंधन। एनडीए का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितीश कुमार कर रहे हैं, जबकि महागठबंधन की बागडोर लालू यादव और तेजस्वी यादव के हाथों में है। प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बिहार में दो सौ से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बिहार चुनाव में विभिन्न दलों द्वारा बहुत सारे लोक लुभावन वादे किए जा रहे हैं और बहुत सारे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जा रहे हैं,

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

मगर चुनाव में जातिवाद का मुद्दा इन सभी मुद्दों पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। सभी दलों का मुख्य फोकस जातीय समीकरणों को अपने पक्ष में साधने पर है। महागठबंधन की नजर जहां यादव, अल्पसंख्यक एवं अति पिछड़ा वर्ग के वोटरों पर है, तो वहीं एनडीए सामान्य जाति, कुर्मी, जनजाति एवं अति पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को अपने पाले में लाकर एक बार फिर सरकार बनाने की जुगत में है।

बिहार जाति जनगणना 2023 के अनुसार बिहार में यादव सबसे बड़ी जाति है। बिहार की कुल आबादी का लगभग 14.27% आबादी यादवों की है। इसके बाद अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत हैं। अन्य प्रमुख जातियों में ब्राह्मण 3.65 प्रतिशत राजपूत 3.45 प्रतिशत भूमिहारों की 2.86 प्रतिशत आबादी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 18 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यक समुदाय की है।

यदि हम बिहार की आबादी का धार्मिक विश्लेषण देखें, तो हम पाएंगे कि बिहार में लगभग 81 प्रतिशत आबादी बहुसंख्यक हिंदू समाज की है। अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय की भागीदारी लगभग 18 प्रतिशत है। शेष एक प्रतिशत आबादी अन्य अल्पसंख्यक जैसे ईसाई, जैन और बौद्ध समुदाय के लोगों की है। बिहार में सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, मगर सभी राजनीतिक दलों के बीच बड़ा दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। वर्तमान चुनावी परिप्रेक्ष्य में हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमता नजर आ रहा है। आज हर राजनीतिक दल का फोकस जातिगत समीकरण साधने पर है, इसलिए चुनाव में भी जातियों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के दंश से नहीं उबर पाया है।

सभी राजनीतिक पार्टियां अपनी चुनावी रणनीति जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर बनाती हैं। राजनीतिक दलों के विकास के तमाम दावे उस समय खोखले साबित हो जाते हैं, जब वे चुनाव में प्रत्याशियों की सूची जारी करते हैं। अधिकांश प्रत्याशी उसी जाति से होते हैं, जिस जाति के वोट उस विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक होते हैं। इन उलझे हुए जातिगत समीकरणों के कारण ही कोई भी राजनीतिक दल चुनाव में प्रत्याशी घोषित करते समय कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है और जातिगत समीकरणों के आधार पर ही प्रत्याशी घोषित करता है। जाति विशेष का होना प्रत्याशी की सबसे बड़ी विशेषता बन जाती है और ऐसे में कर्मठ, योग्य और जुझारू नेताओं पर जाति विशेष के प्रत्याशी को वरीयता दी जाती है। हम भले ही आधुनिकता और प्रगतिशीलता का कितना भी ढिंढोरा क्यों न पीट लें, मगर हमारा लोकतंत्र आज भी जातिगत समीकरणों के भंवर में उलझा हुआ है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

मोबाइल की लत से अराजक होता बचपन

अत्याधुनिक तकनीक से जहां दुनिया करीब आई है, वहीं बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत वर्तमान में एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अत्यधिक या अनुचित उपयोग बच्चों में कई नकारात्मक घटनाओं का कारण बन सकता है। फ्री फायर जैसे हिंसात्मक या फाइटिंग गेम्स खेलने से बच्चों में आक्रामकता, चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ रहा है। सोशल इंटरेक्शन की कमी के कारण सामाजिक व्यवहार में बदलाव आता है। छोटे बच्चे वाले अधिकांश घरों में स्थिति एक जैसी है, अभिवावक सबकुछ समझते हुए अनजान बने हुए हैं, मगर हाल की कुछ घटनाएं और ओपीडी में बढ़ने वाली बच्चों की संख्या से, एक बार फिर मोबाइल गेम्स की लत और उसके गंभीर दुष्प्रभावों पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

-पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

गेम की लत बना रही बच्चों को चिड़चिड़ा

मोबाइल गेम्स की लत बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है। हालांकि किसी विशेष मामले में बिना पूरी जानकारी के सटीक टिप्पणी करना संभव नहीं है, लेकिन सामान्य तौर पर देखा गया है कि लगातार मोबाइल पर गेम खेलने वाले बच्चों में नकारात्मकता, चिड़चिड़ापन और आक्रामकता जैसे लक्षण तेजी से उभरते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर इंपल्सिव यानी बिना सोचे-समझे निर्णय लेने वाले हो जाते हैं। उनके भीतर गुस्सा, धैर्य की कमी, और याददाश्त में कमी जैसे मानसिक बदलाव दिखाई देते हैं। साथ ही पढ़ाई में मन न लगना, एक आम समस्या बनती जा रही है। अभिभावकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा दिनभर में कितनी देर मोबाइल इस्तेमाल कर रहा है। सलाह दी कि बच्चों को अलग से मोबाइल फोन नहीं देना चाहिए। यदि पढ़ाई के लिए मोबाइल की आवश्यकता हो, तो वह परिवार का साझा मोबाइल होना चाहिए, जिसे बच्चा अकेले कमरे में ले जाकर उपयोग न कर सके। मोबाइल का इस्तेमाल ऐसे माहौल में होना चाहिए, जहां अन्य सदस्य भी मौजूद हों। सही मार्गदर्शन से ही बच्चों को इस डिजिटल लत से बचाया जा सकता है।

-डॉ. आदर्श त्रिपाठी, बाल मानसिक रोग विशेषज्ञ, केजीएमयू

मोबाइल बन रहे बच्चों के लिए नशा, बढ़ रही समस्याएं

जैसे शराब और सिगरेट का नशा धीरे-धीरे बढ़ता है, वैसे ही मोबाइल गेमिंग की लत भी बच्चों में गहराती जाती है। शुरुआत में बच्चा 10 मिनट गेम खेलकर जितना संतुष्ट होता है, कुछ समय बाद वही संतुष्टि पाने के लिए उसे आधा घंटा, फिर कई घंटे तक खेलना पड़ता है। यह एक प्रकार का नशा है, जो मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों में बच्चों को प्रभावित करता है। इनमें हिंसा, गोलीबारी और अत्यधिक उत्तेजना वाले कई लेवल होते हैं, जिससे खेलने के दौरान बच्चे में अचानक उत्तेजना बढ़ जाती है, हृदय गति तेज हो जाती है और गंभीर स्थिति में हृदयाघात (हार्ट फेल) तक हो सकता है। इसलिए उन्होंने अभिवावकों को चेताया कि यदि बच्चा पढ़ाई से दूरी बना रहा हो, मोबाइल पर ज्यादा समय बिता रहा हो और परिवार या दोस्तों से बातचीत कम कर रहा हो, तो यह संकेत हो सकते हैं कि वह अवसाद या गेमिंग डिस्आर्डर का शिकार हो रहा है। इस स्थिति में अभिभावकों को चाहिए कि बच्चे के साथ अधिक समय बिताएं, उसकी दिनचर्या पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें।

-डॉ. दीप्ती सिंह, मनोचिकित्सक, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल

मोबाइल गेम्स से पड़ने वाले दुष्प्रभाव

- गेम्स ऐप पर्चेज करने को बच्चे माता-पिता की अनुमति के बिना भी पैसे खर्च कर देते हैं।
- ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार होकर बच्चों ने माता-पिता के बैंक अकाउंट तक खाली कर दिए।
- फ्री फायर व पब जैसे गेम्स खेलने से रोके जाने पर बच्चों में बढ़ती है आत्महत्या की प्रवृत्ति।
- मोबाइल गेम्स खेलने से मना किए जाने पर हमला करने पर भी उतारू हो जाते हैं बच्चे।

मोबाइल की लत के लिए अभिभावक भी जिम्मेदार

आधुनिक परिवेश में बच्चों को खेलने की बजाय मोबाइल पकड़ा देना एक आम प्रवृत्ति बन चुकी है, जो भविष्य में गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं का कारण बनती जा रही है। आजकल मोबाइल देखकर खाना खाते हैं, दूध-पानी पिलाया जाता है, यानी बच्चे मोबाइल लेकर ही बड़े हो रहे हैं। बच्चा शुरुआत से ही गैजेट के प्रति आकर्षित हो रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह नशा माता-पिता खुद ही बच्चों में डाल रहे हैं। अभिभावकों को खुद पर नियंत्रण रखना होगा। यदि किसी कारणवश बच्चे को घर पर अकेला छोड़ना पड़े, तो बेहतर होगा कि घर में इंटरनेट की सुविधा सीमित कर दी जाए। इसके लिए वाई-फाई का पासवर्ड बदलना या स्पीड कम करने जैसे तकनीकी उपाय किए जा सकते हैं। साथ ही माता-पिता को चाहिए कि बच्चों की आदतों और दिनचर्या पर नजर रखें। यदि बच्चा लगातार मोबाइल में ही व्यस्त रहता है, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसकी जगह उन्हें मैदान में खेलने और लोगों के संपर्क में रहने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे वे सामाजिक रूप से सक्रिय रहें और अवसाद से दूर रहें।

-डॉ. देवाशीष शुक्ल, बलरामपुर अस्पताल, चिकित्सा अधीक्षक एवं मानसिक रोग विशेषज्ञ

बम से ज्यादा धमक पिता जी की आंखों में थी

पलछिन

बात उन दिनों की है, जब हमारी उम्र यही कुछ 10-12 वर्ष की रही होगी। घर में सात भाई बहन हैं। जाहिर है कि खूब धमाचौकड़ी होती थी। त्योहारों पर तो स्कूलों की छुट्टियां हो जाती थीं और दिन भर सिर्फ खेलना व मस्ती करना होता था। दीपावली पर स्कूल की छुट्टियां हो गईं। वैसे तो पिता जी (शिवनाथ सक्सेना) मना करते थे कि घर पर कोई पटाखा नहीं जलाएगा, लेकिन हम बच्चे कहां मानने वाले। उन दिनों बच्चे चटाई, लक्ष्मी बम और सुतली बम के दीवाने होते थे। हम भाई बहन भी सुतली बम खरीद लाए। सुतली बम बड़ा धमाका करता था। इस बम की एक धमक से घर तो घर, मोहल्ले के घरों के बर्तन गिर जाते थे। पिता जी दफ्तर गए और हमने दिन में पटाखे चलाना शुरू कर दिए। घर के आंगन में ही पटाखा बजा रहे थे। मां जी डांटती थीं लेकिन बच्चों की खुशी देखकर वह भी धमाके में बच्चों की हंसी-खुशी का आनंद लेती थीं। पटाखे चलाते-चलाते शाम के साढ़े पांच बज चुके थे और हमें ध्यान नहीं रहा कि पिता जी का दफ्तर से आने का समय हो गया। हम घर के घेर (आंगन) में पटाखे जला रहे थे कि दरवाजे की कुंडी बजी और पिता जी घर में घुस गए। बड़े भाई-बहन तो कुंडी की खटखट से भांप गए और कमरे में भाग गए और किताबें खोलकर पढ़ने लगे। हम पटाखे जलाने में इतना डूबे हुए थे कि पता ही नहीं चला कब पिता जी घेर में हमारे पीछे आकर खड़े हुए। जैसे ही हमने उनकी आंखों में देखा तो बम के धमाके से ज्यादा धमक पिता जी आंखों में थी। अब समझ नहीं आया क्या करें, पटाखे नाली में फेंके और खुद भी गिर गए और पिता जी को देखते हुए कमरे में भागे और बस्ता निकाल कर किताबें खोलकर पढ़ना शुरू कर दिया। इस बार दिवाली पर जब घर गए तो मोहल्ले में बच्चों के सुतली बमों ने पिता जी की याद दिला दी।

डॉ. अतुल सक्सेना
वरिष्ठ चिकित्सक
राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी

लव बड्र्स

मोहब्बत जो वक्त से जीत गई

कहते हैं, कुछ कहानियां वक्त नहीं, एहसास लिखते हैं। ऐसी ही एक कहानी है शिवेंद्र और दिव्या की, जिसमें न सिर्फ प्यार है, बल्कि संघर्ष, जिद्द और उस मुस्कुराहट की मिठास भी है, जो हर रिश्ते को जिंदा रखती है। शिवेंद्र और दिव्या की मुलाकात किसी फिल्मी अंदाज में नहीं हुई थी, पर जो हुआ वो दिल के इतने करीब था कि याद बन गया। कॉलेज के दिनों में जब शिवेंद्र ने पहली बार दिव्या को देखा, तो बस एक पल को लगा, "यही है वो", लेकिन उस 'एक पल' को रिश्ते में बदलने के लिए उन्हें वक्त, हिम्मत और बहुत सारी कोशिशें करनी पड़ीं। दिव्या का सादापन और उसकी मुस्कान, दोनों में एक सुकून था। वहीं शिवेंद्र की बातों में वो अपनापन था, जो किसी को भी खींच ले। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे बातों, मुलाकातों और इंतजारों में बदलती चली गई। हर दिन एक नया बहाना ढूंढना, हर बार एक नया कारण बनाना कि कहीं न कहीं मिल सकें। यही उनका रोजमर्रा का रोमांच बन गया था।

रूठने-मनाने का सिलसिला तो जैसे इनकी कहानी की धड़कन थी। दिव्या की नाराजगी अक्सर बेवजह होती, पर शिवेंद्र को उसे मनाने का हर बहाना अच्छा लगता था। कभी एक छोटी-सी चॉकलेट, कभी एक नोटबुक के बीच रखा खत, तो कभी बस एक चुप्पी में भरा माफीनामा- यही था उनका प्रेम का तरीका, लेकिन जब बात शादी तक पहुंची, तब जिंदगी ने उनकी परीक्षा ली। घरवालों को मनाना, समाज की नजरों से लड़ना, अपने सपनों को संभालते हुए रिश्ते को बचाना- दोनों के लिए आसान नहीं था। दिव्या के घर में हजार सवाल और शिवेंद्र के मन में सिर्फ एक जवाब- "वो मेरी जिंदगी है।" कई रातें बेचैनी में गुजरीं, कई दिन उम्मीद में। कभी सब ठीक लगता, तो कभी सब बिखरता नजर आता, लेकिन दोनों ने तय कर लिया था कि हार नहीं माननी। शादी की तारीख तय होने तक दोनों के दिलों में जैसे तूफान था- कहीं कुछ रुक न जाए, कहीं ये सफर अधूरा न रह जाए। फेरों के दिन जब शिवेंद्र ने दिव्या की आंखों में देखा, तो वहां सिर्फ आंसू नहीं थे- वहां सालों की जद्दोजहद, इंतजार और जीत की चमक थी।

जब पंडित ने कहा "सप्तपदी पूर्ण हुई", तो ऐसा लगा जैसे वक्त ठहर गया हो। हर धड़कन ने कहा- "अब सब ठीक है।" आज सालों बाद भी जब शिवेंद्र और दिव्या अपनी पुरानी तस्वीरें देखते हैं, तो चेहरे पर वही मुस्कान लौट आती है। वो कहते हैं- "प्यार वही सच्चा है, जो वक्त से डरता नहीं और रिश्ते वही मुकम्मल हैं, जो रूठने-मनाने में टूटते नहीं।" उनकी कहानी इस बात का सबूत है कि मोहब्बत अगर सच्ची हो, तो मंजिल देर से सही, पर मिलती जरूर है। फोटो चाहे पुरानी हो या नई, पर उनकी कहानी हर फ्रेम में मुस्कुरा रही है। क्योंकि शिवेंद्र और दिव्या ने सिर्फ एक-दूसरे से नहीं, जिंदगी से भी मोहब्बत की है।

-शिवेंद्र और दिव्या
कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,938.71	25,722.10
गिरावट	465.75	155.75
प्रतिशत में	0.55	0.60

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 1 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

व्यवसाय तीन साल से लंबित जीएसटी रिटर्न नहीं भर पाएंगे

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि व्यवसाय नवंबर कर अवधि से तीन साल या उससे अधिक समय के लिए देय जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने कहा कि सभी जीएसटी-पंजीकृत व्यवसायों के लिए मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिटर्न नियत तिथि से तीन साल की समाप्ति के बाद दाखिल करने पर रोक लगा दी जाएगी। यह प्रतिबंध जीएसटी मंच पर नवंबर 2025 कर अवधि से लागू किया जाएगा, जिसका मतलब है कि कोई भी रिटर्न जिसकी देय तिथि तीन साल या उससे अधिक पहले थी और नवंबर कर अवधि तक दाखिल नहीं किया गया है, उसे दाखिल करने से रोक दिया जाएगा।

स्थानीय निकायों को भी रेरा के दायरे में लाया जाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अध्यक्ष आनंद कुमार ने रेरा को ज्यादा शक्तियां देने की वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि उसके पास स्थानीय निकायों को भी निर्देश देने का अधिकार होना चाहिये। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा भारतीय रियल एस्टेट के विकास पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रेरा बनने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसमें अब भी कुछ कमियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए।

एप्पल ने भारत में सर्वकालिक अधिकतम राजस्व किया दर्ज

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारत में अब तक का रिकॉर्ड राजस्व कमाया है। यह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में मजबूत वृद्धि का संकेत है, जहां प्रौद्योगिकी दिग्गज खुदरा उपस्थिति एवं स्थानीय विनिर्माण को बढ़ा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि एप्पल ने इस तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत अधिक कुल 102.5 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन ने दिया सुझाव, निर्यात में भी विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत को निर्यात में विविधता लानी चाहिए और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज करनी चाहिए। साथ ही अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के लिए उसके साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए।

देव ने 'प्रथम आईएसआईडी@40 विशिष्ट व्यक्ति व्याख्यान' को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा नीतियों एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कई अवसर हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है विनिर्माण के लिए भारत की व्यापार नीति एशिया, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, कुछ विकसित देशों में निर्यात में विविधता लाने, एफटीए को तेज करने और अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की होनी चाहिए। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि नियम-आधारित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदैव संरक्षणवाद से बेहतर है।

उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका, भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका ने 22 अक्टूबर को रूस की दो सबसे बड़ी कच्चा तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे। साथ ही सभी अमेरिकी संस्थाओं और लोगों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने पर रोक दिया गया है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क के अतिरिक्त है। कुल मिलाकर भारतीय सामानों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लग रहा है। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे आकार का कोई भी उभरता हुआ बाजार मजबूत निर्यात वृद्धि के बिना एक दशक या उससे अधिक समय तक सात या आठ प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ा है। देव ने कहा, 1700 में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कुछ अनुमानों से पता चलता है कि 2043 तक विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। सुधार के बाद के पिछले तीन दशकों में भारत की औसत वृद्धि दर छह से 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है।

निवेश दर वृद्धि की चालक, 35% होनी चाहिए

एस महेंद्र देव ने निवेश दर को वृद्धि का चालक बताते हुए कहा, भारत को सात प्रतिशत वृद्धि दर प्राप्त करने के लिए निवेश दर को वर्तमान 31-32 प्रतिशत से बढ़ाकर 34-35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अधिक निवेश करना चाहिए क्योंकि अब दोहरे बही-खाते की कोई समस्या नहीं है। देव ने कहा, सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है। इसका कई गुना प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी मांग बढ़ने से निजी निवेश में वृद्धि होगी।

> भारत में 200 से 500 कर्मचारियों वाली कई और मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयां होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में अन्य बातों के अलावा, बड़ी समस्या यह है कि अधिकतर कंपनियां 10 से कम श्रमिकों के साथ काम कर रही हैं और उनका आकार छोटा है। - एस महेंद्र देव

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी

- 6.925 अरब डॉलर घटकर 695.355 डॉलर रह गया

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रह गया। इसके एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.49 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर हो गया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.86 अरब डॉलर घटकर 566.54 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.01 अरब डॉलर घटकर 105.536 अरब डॉलर रह गया।

इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.66 अरब डॉलर रह गए। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.608 अरब डॉलर हो गया।

पहली छमाही में केंद्र का राजकोषीय घाटा बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में राजकोषीय घाटा 2024-25 के बजट अनुमान का 29 प्रतिशत था। मौजूदा कीमतों पर 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 5,73,123 करोड़ रुपये रहा। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

फोर्ड चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- नए निवेश के बाद 2.35 लाख होगी प्लांट की वार्षिक क्षमता

अमेरिकी वाहन विनिर्माता कंपनी फोर्ड ने नई पीढ़ी के इंजन बनाने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में घोषणा की गई। इसके बाद संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन हो जाएगी।

मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें रणनीतिक दिशा को रेखांकित किया गया है जो फोर्ड+ योजना के तहत भारत की विनिर्माण विशेषज्ञता का लाभ उठाती है। इससे पहले कंपनी 2021 में भारतीय बाजार से बाहर निकल गई थी। फोर्ड ने बयान में कहा कि इस वर्ष के अंत में शुरू होने वाली परियोजना में तैयारी और निवेश के बाद चेन्नई संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन होगी।

इसमें 2029 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया, 3,250 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अपेक्षित निवेश के साथ इस परियोजना से 600 से अधिक नौकरियों के साथ-साथ पूरे उद्योग में अप्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। फोर्ड मोटर कंपनी के अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय बाजार समूह) जेफ मैरेंटिक ने कहा, हमें अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने और फोर्ड के विनिर्माण नेटवर्क में चेन्नई संयंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।

शेयरों की बिकवाली से सेंसेक्स में 466 अंकों की गिरावट

मुंबई। निजी बैंकों के शेयरों में बिकवाली और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को स्थानीय बाजार लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स लगभग 466 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 156 अंकों की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 465.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 498.8 अंक गिरकर 83,905.66 अंक तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.75 अंक या 0.60 प्रतिशत गिरकर 25,722.10 पर आ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर स्पष्टता की कमी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सेबी:110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये पद सामान्य, विधि, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, आधिकारिक भाषा और इंजीनियरिंग के लिए ग्रेड ए अधिकारी के हैं। सामान्य वर्ग में 56 पद, सूचना प्रौद्योगिकी के लिए 22, विधि के लिए 20, अनुसंधान के लिए चार, राजभाषा के लिए तीन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए दो और इंजीनियरिंग (सिविल) के लिए तीन पद हैं। अभ्यर्थी 28 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रदूषण से मौतें कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाए भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- लैंसेट काउंटडाउन ने कहा- बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से ये आसान

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी क्षमताएं उसे कोयले से स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने का अनूठा अवसर देती हैं। लैंसेट काउंटडाउन की एक शीर्ष अधिकारी ने यह उम्मीद जताते हुए नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक सरकारी निवेश का आग्रह किया ताकि भारत में प्रदूषण से होने वाली मौतों को कम किया जा सके।

लैंसेट काउंटडाउन की कार्यकारी निदेशक मेरीना बेलेन रोमानेलो ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में काम करने की काफी गुंजाइश है। उन्होंने जोर दिया कि इन उपायों से नागरिकों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होंगे। रोमानेलो ने कहा, भारत एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभर रहा है और स्थानीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी नवाचार में इसकी उन्नत क्षमताएं इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। कोयले महंगा और अत्यधिक प्रदूषणकारी है, और इससे स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए पर्याप्त निवेश और मजबूत सरकारी समर्थन की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार के प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पूरी क्षमता हासिल करने के लिए इसे और मजबूत करना चाहिए। 'द लैंसेट' पत्रिका की एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार मानव-जनित पीएम2.5 प्रदूषण के कारण 2022 में भारत में 17 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2010 से 38% अधिक है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग से 44% मौतें हुईं। मृत्यु दर की गणना का तरीका पूछने पर रोमानेलो ने बताया कि ये पद्धतियां आंकड़ों को जोड़ती हैं जो बताती हैं कि दुनिया के हिस्सों में कितना प्रदूषण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंकड़े भले ही अनुमान पर आधारित हैं, लेकिन वैज्ञानिक विधियों के आधार पर वायु प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी समझ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रीय

राजग सत्ता में लौटा तो यूपी की तरह बिहार में भी माफिया का अंत करेंगे

सीवान की चुनावी जनसभा में बोले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सीवान/वैशाली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कांग्रेस तथा राजद पर देश की सांस्कृतिक विरासत के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि राजग के सत्ता में लौटने पर उत्तर प्रदेश की तरह बिहार से भी माफिया का अंत कर दिया जाएगा। योगी ने यह दावा भी किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल न होने की सलाह देकर देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद का अपमान किया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सीवान, वैशाली और भोजपुर में तीन सभाओं को संबोधित किया। योगी ने कहा, कांग्रेस को बिहार की जनता ने इसलिए खारिज किया क्योंकि उसने सरदार वल्लभभाई पटेल, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और कर्पूरी ठाकुर जैसे महापुरुषों का अपमान किया। यहां तक कि बिहार के ही रहने वाले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को भी कांग्रेस ने अपमानित किया था। उन्होंने दावा किया, जब राजेंद्र बाबू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निर्णय लिया, तब कांग्रेस के प्रधानमंत्री नेहरू ने उनसे कहा कि वे वहां न जाएं। लेकिन राजेंद्र बाबू के लिए यह आस्था का विषय था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा देना पसंद करेंगे, लेकिन समारोह में जाना नहीं छोड़ेंगे।

कांग्रेस पर देश में गरीबी और पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए योगी ने कहा कि यह पार्टी ब्रिटिश हुकूमत की उत्तराधिकारी है, जिसने भारतीय उद्योगों और कारीगरी को नष्ट कर दिया। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टी राजद ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विरासत का अपमान किया है। उन्होंने राम रथ यात्रा के दौरान भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि इन्होंने भगवान राम के रथ को भी रोक दिया था।

अंधकार युग और विकास युग में मुकाबला: नड्डा

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राजद के जंगलराज वाले अंधकार युग और राजग के विकासमय उजाले के बीच की लड़ाई है। पटना जिले के बिक्रम में एक चुनावी सभा में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ा है और हमें इस राह को सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा, राजग के चुनाव घोषणा पत्र में एक करोड़ सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगार अवसरों की गारंटी दी गई है। अगर गठबंधन दोबारा सत्ता में आता है तो बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। नड्डा ने बताया कि घोषणा पत्र में किसानों के लिए 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' का नाम बदलकर कर्पूरी ठाकुर सम्मान निधि करने का भी प्रस्ताव है, जिसके तहत किसानों को साल भर में तीन बराबर किस्तों में कुल 9,000 रुपए मिलेंगे। पहले किसानों को तीन बार 2,000 रुपए की किस्त दी जाती थी। राजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राजद का मतलब है-रंगदारी, जंगलराज और दबंगई।

मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगे: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के लिए यही संगठन जिम्मेदार है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका व्यक्तिगत विचार है। खरगे ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, मेरा व्यक्तिगत विचार है और खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो चीजें आरएसएस को लेकर हमारे सामने रखी हैं, अगर उसकी मर्यादा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रखते हैं तो यह प्रतिबंध होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, आज देश में जो गड़बड़ियां हो रही हैं और कानून-व्यवस्था की समस्यां पैदा हो रही हैं, ये सब भाजपा और आरएसएस की वजह से हैं।

एसपी की मंजूरी के बिना वकीलों को तलब नहीं कर सकेंगे जांच अधिकारी

सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज किए अब तक भेजे गए समन

नई दिल्ली, एजेंसी

वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार की रक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जांच एजेंसियों को मुवक्किलों को सलाह देने के वास्ते वकीलों को मनमाने ढंग से तलब करने पर रोक लगाने के लिए कई निर्देश जारी किए और कहा कि जांच अधिकारी उन्हें तब तक नहीं बुला सकते जब तक कि पुलिस अधीक्षक की मंजूरी न हो।

ईडी की ओर से वकीलों को भेजे गए समन को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह उन आरोपियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जिन्होंने वकीलों को पैरवी के लिए चुना था। पीठ ने कहा कि उसने वकीलों की सुरक्षा के लिए नियम में छूट को सुसंगत बनाने का अनुरोध किया है और जांच एजेंसियों के अनुचित दबाव से कानूनी पेशे की रक्षा के लिए नए निर्देश जारी किए हैं।

ईडी ने भेजे थे समन

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने ईडी की ओर से धन शोधन जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद स्वत: संज्ञान मामले में यह फैसला सुनाया।

दिल्ली दंगों से मेरे संबंध का कोई सबूत नहीं: खालिद

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में जमानत का आग्रह करते हुए कार्यकर्ता उमर खालिद ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हिंसा से उसके संबंध का कोई सबूत नहीं है तथा उसके खिलाफ लगाए गए साजिश के आरोप गलत हैं। खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि दिल्ली दंगों से उसे जोड़ने वाले धन, हथियार या किसी भी भौतिक साक्ष्य की कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 751 प्राथमिकी हैं, एक में मुझ पर आरोप लगाया गया है, और अगर यह एक साजिश है, तो यह आश्चर्यजनक है। जिन तारीखों को दंगे हुए, वह दिल्ली में नहीं था। उसके खिलाफ कोई साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है।

सीएपीएफ : केंद्र की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। केंद्र को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर पुनर्विचार की याचिका खारिज कर दी है जिसमें निर्देश दिया गया था कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति कम कर छह महीने में कैडर समीक्षा की जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 23 मई के फैसले की समीक्षा का आग्रह किया गया था।

सिर्फ 26 सेकेंड में घोषणापत्र, नीतीश भी नदारद

पटना। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शुक्रवार को राजग पर तीखा हमला बोलते हुए बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी उनके संकल्प पत्र को को झूठ का पुलिंदा बताया।

गहलोत एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजग का संकल्प पत्र 2025 केवल 26 सेकंड में जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में यह मीडियाकर्मियों के जीवन का सबसे छोटा संवाददाता सम्मेलन था। कांग्रेस नेता ने घोषणापत्र जारी होने के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की औपचारिक उपस्थिति पर सवाल उठाए और कहा कि अगर नीतीश कुमार बिहार में राजग का नेतृत्व कर रहे हैं तो उन्होंने खुद घोषणापत्र क्यों नहीं जारी किया। क्या वह लोगों का सामना करने या सवालों के जवाब देने की स्थिति में नहीं हैं। गहलोत ने राजग के दस्तावेज़ को झूठे वादे बताते हुए याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, कि प्रधानमंत्री ने चंपारण की एक बंद पड़ी चीनी मिल को पुनः शुरू करने का वादा किया था और कहा था कि अगली बार उसी चीनी मिल में बनी चीनी की चाय पिएंगे, लेकिन बाद में अपना वादा भूल गए। कांग्रेस के नेता ने राजग सरकार पर पिछले दो दशकों में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि रोज़गार, औद्योगिक विकास, महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण से जुड़े राजग के वादे खोखले साबित हुए थे।

- गहलोत ने राजग के घोषणापत्र को बताया झूठ का पुलिंदा

डीजीपी से जन सुराज पार्टी समर्थक की हत्या पर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मोकामा में जन सुराज पार्टी के एक समर्थक की हत्या के मामले में शुक्रवार को बिहार के पुलिस महानिदेशक से रिपोर्ट मांगी।

विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा में तनाव व्याप्त हो गया है। मोकामा से राजद उम्मीदवार वीणा देवी की कार पर शुक्रवार को पथराव किया गया। डीजीपी को जल्द से जल्द चुनाव अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है।

दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15% मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज संस्था ने किया आंकड़ों का विश्लेषण

वायु प्रदूषण दिल्ली के लोगों के लिए सबसे बड़ा स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है जो वर्ष 2023 में मौत के सभी मामलों में से लगभग 15 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। नवीनतम 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) के आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है।

इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) ने इस महीने की शुरुआत में जारी जीबीडी 2023 के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि आसपास के परिवेश में मौजूद प्रदूषण कणों के संपर्क में आने से 2023 में दिल्ली में 17,188 लोगों की मौत होने का अनुमान है। इसका मतलब है कि दिल्ली में हर सात में से एक व्यक्ति की मौत प्रदूषित हवा से जुड़ी थी। हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि वायु प्रदूषण और मौत के मामलों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण के बाद वर्ष 2023 में दिल्ली में होने वाले मौत के अन्य प्रमुख जोखिम वाले कारकों में उच्च सिस्टोलिक रक्तचाप (14,874 लोगों की मौत या 12.5%), लंबी अवधि तक बिना खाए रहने से जुड़ी शर्करा या मधुमेह की स्थिति (10,653 लोगों मौत या नौ%), उच्च कोलेस्ट्रॉल (7,267 लोगों की मौत या छह%) और उच्च बॉडी-मास इंडेक्स (6,698 लोगों की मौत या 5.6%) शामिल थे। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) के शोधकर्ताओं ने हालिया जीबीडी आंकड़े का विश्लेषण किया।

सीआरईए ने कहा कि साल-दर-साल उतार-चढ़ाव के बावजूद प्रदूषक कणों के कारण होने वाली मौत लगातार अत्यधिक बनी हुई है जो अक्सर उच्च रक्तचाप या मधुमेह से जुड़ी मौत से अधिक होती हैं।

> वायु प्रदूषण सिर्फ एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, यह जन स्वास्थ्य संकट है जिसके लिए प्रदूषणकारी क्षेत्रों में विज्ञान आधारित कार्रवाई की जरूरत है ताकि वास्तविक और मापने योग्य प्रदूषण में कमी लाई जा सके। - सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार

> वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है और यह चिंता का विषय है लेकिन इसे मृत्यु दर का एकमात्र कारण मानना वैज्ञानिक रूप से सटीक नहीं है। - केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह राज्यसभा में।

जीबीडी अध्ययन दुनिया की सबसे व्यापक शोध परियोजनाओं में एक है जो सभी देशों में आकलन करता है कि लोगों की मृत्यु कैसे होती है और किन कारणों से वे बीमार पड़ते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

वित्तमंत्री सीतारमण की भूटान यात्रा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की भूटान की आधिकारिक यात्रा मौसम खराब होने के कारण रद्द कर दी गई है। सीतारमण पड़ोसी देश के साथ साझेदारी को मजबूत करने के लिए भूटान की चार दिनों की आधिकारिक यात्रा पर गुरुवार को रवाना हुई थीं। वह वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थीं। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भूटान के पारो में खराब मौसम के कारण आधिकारिक यात्रा रद्द कर दी गई है।

30 फलस्तीनियों के शव इजराइल ने सौंपे

यरुशलम। इजराइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा में फलस्तीनी चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष इजराइल को सौंपे जाने के एक दिन बाद इन शवों को सौंपा गया है। अवशेषों की यह अदला-बदली युद्धविराम के बाद हुई है। इजराइल की सेना ने गुरुवार को कहा कि फलस्तीनी चरमपंथियों ने दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं।

शंघाई-दिल्ली के बीच बढ़ेगी उड़ान संख्या

नई दिल्ली। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस अगले साल 02 जनवरी से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाकर सप्ताह में पांच करेगी। एयरलाइंस ने इससे पहले 09 नवंबर 2025 से दोनों शहरों के बीच सप्ताह में तीन उड़ानों की घोषणा की थी जिसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भविष्य में उसकी योजना चीन के कुनमिंग से कोलकाता और शंघाई पुर्डोंग से मुंबई के लिए उड़ानें शुरू करने की है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के समय साल 2020 में भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। पांच साल बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच उड़ानों का परिचालन शुरू हुआ है।

विमान की आपात लैंडिंग, कई घायल

टाम्पा (अमेरिका)। मेक्सिको से आ रही विमानन कंपनी 'जेटब्लू' की एक उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो जाने के कारण उसे फ्लोरिडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा और घायल हुए कई यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। कैनकन से न्यू जर्सी के नेवार्क जा रही उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो गई। संघीय उड्डयन प्रशासन जांच कर रहा है। एफएए के अनुसार, एयरबस ए320 को अपराह्न करीब दो बजे टाम्पा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए मोड़ दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोग घायल हुए हैं या उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं।

ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू से वापस ली गईं सभी शाही उपाधियां

टूवूम्बा (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- ज्यूफ्रे की आत्मकथा के बाद किंग चार्ल्स ने उठाया कदम

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स ने अपने भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी शाही उपाधियां और सम्मान वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अब उन्हें केवल एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। यह कदम वर्जीनिया ज्यूफ्रे की मरणोपरांत प्रकाशित आत्मकथा 'नोबॉडीज़ गर्ल' के जारी होने के बाद उठाया गया है।

इस पुस्तक में ज्यूफ्रे ने जेफ्री एप्सटीन और गिसलेन मैक्सवेल के लिए दो वर्ष तक यौन दास के रूप में बिताए अपने जीवन का विस्तृत विवरण दिया है। 41 वर्षीय ज्यूफ्रे ने इस वर्ष अप्रैल में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के अपने फार्महाउस में आत्महत्या कर ली थी। महाराजा चार्ल्स के आदेश के तहत, एंड्रयू को रॉयल लॉज आवास खाली कर निजी आवास में स्थानांतरित होना होगा। बकिंघम पैलेस ने कहा कि यह निर्णय राजघराने की गरिमा के लिए लिया गया है। ज्यूफ्रे के परिवार ने कहा कि वह सच्चाई और अद्भुत साहस के साथ एक ब्रिटिश राजकुमार को गिराने में सफल रही।

क्लाउड सीडिंग

प्रदूषण नियंत्रण में कितनी कारगर है यह तकनीक

कृत्रिम बारिश या क्लाउड सीडिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसमें वायुमंडल में बारिश कराने के लिए सिल्वर आयोडाइड नैनोकणों, आयोडीन युक्त नमक और सूखी बर्फ जैसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक स्थायी समाधान नहीं है। इसके लिए हमें प्रदूषण के मूल कारणों पर काम करना होगा और स्थायी समाधान ढूंढने होंगे आइए जानते हैं कि यह तकनीक कैसे काम करती है और कहां-कहां हुआ है इसका प्रयोग...।

क्लाउड सीडिंग कैसे काम करती है?

क्लाउड सीडिंग में रसायनों को विमान या जमीन पर लगे उपकरणों के माध्यम से बादलों में छिड़का जाता है, जिससे बादलों में मौजूद जलवाष्प संघनित होकर बारिश के रूप में गिरता है। यह प्रक्रिया वायुमंडल में मौजूद प्रदूषकों को भी हटा सकती है।

प्रदूषण कम करने में मददगार : कृत्रिम बारिश प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक अल्पकालिक समाधान है। दिल्ली में हुए एक प्रयोग में क्लाउड सीडिंग के बाद प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई, लेकिन बारिश नहीं हुई।

सफलता के कई कारक : क्लाउड सीडिंग की सफलता के लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। मौसम की स्थिति का अनुकूल होना जरूरी है। क्लाउड की गुणवत्ता का अच्छा होना जरूरी है, उपयोग किए जाने वाले रसायनों की मात्रा का सही होना जरूरी है।

चुनौतियां और अनिश्चितताएं

क्लाउड सीडिंग के परिणाम अनिश्चित हो सकते हैं और इसके लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंताएं हो सकती हैं, जैसे कि जल चक्र पर इसका प्रभाव। क्लाउड सीडिंग के नैतिक मुद्दे भी हो सकते हैं, जैसे कि इसके उपयोग के अधिकार और इसके प्रभावों की जिम्मेदारी।

अब तक कहां-कहां हुआ प्रयोग

- चीन : चीन हर साल बड़े पैमाने पर क्लाउड सीडिंग करता है, जिसमें बीजिंग ओलंपिक 2008 से पहले इसका उपयोग किया गया था।
- संयुक्त अरब अमीरात : यूएई नियमित रूप से रेगिस्तानी इलाकों में इस तकनीक का इस्तेमाल करता है ताकि बारिश और नमी बनी रहे।
- अमेरिका : अमेरिका ने जल संकट वाले क्षेत्रों में क्लाउड सीडिंग का उपयोग किया है।
- भारत : भारत में 1980 के दशक में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए थे, लेकिन सीमित सफलता मिली।
- पाकिस्तान : पाकिस्तान ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है, जिसमें लाहौर में प्रदूषण कम करने के लिए इसका उपयोग किया गया था।

भविष्य के लिए एक संभावित उपाय

- जल संसाधन प्रबंधन : क्लाउड सीडिंग जल संसाधनों को बढ़ाने और सूखे की स्थिति से निपटने में मदद कर सकती है।
- कृषि : क्लाउड सीडिंग कृषि के लिए फायदेमंद हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां बारिश की कमी होती है।
- प्रदूषण नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद कर सकती है, खासकर शहरी क्षेत्रों में।
- मौसम नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग मौसम को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है, तूफान या ओलावृष्टि को कम करने में।

भारत में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग

- तमिलनाडु सरकार ने 2003 में क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया था ताकि सूखे की स्थिति से निपटा जा सके। महाराष्ट्र सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है ताकि बर्फबारी को बढ़ाया जा सके। दिल्ली में भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए हैं ताकि प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक

परमाणु शक्ति संपन्न अन्य देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की आशंका

शुरू हो सकती है नई होड़

मेलबर्न, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को अन्य देशों के समान आधार पर परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक कदम होगा।

विश्लेषकों के अनुसार, इस तरह के किसी भी कदम से रूस और चीन सहित अन्य परमाणु संपन्न देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की घोषणाएं होने की आशंका है, जिससे परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो सकती है और पूरी मानवता गंभीर खतरे में पड़ सकती है। परमाणु परीक्षणों से रेडियोधर्मी उत्सर्जन का वैश्विक खतरा भी बढ़ेगा। भले ही परीक्षण भूमिगत किए जाएं, लेकिन रेडियोधर्मी पदार्थों के रिसाव और भूजल प्रदूषण का जोखिम बना रहेगा। परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का उल्लंघन

समग्र परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर 187 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, जो विश्व की सबसे व्यापक रूप से समर्थित निरस्त्रीकरण संधियों में से एक है। अमेरिका ने भी इस पर दशकों पहले हस्ताक्षर किए थे, लेकिन अब तक इसका अनुमोदन नहीं किया है। इसके बावजूद, एक हस्ताक्षरकर्ता देश होने के नाते, वह संधि की भावना और उद्देश्य का उल्लंघन नहीं कर सकता।

नौ परमाणु संपन्न देश बढ़ा रहे भंडार

अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल — अपने हथियार भंडार को और उन्नत, सटीक और तेज बना रहे हैं। इससे परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना बढ़ रही है और यह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उनके निरस्त्रीकरण दायित्वों के विपरीत है। रूस और इज़राइल जैसे देशों द्वारा हालिया संघर्षों में दिए गए परमाणु धमकी भरे बयान इस खतरे को और बढ़ाते हैं। खबरों के अनुसार, दुनिया भर में सक्रिय परमाणु हथियारों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है, जिसमें वे हथियार भी शामिल हैं जो कुछ ही मिनटों में प्रक्षेपित किए जा सकते हैं।

1960 के दशक में पर्यावरणीय दुष्परिणामों से रोके गए थे परीक्षण

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य हथियारों के प्रभाव और उनके विनाशकारी दायरे को समझना था। लेकिन 1960 के दशक में पर्यावरणीय और स्वास्थ्य दुष्परिणामों के कारण देशों ने वातावरण में परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने पर सहमति बनाई। 1963 की आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि के बाद केवल भूमिगत परीक्षणों की अनुमति थी। अमेरिका ने 1992 में, फ्रांस ने 1996 में परीक्षण बंद किए, जबकि रूस और चीन ने भी 1990 के दशक के बाद कोई परीक्षण नहीं किया। इस सदी में केवल उत्तर कोरिया ने 2017 में परमाणु परीक्षण किया है। तकनीकी क्षमताओं के विकसित होने के बाद परमाणु शक्तियों को नए हथियारों के डिज़ाइन का परीक्षण वास्तविक विस्फोट के बिना संभव हो गया, इसलिए भौतिक परीक्षणों की आवश्यकता नहीं रही।

एकमात्र शेष संधि भी संकट में

शीत युद्ध के बाद बनी अधिकतर प्रमुख हथियार नियंत्रण संधियां अब समाप्त हो चुकी हैं। अमेरिका और रूस के बीच न्यू एसटीएआरटी (स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) ही ऐसी आखिरी संधि है जो दोनों देशों के 90 प्रतिशत परमाणु हथियारों को सीमित करती है। यह संधि अगले वर्ष फरवरी में समाप्त होने वाली है और इसके नवीनीकरण को लेकर अभी तक औपचारिक वार्ता शुरू नहीं हुई है। इन सभी घटनाक्रमों के चलते विशेषज्ञों का कहना है कि मानवता के अस्तित्व पर मंडराते खतरों का प्रतीक डूम्सडे क्लॉक अब पहले से कहीं अधिक आगे बढ़ गई है। यह अत्यंत खतरनाक समय है और यदि अमेरिका ने वास्तव में परमाणु परीक्षण फिर शुरू किया तो यह पूरे विश्व के लिए एक भयावह मोड़ साबित हो सकता है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान फिर वार्ता करने पर सहमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने शुक्रवार को सीमा पर संघर्ष विराम कायम रखने और इस सप्ताह असफल रही शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए बातचीत करने पर सहमति जताई है। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच दूसरे दौर की चर्चा शनिवार को इस्तांबुल में शुरू हुई थी लेकिन यह विफल हो गई क्योंकि पाकिस्तान ने तालिबान पर सीमा पार हमलों को रोकने का आश्वासन देने में अनिच्छा दिखाने का आरोप लगाया।

डॉन अखबार की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम दौर की वार्ता के मेजबान तुर्किये द्वारा शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि छह नवंबर को इस्तांबुल में एक प्रमुख-स्तरीय बैठक के दौरान कार्यान्वयन के आगे के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रमुख वार्ताकार कौन होंगे।

एआई युग से जुड़ेंगी गढ़वाली कुमाऊनी व जौनसारी भाषाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- विदेश से ऐतिहासिक पहल, भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ

अमृत विचार : उत्तराखंड की लोकभाषाओं-गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इस अवसर पर भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ अमेरिका के सिएटल और कनाडा के सरे-वैंकूवर में किया गया।

यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वीडियो संदेश से हुई। मुख्यमंत्री ने इस पहल को उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता को डिजिटल युग से जोड़ने वाला युगांतकारी प्रयास बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जब तक हमारी भाषा जीवित है, हमारी संस्कृति जीवित है। उत्तराखंड सरकार सदैव अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए तत्पर है। यह पहल बल्कि अपनी पहचान और लोक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक जन आंदोलन है।

इस पोर्टल के माध्यम से गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं के लगभग 10 लाख (1 मिलियन) शब्द, वाक्य, कहावतें और कहानियां एकत्र की जाएंगी, ताकि एआई प्लेटफॉर्म इनसे सीखकर भविष्य में हमारी भाषाओं में संवाद कर सकें। यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग देवभूमि उत्तराखंड कल्चरल सोसाइटी कनाडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुई, जिसमें 4000 से अधिक प्रवासी उत्तराखंडी उपस्थित रहे। लॉन्चिंग में विशेष रूप से पद्मश्री प्रीतम भरतवाण (लोकगायक, जागर एवं ढोल सागर अकादमी), सच्चिदानंद सेमवाल (एआई आर्किटेक्ट, अमेरिका), अमित कुमार, सोसाइटी के अध्यक्ष बिशन खंडूरी, टोरंटो से मुरारीलाल थपलियाल एवं भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि शामिल रहे।

मादक पदार्थ नौकाओं पर अमेरिकी हमले अस्वीकार्य

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने कहा है कि दक्षिण अमेरिका से कथित तौर पर अवैध मादक पदार्थ ले जाने वाली नौकाओं पर अमेरिकी सैन्य हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के किसी संगठन ने संभवतः पहली बार इन घटनाओं की निंदा की है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नौकाओं पर हमलों को अमेरिका में मादक पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए एक आवश्यक कार्रवाई बताते हुए उचित ठहराते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदसानी ने बताया कि मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने हमलों की जांच की मांग की है और कहा है कि सितंबर के शुरू से अब तक नौकाओं पर हुए हमलों में 60 से अधिक लोग मारे गए हैं।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख बोले-इन्हें रोका जाना चाहिए

भारतीय कलाकृतियों की नीलामी में बना रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी

- टीपू की पैस्तौलों और रणजीत सिंह की पेंटिंग के मिले अधिक दाम

टीपू सुल्तान के लिए बनाई गई दो पिस्तौल और महाराजा रणजीत सिंह की एक बारीक चित्रकला ने इस सप्ताह लंदन में हुई नीलामी में नए कीर्तिमान स्थापित किए। आर्ट्स ऑफ द इस्लामिक वर्ल्ड एंड इंडिया शीर्षक से बुधवार को हुई इस नीलामी में कुल एक करोड़ पाउंड से अधिक की राशि प्राप्त हुई।

इनमें ऐतिहासिक भारतीय कलाकृतियों ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक दाम हासिल किए। मैसूर के शासक रहे टीपू सुल्तान के लिए विशेष रूप से तैयार की गई चांदी जड़ी फ्लिंटलॉक पिस्तौलों की जोड़ी 11 लाख पाउंड में एक निजी संग्रहकर्ता को बेची गई, जो अनुमानित मूल्य का लगभग 14 गुना है। उन्नीसवीं सदी के सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह की एक पेंटिंग 9 लाख 52 हजार 500 पाउंड (952,500 पाउंड) में बिकी।

यह सिख कला के क्षेत्र में अब तक का नया रिकॉर्ड है और इसे एक संस्थान ने खरीदा। पेंटिंग में कलाकार बिशन सिंह ने उन्हें लाहौर के एक बाजार से जुलूस में जाते हुए दर्शाया है। संग्रहकर्ता संस्था 'सोथबी' के कैटलॉग में इस पेंटिंग के बारे में कहा गया है कि यह सुंदर और बारीकी से बनी झांकी महाराजा रणजीत सिंह को हाथी पर सवार होकर लाहौर के बाजार से गुजरते हुए दिखाती है। उनके साथ उनका भव्य दरबार, चंवर और छत्र धारी सेवक, बाज़ पालक तथा घोड़े और ऊंटों द्वारा खींची जाने वाली सवारियां हैं जिनमें उनका पुत्र शेर सिंह, एक गणिका और उनके धार्मिक व राजनीतिक सलाहकार भाई राम सिंह तथा राजा गुलाब सिंह सम्मिलित हैं। चित्र के अग्रभाग में संन्यासी और सड़क कलाकार महाराजा का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि पृष्ठभूमि में शिल्पकार, पतंग बनाने वाले और दुकानदार अपने काम में व्यस्त दिखते हैं।

टीपू सुल्तान की यह पिस्तौलें 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी के दौरान उनके खजाने से मिली थीं।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से 21 मरे

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में बृहस्पतिवार देर रात हुए भूस्खलन के कारण 21 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने पुलिस के हवाले से बताया कि देर रात करीब दो बजे हुए भूस्खलन के कारण एंगा प्रांत के कुकास गांव में कई घर तबाह हो गए। एंगा प्रांत के गवर्नर पीटर इपातास ने एबीसी को बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 30 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एपी का शुक्रवार को इपातास और एंगा के वाबैग थाने से संपर्क नहीं हो सका।

वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा चीन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के नेताओं से कहा कि उनका देश वार्षिक आर्थिक क्षेत्रीय मंच पर वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनदेखी की। जिनपिंग ने शुक्रवार को दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में शुरू हुए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में प्रमुख मंच संभाला जबकि ट्रंप बढ़ते व्यापार युद्ध को कम करने के लिए एक दिन पहले ही चीनी राष्ट्रपति के साथ समझौते करने के बाद देश से चले गए थे।

इस वर्ष दो दिवसीय एपेक शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का प्रभाव काफी अधिक रहा, जो सम्मेलन से इतर आयोजित की गई थी। ट्रंप ने जिनपिंग के साथ गुरुवार को हुई अपनी बैठक को एक शानदार सफलता बताया और कहा कि वह चीन पर शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग दुर्लभ खनिजों के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिकी सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उनके ये समझौते विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव से जूझ रही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। ट्रंप का एपेक से दूर रहने का निर्णय बड़े और बहुराष्ट्रीय मंचों का

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से हाथ मिलाते जिनपिंग।।

- एपेक शिखर सम्मेलन में बोले राष्ट्रपति शी जिनपिंग

उनके द्वारा बार-बार तिरस्कार किए जाने को दर्शाता है। लेकिन उनके द्वारा एपेक की अनदेखी किए जाने से अमेरिका की प्रतिष्ठा के उस मंच पर खराब होने का खतरा है, जो विश्व की लगभग 40 प्रतिशत आबादी और वैश्विक वस्तु व्यापार के आधे से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। चिनफिंग ने एपेक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि समय जितना अशांत होगा, हमें उतना ही अधिक एकजुट होकर काम करना होगा। दुनिया तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रही है और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां लगातार जटिल एवं अस्थिर होती जा रही हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 09 .11 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

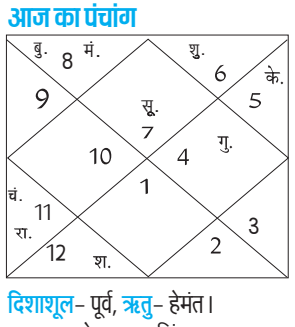

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 06 .20 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ेगा। आप अपनी स्किल्स बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विवाह योग्य संतान का विवाह तय हो सकता है। विवादों को सुलझाने में सफलता मिलेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन को प्रपोज कर सकते हैं।

वृष — आज आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। जल्दबाजी में किए गए कार्यों का यथोचित परिणाम मिलने में समस्या होगी। पारिवारिक सदस्यों के बीच सौहाद्र का भाव बढ़ेगा। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहने वाली हैं, इसीलिए समय का सदुपयोग करें।

मिथुन — आज छात्रों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों से सहायता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ अच्छा समय बितायेंगे। सोशल मीडिया पर आपकी सक्रियता बढ़ेगी। आपके उदार स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। पिता की सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — आज कोई महत्वपूर्ण कार्य आरम्भ न करें। करियर में अनेक अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। घरेलू समस्याओं को बाहर के लोगों से शेयर न करें। स्वास्थ्य की अनदेखी करना उचित नहीं है। आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम समय पर और निर्बाध होंगे। किसी परिजन के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। जीवनसाथी के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। कारोबार में महत्वपूर्ण डील होने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

कन्या — आज नौकरीपेशा लोगों को बोनस मिल सकता है। सुबह शुभ समाचार मिल सकते हैं। साइटिका के रोगियों की समस्या बढ़ सकती है। अधूरे पड़े सरकारी कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। छात्रों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है। महिला वर्ग अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। पुराने संबंधों से आपको लाभ प्राप्त होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज पैतृक संपदा की प्राप्ति हो सकती है। लेकिन रियल एस्टेट कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। फूड इण्डस्ट्री से जुड़े लोगों के कारोबार में वृद्धि होगी। बच्चों के भविष्य की चिंता रहेगी। घर के सदस्यों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

धनु — आज नया प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं जिनमें आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपने लक्ष्य को लेकर आप पूरे जुनून से काम करेंगे। किसी समारोह के लिए निमंत्रण प्राप्त होगा। नई जॉब को लेकर इन्टरव्यू दे रहे हैं तो परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मकर — आज कारोबार में मित्रों का सहयोग ले सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। अनुसंधान और शोध कार्यों में सफलता मिल सकती है। दिखावे की प्रवृत्ति से बचें। गुप्त शत्रुओं के कारण नुकसान हो सकता है। बच्चे पिता के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कुंभ — आज आप अत्यंत सकारात्मक महसूस करेंगे। दिन की शुरूआत बहुत खुशनुमा रहने वाली है। आप अपने लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको दांपत्य संबंधों को पर्याप्त समय देना चाहिए। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन — आज जीवनसाथी के साथ संवादहीनता परेशानी का कारण बनेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अपने खानपान और दवाइयों का ध्यान रखें। जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा नहीं है। धन के लेन-देन में चूक हो सकती है।

सुडोकू-147

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			2		3			
						4		3
		6	7					
3			6		1			
4	2							1
			4		8			
				7	9	2		
8		3						
			8		5			

सुडोकू - 146 का हल

8	9	7	1	4	5	2	6	3
1	2	6	7	9	3	8	5	4
3	5	4	2	8	6	1	9	7
9	6	3	4	2	8	5	7	1
5	7	8	3	6	1	9	4	2
2	4	1	5	7	9	6	3	8
6	3	2	8	5	7	4	1	9
4	1	5	9	3	2	7	8	6
7	8	9	6	1	4	3	2	5

ऑस्ट्रेलिया जैसे दमदार विरोधी के खिलाफ हमारी टीम की शानदार जीत। जेमिमा का बड़े मैच में शानदार प्रदर्शन। दृढ़ता, विश्वास और जुनून का असल प्रदर्शन। शानदार टीम इंडिया। हमारी लड़कियों ने असली धमाका किया। क्या खेल दिखाया। महिला टीम पर गर्व है।

– विराट कोहली

स्टेडियम

अयोध्या, शनिवार 1 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में रूस की अरीना रोडियोनोवा के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद जश्न मनातीं ताइवान की जोआना गारलैंड। चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने 6-2, 7-6 से जीत दर्ज की। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा फिर उठेगा

मुंबई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाएगा। भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया।

हेजलवुड एंड कंपनी ने भारतीय बल्लेबाजी को ध्वस्त किया

अभिषेक शर्मा का अर्धशतक हुआ व्यर्थ, दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया चार विकेट से जीता

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (13 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान मिचेल मार्श की 26 गेंद में 46 रन की पारी से शुक्रवार को यहां भारत के खिलाफ दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 40 गेंद रहते चार विकेट से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पांच मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। कैनबरा में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। तीसरा मैच रविवार को होबार्ट में खेला जाएगा।

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 68 रन की जुझारू अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन हेजलवुड की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए मेहमान टीम को 125 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने यह लक्ष्य 13.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल किया। कप्तान मार्श ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दो चौके और चार छक्के जड़ित पारी से तेज शुरूआत कराई। मार्श और ट्रेविस हेड (28 रन) ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़ दिए।

मिस्ट्री लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पांचवें ओवर में हेड को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराकर दोनों के बीच 28 गेंद की भागीदारी को खत्म किया। मार्श ने तेजी से खेलना जारी रखा लेकिन कुलदीप यादव की गुगली पर अभिषेक के हाथों कैच आउट हो गए जिससे ऑस्ट्रेलिया को आठवें ओवर में दूसरा झटका लगा। वरुण ने अगले ही ओवर में टिम डेविड को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। लक्ष्य इतना कम था कि कसी गेंदबाजी के बावजूद इसे आसानी से हासिल किया जा सकता था।

इससे पहले अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान ऑफ-साइड में कुछ बेहतरीन शॉट खेले जिसमें स्लैश, चेक ड्राइव और उठा कर लगाए गए स्ट्रोक शामिल थे। उन्होंने इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपने पहले मैच में 23 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया लेकिन अन्य बल्लेबाज कोई भागीदारी नहीं निभा सके और पवेलियन लौट गए। इससे टीम आठ गेंद रहते सिमट गई। अभिषेक ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े थे। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे ऑलराउंडर हर्षित राणा ने 33 गेंद में 35 रन की पारी खेली और अभिषेक के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन जोड़कर भारत को 100 रन का आंकड़ा पार करने में मदद की।

ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज हेजलवुड के अलावा जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस ने दो दो विकेट झटके। अभिषेक ने क्रीज का अच्छा इस्तेमाल किया और उछाल का भी अच्छी तरह सामना किया। लेकिन निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाने से वह निराश दिखे। उन्हें लगभग पांच ओवर तक स्ट्राइक नहीं मिली क्योंकि इस दौरान राणा ने ज्यादातर गेंदें खेलीं।

इसके बाद शिवम दुबे और कुलदीप यादव ने भी कई गेंदें खेलीं। भारत का स्कोर आठ विकेट पर 110 रन था तब अभिषेक ने बार्टलेट पर चौका और फिर छक्का जड़ा जिससे स्कोर 125 तक पहुंचा।

शुभमन गिल के खिलाफ अपील करते हुएजोश हेजलवुड। एजेंसी

भारत

125/10 (18.4 ओवर)

शुभमन गिल का मार्श बो हेजलवुड	05
अभिषेक शर्मा पगबाधा बो एलिस	68
संजू सैमसन पगबाधा बो एलिस	02
सूर्यकुमार का इंग्लिस बो हेजलवुड	01
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00
अक्षर पटेल रन आउट	07
हर्षित राणा का डेविड बो बार्टलेट	35
शिवम दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00

गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0

ऑस्ट्रेलिया

126/6 (13.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46
ट्रेविस हेड का तिलक बो वरुण	28
जोश इंग्लिस पगबाधा बो कुलदीप	20
टिम डेविड का एवं बो वरुण	01
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00

गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2

अभिषेक शर्मा।

थकान के कारण एकाग्रता टूट रही थी : जेमिमा

नवी मुंबई, एजेंसी

- सेमीफाइनल में शानदार पारी खेलने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया
- बोलीं-हरमनप्रीत के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली

अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रॉड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने मीडिया से कहा मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।

उन्होंने कहा जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी, मुझे टिककर खेलना है। जेमिमा ने कहा इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं समझदारी से खेलने लगी। प्रेस कांफ्रेंस में बार-बार रो पड़ी जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी। मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ पेचीदा शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आक्रामक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सीखा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था। उन्होंने कहा मैं खुदा से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।

इस पारी से पहले जेमिमा कठिन दौर से गुजर रही थी और टीम से बाहर भी हुई लेकिन उसके साथी खिलाड़ी उसके साथ डटे रहे। उन्होंने कहा कोई अपनी कमजोरियों के बारे में बात नहीं करना चाहता।

टूर्नामेंट की शुरुआत में काफी बैचेनी से गुजर रही थी। अपनी मां को फोन करके पूरा समय रोती रहती थी, क्योंकि जब आप इन हालात से गुजर रहे होते हैं तो कुछ सूझ नहीं पड़ता। उन्होंने कहा समझ में नहीं आता कि क्या करें। ऐसे समय में मेरे माता-पिता ने मेरा खूब साथ दिया। अरूंधति रेड्डी से मैं रोज बात करती थी और उसके सामने रोती थी। स्मृति (मंधाना) ने मेरी काफी मदद की। उसे पता था कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। कुछ नेट सत्रों में वह खड़ी रही, कुछ कहा नहीं लेकिन उसे पता था कि उसकी मौजूदगी मेरे लिए अहम है। राधा यादव ने मेरा बहुत ख्याल रखा। जेमिमा ने मैच के बारे में कहा डी वाई पाटिल स्टेडियम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मैं यही सोच रही थी कि टिके रहना है तो रन खुद ब खुद मिलेंगे।

जेमिमा रॉड्रिग्स ने दर्शकों का अनोखे अंदाज में आभार व्यक्त किया। एजेंसी

हमने ऑस्ट्रेलिया की तरह नहीं खेला : कप्तान हीली

नवी मुंबई : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय स्टार जेमिमा रॉड्रिग्स की बेमिसाल मानसिक दृढ़ता की तारीफ की और कहा कि महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनकी टीम आस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी।

हीली ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा हम चार या पांच ओवर बाकी रहते मैच में थे, लेकिन क्रिकेट में मजेदार चीजें होती रहती है। अगर आप विरोधी टीम पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सकते तो ऐसा होता है। जेमिमा ने शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम ने कई गलतियां की जो आम तौर पर टीम नहीं करती है। उन्होंने कहा हमने कई बार जरूरत से ज्यादा खराब गेंदें फेंकी और शायद हमने जो मौके बनाए, उनका फायदा नहीं उठा पाये। हम आम तौर पर जितने आक्रामक होते हैं, उतने आक्रामक नहीं थे।

तेंदुलकर समेत खेल जगत ने महिला क्रिकेट टीम की तारीफों के पुल बांधे

नवी मुंबई, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में देश के समूचे खेल जगत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा। तिरंगे का परचम लहराते रहो।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा आस्ट्रेलिया सोच रही थी कि एक और सेमीफाइनल है, आराम से जीतो और पहुंचो फाइनल, लेकिन भारतीय टीम ने कमाल कर दिया।

भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने लिखा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बेहतरीन जीत। जेमिमा रौड्रिग्स का संयम और ताकत से भरा जबर्दस्त प्रदर्शन। यह पारी परिपक्वता और आत्मविश्वास की बानगी देती है।

युवराज सिंह ने लिखा कुछ जीत स्कोरबोर्ड के आंकड़ों से भी ऊपर होती है और यह उनमे से एक है। जब पूरी दुनिया देख रही थी और काफी दबाव था, ऐसे में हरमनप्रीत कौर ने असल कप्तान की तरह संयम और दृढ़ता से भरी पारी खेली। वहीं जेमिमा ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक खेली। अपने खेल पर और एक दूसरे पर भरोसे के दम पर यह साझेदारी बनी। सेमीफाइनल में ऐतिहासिक जीत और अब फाइनल पर नजरें। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लिखा शानदार मैच। फाइनल में पहुंचने पर हमारी भारतीय महिला टीम को बधाई।

दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लिखा टीम इंडिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया को बाहर किया और उनके जीत के अभियान पर रोक लगाई। सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन।

मेरा एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना : कोच मजूमदार

नवी मुंबई : घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद कभी भारत के लिए नहीं खेल सके भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी टीम को उनका एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना है और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने वही किया। मजूमदार ने जीत के बाद कहा कोई बड़ा संदेश नहीं था। हम हमेशा एक दूसरे से कहते रहते हैं कि फिनिश अच्छे से करना है। हम आमतौर पर शुरुआत अच्छी करते हैं, लेकिन फिनिशिंग पर काम करने की जरूरत रहती है। ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद टीम के प्रदर्शन पर ऊंगलियां उठी थी लेकिन मजूमदार अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट थे। आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले उन्होंने व्हाइटबोर्ड पर एक ही बात लिखी हमें फाइनल में पहुंचने के लिये बस एक रन अधिक बनाना है। क्रांति गौड़ व श्री चरणी पर भरोसा काम आया।

कप्तान पंत सिर्फ 17 रनों पर आउट

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत ए टीम दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 234 रनों पर आउट हो गई, जिसमें ऋषभ पंत 17 रन का ही योगदान दे सके। दक्षिण अफ्रीका ए ने कल के स्कोर नौ विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन पहले ही सत्र में 309 रन पर आउट हो गई।

भारत ए का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा और आफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायेन ने 61 रन देकर पांच विकेट चटकाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ए को 75 रन की बढत मिल गई। युवा आयुष म्हात्रे ही टिककर खेल सके जिन्होंने 76 गेंद में 65 रन जोड़े। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका ए ने बिना किसी नुकसान के 30 रन बना लिए थे और अब उसके पास 105 रन की बढ़त हो गई है।

जोर्डन हरमान 12 और लेसेगो सेनोकवाने नौ रन बनाकर खेल रहे हैं। दूसरे दिन सभी की नजरें पंत पर लगी थी जो तीन महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट रहे थे लेकिन विकेट के सामने वह टिक नहीं सके। उन्होंने छठी गेंद पर सुब्रायेन को मिडआन पर चौका लगाया। इसके बाद शेपो मोराकी को स्क्वेयर लेग पर चौका लगाकर क्रीज पर जमने के संकेत दिए। लेकिन जुबैर हमजा की गेंद को खेलें या नहीं खेलें की दुविधा में वह गली में कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। इससे पहले चोटिल एन जगदीशन की जगह खेल रहे साइ सुदर्शन 94 गेंद में 38 रन की पारी में कहीं सहज नहीं लगे।

- अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच का दूसरा दिन
- भारत ए टीम पहली पारी में 234 रनों पर सिमटी

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हॉकी गोलकीपर फ्रेडरिक का निधन

कन्नूर/बेंगलुरु/ नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और म्युनिख ओलंपिक 1972 की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य मैनुअल फ्रेडरिक का शुक्रवार को सुबह बेंगलुरू के एक अस्पताल में निधन हो गया।

वह 78 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटियां हैं। उनके परिवार ने बताया कि वह पिछले दस महीने से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। केरल के कन्नूर में 20 अक्टूबर 1947 को जन्मे फ्रेडरिक ओलंपिक पदक जीतने वाले प्रदेश के पहले खिलाड़ी थे। उनके अलावा केरल से पी आर श्रीजेश ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है और वह भी हॉकी गोलकीपर रहे हैं। काफी पहले बेंगलुरू में आ बसे फ्रेडरिक एक साल पहले पत्नी शीतला के निधन के बाद से अवसाद में भी थे।

फिडे विश्व कप | आज से शुरू हो रहे मुकाबले में भारत की उम्मीदें अर्जुन और डी गुकेश से भी

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा दोहराना चाहेंगे श्रेष्ठ प्रदर्शन

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शनिवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे। जिसमें दुनिया की शीर्ष तीन रैंकिंग में काबिज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगे। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना की जोड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी।

विश्व चैंपियन डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। पर सबसे अहम चीज यह है कि इस टूर्नामेंट से 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफिकेशन स्थान सुनिश्चित होंगे। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले साल होने वाले विश्व चैंपियनशिप मैच का खिलाड़ी तय होगा। गोवा में अगले चार हफ्तों तक 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी आठ दौर वाले एकल एलिमिनेशन नॉकआउट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक मैच में निश्चित समय में दो क्लासिकल बाजियां होंगी। अगर क्लासिकल बाजियों के बाद स्कोर बराबर रहता है तो खिलाड़ी तीसरे दिन रैपिड और ब्लिट्ज टाई-ब्रेक की एक श्रृंखला खेलेंगे जिससे यह तय होगा कि कौन आगे बढ़ेगा। भारत के शीर्ष तीन खिलाड़ियों में गुकेश विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अगले साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के लिए कैंडिडेट्स चक्र से गुजरने की जरूरत नहीं है, जिससे उन पर दबाव कम होगा। प्रज्ञानानंदा की अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह लगभग पक्की है जबकि एरिगेसी अगले साल की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं। कैंडिडेट्स से तय होगा कि अगले विश्व चैंपियनशिप मैच में गुकेश को कौन चुनौती देगा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के तीन स्थान दांव पर लगे हैं तो ऐसे में अनुभवी विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा के भी कट बनाने की अच्छी संभावना है।

निहाल और अरविंद प्रबल दावेदार

युवा निहाल सरीन और अरविंद चितंबरम भी इस प्रतियोगिता में प्रबल दावेदार होंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 24 भारतीय खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शीर्ष 50 खिलाड़ियों को दूसरे दौर में सीधे प्रवेश दिया गया है जबकि शेष 156 खिलाड़ी पहले दौर से ही प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय खिलाड़ियों ने हाल में शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें ओलंपियाड (ओपन और महिला दोनों वर्गों में) जीतना, गुकेश का विश्व चैम्पियनशिप का खिताब जीतना और दिव्या देशमुख का महिला विश्व कप पर कब्जा करना शामिल है। यह घरेलू खिलाड़ियों के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक शानदार मौका होगा। विदेश की शानदार प्रतिभाएं टूर्नामेंट में होंगी।